हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 22.04.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 265 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

सीएम हेमन्त सोरेन बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों और महिला पर्यवेक्षिकाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र, कहा

'कुपोषण मुक्त झारखंड' बनाने के संकल्प के साथ काम करें नवनियुक्त महिलाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) में मंगलवार को आयोजित एक भव्य समारोह में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के अंतर्गत नवनियुक्त बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों और महिला पर्यवेक्षिकाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय के बाद इतने बड़े पैमाने पर इन पदों पर नियुक्तियां होना राज्य के लिए गर्व का विषय है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह, निदेशक किरण कुमार पासी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में नवनियुक्त अभ्यर्थी व उनके परिजन मौजूद थे।

महिलाएं आज न केवल अपने परिवार, बल्कि समाज और राज्य के विकास की धुरी बन रही हैं। मुझे विश्वास है कि आज से सरकार का अभिन्न हिस्सा बनी ये महिलाएं पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी।— हेमन्त सोरेन, मुख्यमंत्री

कुपोषण एक 'श्राप', इसे जड़ से मिटाना प्राथमिकता

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त महिला अधिकारियों को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा राज्य को कुपोषण के कलंक से मुक्त करने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। झारखंड एक आदिवासी बहुल राज्य है, जहाँ महिलाएं अक्सर अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को बताने में संकोच करती हैं। नवनियुक्त कर्मियों को संवेदनशीलता के साथ उनकी समस्याओं का निराकरण करना होगा। यदि कुपोषण का समाधान समय रहते नहीं किया गया, तो यह राज्य के भविष्य के लिए स्थायी चुनौती बन सकता है।

पारदर्शिता के लिए 'डिजिटल' कनेक्टिविटी पर जोर

मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही पर बल देते हुए कहा कि आंगनबाड़ी सेविकाओं से लेकर उच्चाधिकारियों तक बेहतर तालमेल जरूरी है। योजनाओं की रियल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए ग्रामीण स्तरीय महिला कर्मियों को मोबाइल और टैब दिए गए हैं। विभाग को निर्देश दिया गया है कि वे कर्मियों के कार्यों का नियमित मूल्यांकन करें और बेहतर प्रदर्शन करने वालों को प्रोत्साहित करें।

अंतिम पायदान तक पहुंचे योजनाएं

हेमन्त सोरेन ने स्पष्ट किया कि सरकार की प्राथमिकता सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले अंतिम व्यक्ति तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा, जब हम पूरी तत्परता से अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे, तभी राज्य की दिशा और दशा बदलेगी।

राज्यपाल ने न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार गुप्ता को दिलायी लोकायुक्त पद की शपथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को रांची के लोकभवन स्थित दरबार हॉल में झारखण्ड उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार गुप्ता को झारखण्ड राज्य के लोकायुक्त पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल ने उन्हें शपथ ग्रहण के बाद शुभकामनाएं दीं। इससे पूर्व, राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार की ओर से न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार गुप्ता की लोकायुक्त के रूप में नियुक्ति संबंधी वारंट का वाचन किया । इसके बाद राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ० नितिन कुलकर्णी ने नवनियुक्त लोकायुक्त को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन भी इस महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रक्रिया के साक्षी बने। शपथ ग्रहण समारोह के बाद राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने लोकायुक्त अमिताभ कुमार गुप्ता को अपनी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मंत्री राधा कृष्ण किशोर एवं मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, राज्यसभा सांसद डॉ० महुआ माजी, महापौर रौशनी खलखो, पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्रा, अपर मुख्य सचिव, मंत्रिमंडल तथा गृह विभाग वंदना दादेल सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जंगली भैंसे ने ली दो महिलाओं की जान

लातेहार : जिले के छिपादोहर वन क्षेत्र अंतर्गत मोरवाई जंगल में जंगली भैंसा के हमले से दो महिलाओं की मौत हो गई। मृत महिलाओं की पहचान सिलमानिया देवी (65) और शांति कुँवर (50) के रूप में हुई है । दोनों मोरवाई गांव के रहने वाले थे। मिली जानकारी के अनुसार दोनों महिलाएं कुछ अन्य महिलाओं के साथ सोमवार को ही जंगल में महुआ चुनने गई थी। इसी बीच अचानक जंगली भैंसा का झुंड उन पर हमला कर दिया। जंगली भैंसा से बचने के लिए महिलाएं इधर-उधर भागने लगी। इनमें दो महिलाएं जंगली भैंसा की चपेट में आ गई। भैंसा ने दोनों को पटक पटक कर मार डाला। इधर सोमवार की देर शाम तक जब दोनों महिलाएं वापस घर नहीं लौटी तो परिजन परेशान हो गए और उन्हें ढूंढने के लिए जंगल में गए। पर उनका कोई अता-पता नहीं चला। मंगलवार को पुनः जब ग्रामीण जंगल में गए तो दोनों महिलाओं का शव बरामद हुआ। इसके बाद घटना की जानकारी वन विभाग की टीम को दी गई।

बंगाल और तमिलनाडु में थमा प्रचार का शोर, मतदान कल

नयी दिल्ली : लोकतंत्र के महापर्व के लिए रणभेरी बज चुकी है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में गुरुवार को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार शाम 5 बजे प्रचार अभियान थम गया। अब अगले 48 घंटों तक दोनों राज्यों में 'साइलेंस पीरियड' प्रभावी रहेगा, जिसके दौरान उम्मीदवार केवल घर-घर जाकर ही जनसंपर्क कर सकेंगे। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को होगा। इस चरण में 16 जिलों की 152 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। कुल 1,478 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। लगभग 3 .60 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे, जिनमें 465 ट्रांसजेंडर मतदाता भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भवानीपुर सीट से मैदान में हैं, जहां उनका सीधा मुकाबला भाजपा से है। मुर्शिदाबाद (22 सीट), कूचबिहार (9), जलपाईगुड़ी (7), मालदा (12), बीरभूम (11), पूर्व व पश्चिम मेदिनीपुर (31), बांकुड़ा (12) समेत कुल 16 जिले शामिल हैं।

एक नजर

मणिपुर में भूकंप के दो झटके

इंफाल : मणिपुर में मंगलवार सुबह तीन घंटे के अंतराल में भूकंप के दो झटके महसूस किए गए। भूकंप का पहली झटका सुबह 05 बजकर 59 मिनट 33 सेकंड एवं दूसरा झटका सुबह 09 बजकर 03 मिनट 25 सेकंड पर महसूस किया गया। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.2 और 3.3 मापी गई। पहला भूकंप मणिपुर कामजोंग जिले में जमीन के अंदर करीब 62 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप का एपिसेंटर 24.703 उत्तरी अक्षांश और 94.415 पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। दूसरा भूकंप मणिपुर कामजोंग जिले में जमीन के अंदर करीब 56 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। जबकि, दूसरे भूकंप एपिसेंटर 24.737 उत्तरी अक्षांश और 94.185 पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया।

आज खुलेंगे केदारनाथ धाम के कपाट

देहरादून : उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट कल यानी बुधवार को प्रातः 08 बजे शुभ मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। इसके साथ केदारनाथ यात्रा 2026 का आधिकारिक शंखनाद हो जाएगा। कपाट उद्घाटन के पावन अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी धाम पहुंचकर परंपरागत धार्मिक अनुष्ठानों एवं विशेष पूजा-अर्चना में शामिल होंगे। बाबा केदारनाथ की पंचमुखी उत्सव डोली भी धाम पहुंच चुकी है। प्रशासन और तीर्थ पुरोहितों ने कपाट खुलने की सभी तैयारियां भी पूरी कर ली हैं। कपाट खुलने को लेकर पूरे धाम क्षेत्र में भव्य धार्मिक वातावरण देखने को मिल रहा है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु केदारनाथ पहुंच रहे हैं और बाबा के दर्शन के लिए उत्साह चरम पर है। केदारनाथ मंदिर को 51 क्विंटल फूलों से सजाया गया है।

साइबर घोटाला: फर्जी खातों से 2500 करोड़ रुपये का खेल

बैंक अधिकारियों समेत 20 गिरफ्तार

एजेंसी

राजकोट : गुजरात के राजकोट में 2500 करोड़ रुपये के बड़े साइबर फ्रॉड का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। इस मामले में प्राइवेट बैंकों के अधिकारियों की संलिप्तता सामने आई है। पुलिस ने हाल ही में तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिससे कुल गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। राजकोट (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक विजय गुर्जर के अनुसार, पाधाधरी स्थित यस बैंक के पर्सनल मैनेजर मौलिक कामानी, जामनगर स्थित एक्सिस बैंक के मैनेजर कल्पेश डांगरिया और एचडीएफसी बैंक के पर्सनल बैंकर अनुराग बाल्धा को गिरफ्तार किया गया है। इन तीनों पर साइबर ठगी में शामिल होने का आरोप है।

85 खाते चिन्हित 535 शिकायतें दर्ज

पुलिस ने अब तक इस रैकेट से जुड़े 85 बैंक खातों की पहचान की है। साइबर क्राइम पोर्टल पर इस मामले से जुड़ी 535 शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं। तीनों गिरफ्तार आरोपियों को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि अन्य आरोपी पहले से जेल में बंद हैं।

फर्जी खातों से किया जाता था लेन-देन

जांच में सामने आया कि मौलिक कामानी ने पहले से गिरफ्तार आरोपियों को संदिग्ध बैंक खाते खोलने और उन्हें संचालित करने में मदद की। उसने कई दस्तावेजों के जरिए खातों को सक्रिय रखा, जिससे बड़े ट्रांजैक्शन पर बैंक अलर्ट सिस्टम को नजरअंदाज किया जा सके।

केरल के त्रिशूर में पटाखा निर्माण फैक्टरी में विस्फोट

13 लोगों की मौत, पीएम ने जताया दुःख

एजेंसी

त्रिशूर : केरल के त्रिशूर जिले के मुंडथिक्कोडु इलाके में मंगलवार को एक पटाखा निर्माण यूनिट में भीषण विस्फोट गया। इस विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब शहर में आयोजित होने वाले वार्षिक हिंदू मंदिर उत्सव त्रिशूर पूरम की तैयारियां चल रही थीं। इस घटना पर पीएम मोदी ने दुख जताया है। सूत्रों के मुताबिक, घटनास्थल पर बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी हुई थी, जिसमें आग लगने के बाद जोरदार धमाका हुआ। प्रारंभिक जानकारी में लगभग 40 लोगों के घायल होने की बात सामने आई थी, जिनमें से कम से कम आठ की हालत गंभीर बताई गई थी। घटना के तुरंत बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और प्रशासन ने त्रिशूर मेडिकल कॉलेज सहित आसपास के अस्पतालों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए।

हादसे के वक्त फैक्ट्री में करीब 40 लोग कर रहे थे काम

कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई धमाके की आवाज

विस्फोट के बाद इलाके में घना धुआं और आग फैल गई, जिससे बचाव कार्यों में भी कठिनाई आई। घटनास्थल पर मौजूद अधजले और बिना फटे विस्फोटकों के कारण राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित हुआ।पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गईं। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई, जिससे धमाके की तीव्रता और वहां मौजूद विस्फोटक सामग्री के पैमाने का अंदाजा लगाया जा सकता है।

घटनास्थल पर पहुंचे राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के समय यूनिट में करीब 40 लोग काम कर रहे थे, क्योंकि आयोजकों द्वारा कर्मचारियों के लिए दोपहर का भोजन लाया गया था। अधिकारी ने कहा, हमें सूचना मिली है कि सात लोग वहां से भागने में सफल रहे।बताया जा रहा है कि यह विस्फोट उस पटाखा इकाई में हुआ, जहां त्रिशूर पूरम के थिरुवंबाडी गुट के लिए आतिशबाजी के सैंपल तैयार किए जा रहे थे। इस घटना में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है और 5 लोगों की हालत बेहद ही गंभीर बताई जा रही है।

टैंकर ने कार को मारी टक्कर, 5 युवकों की मौत

भोपाल/बड़वानी : मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में मंगलवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में पांच युवकों की जान चली गई। जुलवानिया टोल प्लाजा के पास एक तेज रफ्तार टैंकर ने कार को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार तीन युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो की मौत इलाज के दौरान अस्पताल में हुई। दो अन्य युवक अभी भी जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। मृतकों में सचिन वास्कले, प्रद्युम्न सहते, पप्पू, आकाश, यशवंत सुपड़िया शामिल है। जानकारी के अनुसार, सभी युवक एक बारात से वापस लौट रहे थे। रास्ते में उनके एक वाहन का डीजल खत्म हो गया। डीजल लाने के लिए सात युवक कार से निकले थे, तभी दोपहर करीब 2:30 बजे खरगोन की ओर से आ रहे अनियंत्रित टैंकर ने उन्हें टक्कर मार दी।

ईरान का प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान जाने को राजी

एजेंसी

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच दो क्षेत्रीय अधिकारियों ने मंगलवार को जानकारी दी है कि अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में युद्धविराम वार्ता के नए दौर के लिए संकेत दिए हैं। हालांकि, अभी तक अमेरिका या ईरान ने सार्वजनिक रूप से बातचीत के समय की पुष्टि नहीं की है। अधिकारियों की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब, ईरान के सरकारी टेलीविजन ने भी इस बात से इनकार किया है कि उनका कोई अधिकारी अभी पाकिस्तान की राजधानी में मौजूद है। पाकिस्तान की अगुवाई कर रहे मध्यस्थों को इस संबंध में पुष्टि मिल गई है। अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मुख्य वार्ताकार बुधवार सुबह इस्लामाबाद पहुंचेंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालिबाफ अपनी-अपनी टीमों का नेतृत्व करेंगे। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब दो हफ्ते का युद्धविराम खत्म होने वाला है।

अमेरिकी से जेडी वेंस और ईरान से मोहम्मद बाकिर गालिबाफ अपनी-अपनी टीमों का नेतृत्व करेंगे

कूटनीतिक हलचल के बीच ट्रंप ने दी चेतावनी

इस कूटनीतिक हलचल के बीच वाशिंगटन से काफी कड़े बयान आ रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो वह ईरान के बिजली संयंत्रों को निशाना बनाएंगे। ट्रंप ने 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' का जिक्र करते हुए इसे परमाणु ठिकानों को पूरी तरह खत्म करने वाली कार्रवाई बताया।

ईरान का ट्रंप को जवाब

वहीं ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद गालिबाफ ने इन धमकियों का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह बातचीत की मेज को आत्मसमर्पण की मेज में बदलना चाहता है। गालिबाफ ने साफ किया कि ईरान धमकियों के साये में बातचीत स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि पिछले दो हफ्तों में ईरान ने युद्ध के मैदान में नए पत्ते खोलने की पूरी तैयारी कर ली है।

रामगढ़ में दिनदहाड़े ज्वेलरी दुकान में 1 करोड़ की लूट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिला अंतर्गत रजरप्पा थाना क्षेत्र के चितरपुर रजरप्पा मोड़ के समीप मंगलवार दोपहर शिवशंकर ज्वेलर्स नामक दुकान में पिस्टल दिखाकर दिनदहाड़े लगभग एक करोड़ रुपए के आभूषण और नगदी की डकैती कर ली गई. घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई. बताया जाता है कि दोपहर लगभग 3:30 बजे पांच - छह अपराधी बाइक से रजरप्पा मोड़ पहुंचे. जहां अपराधियों ने सबसे पहले उत्तम ज्वेलर्स में घुस कर आभूषण दिखाने को कहा. यहां आभूषण नहीं दिखने के बाद अपराधियों ने शिवनारायण ज्वेलर्स में प्रवेश किया. यहां भी अपराधियों को आभूषण नहीं दिखाया गया, तो अपराधियों ने बगल के ही शिव शंकर ज्वेलर्स को अपना निशाना बनाया. अपराधियों ने ज्वेलर्स दुकान के व्यवसायी विष्णु वर्मा को सोने का चेन दिखाने को कहा. जहां विष्णु ने अपने छोटे भाई विवेक वर्मा को चेन लाने को कहा. विष्णु को अकेले पाकर मौके का फायदा उठाते हुए अपराधियों ने विष्णु पर पिस्टल तान दी. इसके बाद ज्वेलर्स शॉप से सोने, चांदी के आभूषण समेत लगभग एक करोड़ रुपये के नगदी की लूट कर ली गई. मौके की नजाकत को देखते हुए विवेक ने आसपास के लोगों की भीड़ जुटाकर अपराधियों को घेर लिया. जहां तीन - चार अपराधी आभूषण और नगदी लेकर भागने में सफल रहे.

एक नजर

श्रीशतचंडी महायज्ञ को लेकर कोनरा देवी मंदिर में ध्वजारोहण आज

बरही : श्री शतचंडी महायज्ञ को लेकर बरही के कोनरा महायज्ञ स्थल में बुधवार को ध्वजारोहण होगा। 7 मई से होने वाले श्री शतचंडी महायज्ञ एवं हनुमान प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। ध्वजारोहण मुख्य यज्ञाचार्य जयनंदन मिश्रा के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9 बजे से होगा।

अचीवर्स क्लासेस के अनय 99.95 परसेंटाइल लाकर बने हजारीबाग के जेईई मेन टॉपर

हजारीबाग : कालीबाड़ी रोड स्थित अचीवर्स क्लासेस के अनय गौतम जेईई मेन में 99.95 परसेंटाइल लाकर हजारीबाग का टॉपर बना। वहीं धैर्य राज 99.67, पूर्णिम राज 99.65 ,रवि 99.04 लाया । स्नेहा 99.12, कल्पना 99.03, कपिल 99.12। शंकर 99.01, श्रीराम 99.01, शंभू शंकर 98.94 , शालू 98.92 श्रेयस 98.92, ललन 98.02 ,शबनम 97.98, गरिमा 97.98, पवन 98.48, श्रेष्ठा 97.82, तनिष्क 97.53 ,रिंकू 97.03, उत्सव 97.01, सौरभ 97.01, पाणिनी 96.82, गौतम 96.81, विनय 96.8, करण 96.47, शरण 96.46, शालिनी 96.43, प्रखर 96.33, आदर्श 96.32, जितेंद्र 96.21, संजीव 96.18, गौरव 96.02 शेखर 96.01 , सुमित 96 , शुभम 96, शीतल 95.86, सार्थक 95.82, अभिनव 95.8, बिंदु 95.54, गगन 95.46, साकिल 95.42, सूर्या 95.38, सोहम 95.36, आकाश 95.34, सृष्टि 95.21, सारांश 95.18 , सुमित 95, पावस 94.98, श्रवण 94.87, गोविंद 94.82, अनस अनवर 94.8, अभिजीत 94.62, शैलेन्द्र 94.42, कामिनी 94.39, सुशील 94.32, अंशु 94.21, मौर्य 94.12, प्रीतम 94.01, सृजिता 93.29, पवित्र 93.32 अमित 93.31 भुवन 93.22 सुधांशु 93.21 वर्षा 93.19 रोहित 93 लाकर सफलता हासिल की। अचीवर्स के निदेशक अजय ठाकुर एवं अरविंद ठाकुर ने सभी बच्चों के मेहनत की तारीफ करते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सभी फैकल्टी की भी बहुत ही सराहना की और बोला की इस तरह की सफलता में फैकल्टी का भी बहुत बड़ा योगदान है और बोला कि IIT JEE Advanced जो 17 मई को होने वाला है ।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो वारंटी को भेजा जेल

टाटीझरिया : थाना अंतर्गत धरमपुर निवासी दारू थाना कांड संख्या 45/22 जी आर 1770/22 के वारंटी मनोवर अंसारी पिता सादिक अंसारी ग्राम धर्मपुर थाना टाटीझरिया जिला हजारीबाग एवं दूसरा टाटीझरिया थाना कोल्हू निवासी टाटीझरिया थाना कांड संख्या 27/19 जीआर 914/20 के वारंटी कुती देवी पति बनोदी गिरी ग्राम कोल्हू थाना टाटीझरिया जिला हजारीबाग को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में उपस्थापन हेतु टाटीझरिया थाना प्रभारी इंद्रजीत कुमार ने करवाई करते हुए दोनों अभियुक्त को जेल भेज दिया गया।

झामुमो जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया की बेटी के विवाह कार्यक्रम में शामिल हुई विधायक कल्पना सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : गांडेय विधानसभा क्षेत्र की विधायक कल्पना सोरेन हजारीबाग जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया के बेटी निक्की कुमारी की वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल करने बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत की उरीमारी परियोजना अंतर्गत जरजरा कॉलोनी स्थित आवास पहुंचे। इस दरमियान विधायक कल्पना सोरेन का आदिवासी रीति रिवाज अनुसार महिलाओं ने परंपरागत गीत गाकर एवं लोटा पानी देकर स्वागत किया। वहीं मौके पर विधायक कल्पना सोरेन का संजीव बेदिया केंद्रीय सदस्य सोनाराम मांझी , युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष पियूष बेदिया ने उनका स्वागत एवं गौरी देवी ने हार्दिक अभिनंदन किया। इस अवसर पर महिलाओं का कल्पना सोरेन के साथ सेल्फी लेने एवं फोटो खींचवाने की होड़ लगी रही। इस बीच महिलाओं ने उनको अपनी समस्याओं से अवगत कराया।इस दरमियान विधायक कल्पना सोरेन ने दुल्हन निक्की कुमारी को आशीर्वाद दिया और सुखमय विवाहित जीवन की शुभकामनाएं दी। और कहा की संजीव बेदिया झारखंड मुक्ति मोर्चा के विश्वसनीय कर्मठ व समर्पित नेता है। उन्होंने संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर मंत्री योगेंद्र महतो ,रामगढ़ विधायक ममता देवी, हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ,पूर्व सांसद रवींद्र कुमार, जीएम अजय सिंह, पिओ सुबोध कुमार ,पिओ दिलीप कुमार,पिओ एस.एस सिंह,राजू यादव, सोनाराम मांझी, कालेश्वर गंझू, मुखिया चरका करमाली, पंसस बभनी देवी , गीत देवी, दसईं मांझी, सीताराम किस्कू , संजय करमाली, सूरज बेसरा, गणेश गंझू, विनोद हेम्ब्रम, कानू मरांडी, रमन गंझू, डॉक्टर जी आर भगत, वही कार्यक्रम स्थल पर मुख्य रूप से नव पदस्थापित हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, बड़कागांव एसडीपीओ पवन कुमार बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह यूरिमरी यूपी प्रभारी रथुरा आदि कई थाना प्रभारी एवं संजय सिंह शहीद कई जनमन लो शामिल थे। कल्पना सोरेन के दौरे को लेकर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के कड़ी इंतजाम किए गए थे।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने दो फरार अभियुक्त को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

चलकुशा: थाना पुलिस ने फरार चल रहे दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई चलकुशा थाना कांड संख्या 52/25 के तहत की गई। गिरफ्तार अभियुक्त ग्राम खारी निवासी मनोज पंडित और नारायण पंडित के रूप में हुई है। दोनों आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे। थाना प्रभारी सूर्यकांत कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार किया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में फरार अभियुक्तों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसी कार्रवाई आगे भी की जाती रहेगी।

आयुष्मान आरोग्य शिविर पडिरमा में 68 लोगों की हुई स्वास्थ्य जांच

बरही: टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत बरही के पडिरमा आंगनबाड़ी केंद्र में आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, एचआईवी, हीमोग्लोबिन और बलगम की हुई जांच की गई। कुल 68 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में 67 लोगों का एक्स-रे परीक्षण किया गया। 12 मरीजों का बलगम जांच के लिए सैंपल लिया गया। ओपीडी में कुल 68 लोगों की जांच हुई। पडिरमा आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर में प्रियंका कुमारी, शैलेन्द्र राम, सूरज कुमार, राहुल कुमार राणा , मंजू देवी, निशि कुमारी , संतोष कुमार, संयुक्ता सिन्हा, कारण देवी, गायत्री देवी, मीना देवी और मो शमशाद ने स्वास्थ्य जांच में डॉक्टरों को सहयोग किया।

जीटी रोड पर लंबा जाम, कड़ी धूप में फंसे रहे सैकड़ों वाहन

चौपारण : क्षेत्र के जीटी रोड स्थित एनएच-19 पर मंगलवार को करीब आठ घंटे तक भीषण जाम लगा रहा, जिससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। लंबी दूरी तक वाहनों की कतारें लगी रहीं और सैकड़ों वाहन सड़क पर फंसे रहे। जाम के कारण यात्रियों, स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कड़ी धूप और चल रही लू के बीच यात्री अपने परिवार एवं छोटे बच्चों के साथ सड़क पर परेशान नजर आए। वहीं स्कूली बच्चे भी बसों में घंटों फंसे रहे, जिससे उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं। कई लोग समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार चतरा मोड़ के पास वाहनों का अत्यधिक दबाव तथा शादी-विवाह के मौसम में गाड़ियों की बढ़ती संख्या जाम का मुख्य कारण रही। इसके अलावा सड़क निर्माण कार्य के चलते कई स्थानों पर सड़क खोदकर वनवे कर दिया गया है, जिससे आवागमन बाधित हो गया और स्थिति गंभीर बन गई। जाम की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्वयं सड़क पर उतरकर यातायात व्यवस्था संभाली। लगातार प्रयास के बाद शाम करीब छह बजे धीरे-धीरे आवागमन सुचारु कराया जा सका। इस दौरान स्थानीय लोगों ने थाना प्रभारी की सक्रियता की सराहना की। वहीं लोगों ने सड़क निर्माण कंपनी की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि जाम जैसी गंभीर स्थिति में कंपनी की ओर से कोई भी कर्मी मौके पर मौजूद नहीं था, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क निर्माण कार्य में बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा उत्पन्न न हो।

विभावि राजनीति विज्ञान विभाग में हीट वेव से बचाव पर संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित

हजारीबाग : विनोबा भाव विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग में मंगलवार को "लू एवं गर्म हवा से बचाव" के विषय पर एक संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। विभागीय प्रशाल में आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने किया। बताया 'हीट वेव' के विषय पर मीडिया और सरकारी तंत्र अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए हमें सचेत कर रही है। अब हमारा दायित्व है कि हम स्वयं को, परिवार को तथा अपने संपर्क में आने वाले सबको सचेत करें। इस अवसर पर शोधार्थी रवि विश्वकर्मा द्वारा तैयार पीपीटी के माध्यम से झारखंड के विभिन्न अखबारों में प्रकाशित हीट वेव, येलो अलर्ट तथा बढ़ते तापमान की खबर को स्मार्ट बोर्ड के बड़े स्क्रीन पर दशार्या गया। उन्होंने खबर में उपलब्ध तथ्यों से विद्यार्थियों को परिचित कराया। शोधार्थी धर्मेंद्र कुमार ने नेशनल प्रोगाम ऑन क्लाइमेट चेंज एंड 'मन हेल्थ के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड सरकार द्वारा जनहित में जारी विज्ञापन की विस्तार से व्याख्या की। इसके अंतर्गत उन्होंने गर्म हवाओं के करण स्वास्थ्य पर मौसम का दुष्प्रभाव की चर्चा की। उन्होंने जानकारी दी कि इससे शरीर में पानी की कमी अर्थात डिहाइड्रेशन से लेकर हृदयघात तथा मस्तिष्काघात तक की समस्या हो सकती है। इस समय ओआरएस का घोल तथा अपनाए जाने वाली सावधानियों की भी चर्चा की। बताया कि इस मौसम में नमक-चीनी का घोल, छाछ, लस्सी, नींबू पानी, पोड़ाया हुआ आम का घोल का सेवन करें। इसके अलावा खरबूज और तरबूज जैसे मौसमी फल तथा खीरा और ककड़ी जैसे मौसमी सब्जी का सेवन अधिक से अधिक करें। विभागीय प्राध्यापक डॉ अजय बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों को बताया कि इस मौसम में हल्के रंग के ढीले-ढाले सूती के कपड़े पहने। यदि संभव हो तो धूप का चश्मा, छाता तथा गमछा का उपयोग करें। उन्होंने बच्चों को हिदायत दी की धूप से लौट कर रेफ्रिजरेटर में रखा ठंडा पानी के सेवन से बचे। शोधार्थी महेंद्र पंडित ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विभावि भौतिकी विभाग एवं आइक्यूएसी के तत्वावधान में व्याख्यान का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर भौतिकी विभाग एवं इंटरनल क्वालिटी एसेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को एक व्याख्यान का आयोजन पूर्वाहन 10.30 को किया गया है। इसकी जानकारी देते हुए भौतिकी विभाग के प्राध्यापक डॉ नवीन चंद्र ने बताया की उक्त आयोजन डॉ सीवी रमन विज्ञान भवन के आर्यभट्ट सभागार में किया गया। कोलकाता के सत्येंद्र नाथ बोस नेशनल सेंटर फॉर बेसिक साइंसेज के 'सिएसआईआर एमेरिटस प्रोफेसर,' प्रो जयदेब चक्रबर्ती बतौर मुख्य वक्ता कार्यक्रम को सुशोभित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भौतिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ लक्ष्मी शिवेशवरी ने किया। 'कोर्स ग्रेनड सिमुलेशन ऑफ प्रोटीन्स टू कैप्चर कंफर्मेशन चेंजस" जैसे समसामयिक विषय पर प्रो जयदेब ने आधुनिक एवं रोचक जानकारियां साझा की। इस अवसर पर मुख्य वक्ता ने प्रोटीन के संरचनात्मक परिवर्तन की व्याख्या की। उन्होंने बायोमोलीक्यूलर व्यवस्था में कंप्यूटर सिमुलेशन के महत्व को विस्तार से बताया। उन्होंने मॉलेक्युलर डायनामिक्स तथा आधुनिक शोध प्रविधि की भी चर्चा की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ नवीन चंद्र ने अतिथि परिचय कराया। कार्यक्रम का संचालन भौतिकी विभाग के विद्यार्थी श्रद्धा और आनंद ने किया। आयोजन में विद्यार्थी ओम प्रकाश और अमन ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में 11वीं की कक्षाएं शुरू, अब चंद सीटों पर ही हो रहा नामांकन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

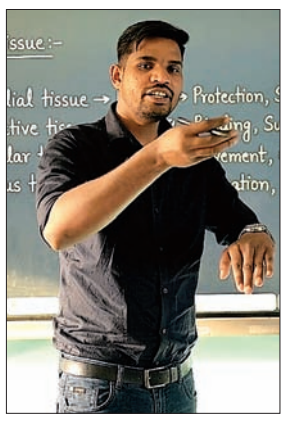

बरही : देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा की कक्षाएं अब पूरी तरह सुचारु रूप से शुरू हो चुकी हैं। कक्षाएं शुरू होते ही विद्यालय में नामांकन को लेकर अभिभावकों की सक्रियता तेजी से बढ़ गई है। विद्यालय प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार, शुरूआती दिनों में ही बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने नामांकन करा लिया है, जिसके कारण अब कुछ ही सीटें शेष रह गई हैं। ऐसे में जो अभिभावक अभी तक निर्णय नहीं ले पाए हैं, उनके लिए यह अंतिम अवसर साबित हो सकता है। विद्यालय में कक्षा कके विद्यार्थियों को शुरूआत से ही बोर्ड के साथ-साथ JEE Mains, NEET, CLAT, एवं NDA जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। नियमित कक्षाएं, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन एवं अनुशासित वातावरण विद्यार्थियों को लक्ष्य की ओर केंद्रित कर रहा है। प्राचार्य कैलाश कुमार ने कहा कि कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं और पढ़ाई भी अपने निर्धारित क्रम में चल रही है। ऐसे में हम चाहते हैं कि जो विद्यार्थी अभी तक नामांकन नहीं करा पाए हैं, वे जल्द निर्णय लें, ताकि वे पढ़ाई में पीछे न रह जाएं। वहीं विद्यालय प्रबंधक विकास सिंह ने कहा कि सीटें सीमित हैं और तेजी से भर रही हैं। हम अभिभावकों से अपील करते हैं कि वे अंतिम समय का इंतजार न करें। सही समय पर लिया गया निर्णय ही बच्चों के भविष्य को नई दिशा देता है। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि अब बहुत ही सीमित सीटों पर ही नामांकन लिया जा रहा है। इच्छुक अभिभावक शीघ्र विद्यालय कार्यालय में आकर संपर्क करें, ताकि उनके बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

भक्ति में डूबे किशोरी राणा, हनुमान जी के चरणों में दंडवत होकर मांगी क्षमा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिले के कटकमसांडी प्रखंड अंतर्गत हेशाकुदर गांव में आयोजित तीन दिवसीय हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ का समापन अत्यंत भक्ति, श्रद्धा और भावनात्मक वातावरण में हुआ। इस पावन अवसर पर नव झारखंड फाउंडेशन के केंद्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा जी विशेष रूप से उपस्थित हुए और उन्होंने भगवान हनुमान के चरणों में दंडवत होकर क्षमा याचना मांगते हुए जग के कल्याण के लिए प्रार्थना की। किशोरी राणा ने इस अवसर पर देश और समाज की सुख-समृद्धि, शांति और सभी लोगों के कल्याण की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन जीवन में बार-बार देखने को नहीं मिलते। उन्होंने स्वयं को सौभाग्यशाली बताया कि उन्हें इस यज्ञ में शामिल होने और भगवान हनुमान जी के दर्शन का अवसर प्राप्त हुआ, भले ही वे कार्यक्रम में विलंब से पहुंच सके। मंदिर परिसर में जैसे ही उन्होंने हनुमान जी के समक्ष दंडवत प्रणाम किया, पूरा वातावरण भावुकता से भर उठा। उपस्थित ग्रामीणों और श्रद्धालुओं के बीच यह दृश्य आस्था और भक्ति की गहराई का जीवंत उदाहरण बन गया। कई लोगों की आंखें नम हो गईं और पूरा परिसर "जय हनुमान" के जयघोष से गूंज उठा। इस दौरान किशोरी राणा ने ग्रामीणों के प्रति गहरी संवेदना और सम्मान भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गांव और क्षेत्र के विकास के लिए वे हर संभव सहयोग देते रहेंगे और समाज के उत्थान में अपनी भूमिका निभाते रहेंगे। कार्यक्रम में गांव के कई गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे, जिनमें अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा, सचिव शिवकुमार यादव, कोषाध्यक्ष ईश्वर ठाकुर, मुखिया शंभू यादव, शंकर पांडे, निर्मल यादव, आदित्य यादव, मुकेश पांडे, ब्रह्मदेव पांडे सहित अनेक ग्रामीण शामिल थे। सभी ने इस धार्मिक आयोजन को एक ऐतिहासिक और यादगार क्षण बताया।

गैस संकट पर फूटा जनाक्रोश सड़क जाम से घंटों थमा यातायात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड में गैस सिलेंडर की लगातार हो रही किल्लत से परेशान लोगों का गुस्सा मंगलवार को सड़क पर फूट पड़ा। नाराज ग्रामीणों ने मुख्य सड़क जाम कर दिया, जिससे कई घंटों तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। सड़क पर बसों, ट्रकों और निजी वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जबकि यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, पिछले कई दिनों से क्षेत्र में गैस आपूर्ति प्रभावित है। सिलेंडर नहीं मिलने से उपभोक्ताओं में भारी नाराजगी थी। इसी आक्रोश में बड़ी संख्या में लोग सड़क पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन करते हुए यातायात रोक दिया। जाम के कारण कई यात्री घंटों फंसे रहे, वहीं कुछ लोगों को मजबूरन पैदल ही सफर तय करना पड़ा। तेज धूप और गर्मी के बीच सड़क पर फंसे लोगों की मुश्किलें और बढ़ गईं। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जाम का असर आसपास के क्षेत्रों में भी देखने को मिला, जिससे पूरे इलाके की यातायात व्यवस्था चरमरा गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझा-बुझाकर जाम हटाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हुई और यातायात बहाल कराया गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गैस आपूर्ति व्यवस्था जल्द सुचारु की जाए, ताकि भविष्य में लोगों को इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

सांसद ने यूथ विंग के सभी सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही हजारीबाग यूथ विंग के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को मंगलवार को सांसद मनीष जायसवाल के हाथों प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सांसद सेवा कार्यालय परिसर में आयोजित इस गरिमामय समारोह में संस्था के कार्यों की जमकर सराहना की गई और हजारीबाग यूथ विंग के प्रयासों को प्रेरणादायक बताया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में सांसद मनीष जायसवाल को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।वही कार्यक्रम का संचालन सचिव रितेश खण्डेलवाल ने किया। इसके पश्चात श्री जायसवाल ने संस्था के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान विशेष रूप से 13 अप्रैल को आयोजित भव्य रक्तदान शिविर एवं अन्य सामाजिक गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया। उल्लेखनीय है कि इस रक्तदान शिविर में हजारीबाग यूथ विंग द्वारा अब तक का सबसे बड़ा कैंप आयोजित करते हुए 326 यूनिट रक्त संग्रह किया गया, जिससे अनेक जरूरतमंदों को जीवनदान मिला। इस शिविर में हजारीबाग पुलिस का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान सांसद मनीष जायसवाल के साथ संस्था के सदस्यों ने आगामी सामाजिक कार्यक्रमों एवं जनसेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। प्रदान किए गए प्रशस्ति पत्र में सांसद मनीष जायसवाल के हस्ताक्षर के साथ संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन एवं अध्यक्ष करण जायसवाल के हस्ताक्षर भी शामिल रहे, जिससे सम्मान की गरिमा और बढ़ गई। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग केवल एक दिन नहीं, बल्कि वर्ष के 365 दिन विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समाज की सेवा कर रही है। उन्होंने कहा कि यह संस्था हजारीबाग जिले की अब तक की सर्वश्रेष्ठ संस्था के रूप में उभरकर सामने आई है, जो युवाओं के समर्पण और सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग का हर सदस्य समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहा है। सभी के सामूहिक प्रयास से संस्था लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है और भविष्य में भी यह सिलसिला जारी रहेगा। वहीं संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि यह सम्मान संगठन के हर सदस्य के अथक परिश्रम, अनुशासन और टीम वर्क का परिणाम है। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है और इसी सोच के साथ आगे भी बड़े स्तर पर जनहित के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष विकास तिवारी, सचिव रितेश खण्डेलवाल, सह सचिव अभिषेक पांडे, कोषाध्यक्ष गुंजन मद्धेशिया, संस्था के मार्गदर्शक संजय कुमार एवं विकास केशरी, कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद ताजुद्दीन, सत्यनारायण सिंह, प्रवेक जैन, प्रणीत जैन, रोहित बजाज, प्रमोद खण्डेलवाल, सेजल सिंह, खुशी कुमारी, प्रज्ञा कुमारी, सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, प्रिंस कसेरा, अजीत चंद्रवंशी, सनी सलूजा, राजेश जैन, कैलाश कुमार, उदित तिवारी,शानू सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे।

झामुमो से राज्यवासियों को उम्मीदें, जनहित के मुद्दों पर काम करें कार्यकर्ता : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केन्द्रीय अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झामुमो से राज्यवासियों को काफी उम्मीदें हैं। वर्तमान राजनीतिक हालात को देखते हुए संगठन की जिम्मेदारी, पहले से कहीं और अधिक बढ़ गई है। उन्होंने झामुमो के कार्यकर्ताओं को पार्टी के ढांचे को और सशक्त बनाने का आहवान किया।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर जनहित से जुडे मुद्दों पर काम करें। ताकि पार्टी हर स्तर पर वे प्रभावी भूमिका निभा सकें। हेमंत सोरेन मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास में झामुमो के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारियों की बैठक के पहले दिन बोल रहे थे। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित इस दो दिवसीय बैठक में खास तौर पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और आगामी जनगणना जैसे अहम मुद्दों पर ठोस रूप से चर्चा की गई।

हेमन्त सोरेन ने नगर और महानगर कमेटियों को भी और सक्रिय एवं धारदार बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बदलते राजनीतिक परिदृश्य में केवल सरकार चलाने के साथ ही संगठन की मजबूती की भी जरूरी है। बैठक में यह भी तय किया गया कि आने वाले दिनों में संगठन स्तर पर विशेष अभियान चलाकर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि वे मतदाता सूची, जनगणना और अन्य संवेदनशील मुद्दों पर लोगों को जागरूक कर सकें। झामुमो ने संकेत दिया है कि वह आने वाले समय में संगठन और जनसरोकार दोनों मोर्चों पर अधिक आक्रामक भूमिका में नजर आएगा।

बैठक में जनगणना के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा हुई। नेताओं ने माना कि जनगणना केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से भी जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। झामुमो ने इस बात पर जोर दिया कि झारखंड के आदिवासी, मूलवासी, पिछड़े और वंचित समाज की सही गणना सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि उनके अधिकार सुरक्षित रह सकें।

एसआइआर को लेकर पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा इस प्रक्रिया की आड़ में राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर सकती है। लेकिन एसआइआर के नाम पर किसी भी लोकतांत्रिक अधिकार से जनता को वंचित नहीं होने दिया जाएगा।

मंच संचालन कर रहे पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि बैठक के पहले दिन साहेबगंज, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, देवघर, जामताड़ा, पश्चिम सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, लोहरदगा, गुमला, खुंटी, सिमडेगा जिला समिति के चुनिंदा पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं दूसरे दिन बुधवार को अन्य 12 जिलों के चुनिंदा पदाधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया जाएगा।

एक नजर

ट्रस्ट ने कस्तूरबा गांधी की छात्राओं को सम्मानित किया

रांची : कस्तूरबा गांधी विद्यालय कांके की छात्राओं के राष्ट्रीय स्तर पर चयन को लेकर समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को विद्यालय परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसके साथ ही नो योर लीडर पार्टिसिपेशन ऑफ यूथ ऑफ अवर कंट्री आयोजन के लिए चयनित छात्राओं संदीपा कुमारी बेदिया, निकिता कुमारी, खुशी लिंडा और राधिका कुमारी को शॉल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य ट्रस्टी आनंद केडिया ने बताया कि बीते 14 अप्रैल को संसद भवन, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संदीपा कुमारी बेदिया के भाषण की काफी सराहना हुई। उनके प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण से प्रभावित होकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी प्रशंसा की थी। मौके पर विद्यालय की शिक्षिकाएं रेशमा परवीन, अंजली गांगुली, दिव्या कुमारी एवं मर्सी मंजुला बिलुंग को भी छात्राओं के मार्गदर्शन के लिए सराहा गया। पवन ने कहा कि मेहनत, लगन और सही दिशा-निर्देशन से छात्राएं नई ऊंचाइयों को हासिल कर रही हैं। कार्यक्रम में मुख्य ट्रस्टी आनंद केडिया, उमेश केडिया, स्मिता केडिया, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, मां शारदे संगीत संस्थान के अजय कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

ओलंपिक दिवस पर झारखंड में मेगा वृक्षारोपण अभियान

रांची : ओलंपिक दिवस के अवसर पर झारखंड में पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक व्यापक पहल की जा रही है। झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन द्वारा 23 जून 2026 से राज्यभर में एक सप्ताह तक वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। यह कार्यक्रम इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन की अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ। पीटी उषा के निदेर्शानुसार आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत झारखंड के सभी 24 जिलों में जिला ओलंपिक एसोसिएशनों के माध्यम से कुल 2036 पौधे लगाए जाएंगे। यह पहल अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के ओलंपिक फॉरेस्ट अभियान और सतत विकास के उद्देश्यों के अनुरूप है। वर्ष 2036 में भारत में संभावित ओलंपिक आयोजन को ध्यान में रखते हुए इसे प्रतीकात्मक रूप से देशभर में भी संचालित किया जा रहा है। झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ। मधुकांत पाठक ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए राज्य के वन विभाग से सहयोग लिया जाएगा। इसके अलावा खेल विभाग झारखंड से भी इस अभियान को व्यापक बनाने के लिए समन्वय किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण कार्यक्रम सार्वजनिक स्थलों, खेल परिसरों, स्कूल-कॉलेजों और पार्कों में आयोजित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इस अभियान में खिलाड़ियों, खेल संगठनों, युवाओं और आम नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा ताकि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़े।

जमीन कारोबारी को अपराधियों ने मारी गोली, हालत गंभीर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के पंडरा ओपी क्षेत्र के ओटीसी मैदान के बगल में मंगलवार की सुबह बाइक सवार तीन अपराधियों ने जमीन कारोबारी भार्गव सिंह को गोली मारकर फरार हो गए।

गोलीबारी में घायल भार्गव सुबह के समय मंदिर पूजा करने गया था। घायल भार्गव सिंह बैंक कॉलोनी के रहने वाला है। वहीं, गोल्डन सिटी इंडिया नाम से कंपनी संचालित करते है। गोलीबारी की घटना के बाद आसपास अफरा तफरी मच गई। आनन फानन में घायल को उठाकर इलाज के लिए सिटी अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद पारस हॉस्पिटल ले जाया गया है। गोलीबारी की घटना में गोली उसके दाएं तरफ सीने में लगी है। फिलहाल उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि भार्गव सिंह हर मंगलवार को बजरंगबली का पूजा करने मंदिर आता था। अपराधियों ने पहले इसकी रेकी की और फिर योजना के तहत उस पर हत्या की नीयत से हमला करवा दिया है। ओपी प्रभारी ने बताया कि पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है । वहीं घटना की सूचना मिलते ही रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। सेठ ने अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश पुलिसकर्मियों को दिए।

भाजपा 25 को निकालेगी 'आक्रोश मार्च'

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : महिला आरक्षण बिल समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 25 अप्रैल को रांची में प्रस्तावित आक्रोश मार्च को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी इस कार्यक्रम को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारी में जुटी है और संगठन के विभिन्न स्तरों पर बैठकों का दौर जारी है।

मंगलवार को रांची में दो अलग-अलग स्थानों पर बैठकों का आयोजन कर तैयारियों की समीक्षा की गई। एक बैठक प्रदेश कार्यालय में रांची महानगर एवं मंडल पदाधिकारियों के साथ हुई, जबकि दूसरी बैठक प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के कुच्चू स्थित पैतृक आवास पर रांची पश्चिमी जिला पदाधिकारियों के साथ आयोजित की गई।

प्रदेश कार्यालय में हुई बैठक में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू और संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने की। इस दौरान आक्रोश मार्च को सफल बनाने के लिए संगठनात्मक रणनीति और कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए आदित्य साहू ने महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इन दलों ने महिलाओं के नाम पर राजनीति की है, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने इस अवसर को भी राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा और महिलाओं के हितों की अनदेखी की।

उन्होंने कहा कि देशभर में इस मुद्दे को लेकर आक्रोश है और झारखंड में भी महिलाओं व आम लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। इसी के तहत 25 अप्रैल को रांची में आक्रोश मार्च आयोजित किया जाएगा, जबकि 25 से 30 अप्रैल तक राज्य के 595 मंडलों में पदयात्रा और कांग्रेस का पुतला दहन कार्यक्रम भी चलाया जाएगा।

एशियन चैंपियनशिप में चमके झारखंड के खिलाड़ी उपायुक्त से मुलाकात कर साझा की उपलब्धि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : एशियन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने वाले झारखंड के खिलाड़ियों ने मंगलवार को जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. मधुकांत पाठक के साथ खिलाड़ी दिनेश कुमार, रेशमा कुमारी और बसंती कुमारी भी उपस्थित रहे।

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि झारखंड के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं, जो गर्व की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया और हर संभव प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन भी दिया।

उल्लेखनीय है कि 6 से 11 अप्रैल तक नई दिल्ली में आयोजित एशियन चैंपियनशिप में इन खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में दिनेश कुमार ने दो स्वर्ण पदक जीतकर राज्य का गौरव बढ़ाया। वहीं रेशमा कुमारी ने एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किया। जबकि बसंती कुमारी ने महिला अंडर-25 वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया।

200वें सुंदरकांड पाठ से भक्तिमय हुआ हरमू रोड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को भक्ति और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में 200वें श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया गया। पूरा मंदिर परिसर 'राम सिया राम' के भजनों और बजरंग बली के जयकारों से गुंजायमान रहा।

कार्यक्रम की शुरूआत मंदिर के आचार्य द्वारा अखंड ज्योति एवं विधिवत पूजन के साथ हुई। सौरव शैरी एवं परिवार ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित की और केसरिया पेड़ा, गुड़, चना व फल का भोग लगाया। गोपाल कुमार ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा कर पाठ वाचकों का अभिनंदन किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत और ओम शर्मा ने ढोलक-ढपली की थाप पर श्री गणेश वंदना के साथ पाठ का शुभारंभ किया। बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों ने सामूहिक रूप से संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया।

वैशाख शुक्ल चतुर्थी के अवसर पर खाटू नरेश का विशेष केसर-चंदन तिलक श्रृंगार किया गया। अक्षय तृतीया के महास्नान के बाद से बाबा अपने श्यामल रूप में भक्तों को दर्शन दे रहे थे।

झारखंड में गर्मी का 'रौद्र रूप' 6 जिलों में पारा 40 डिग्री के पार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में सूर्यदेव के तीखे तेवर ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। राज्य के पलामू प्रमंडल सहित कई हिस्सों में लू का प्रकोप जारी है। मंगलवार को प्रदेश के 6 प्रमुख जिलों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के जादुई आंकड़े को पार कर गया, जिससे दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा है। रांची में मंगलवार सुबह से ही आसमान साफ रहा और तेज धूप ने लोगों को बेहाल कर दिया। राजधानी का अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों ने सलाह दी है कि लू और बढ़ती गर्मी को देखते हुए लोग हाइड्रेटेड रहें और दोपहर 12 से 3 बजे के बीच अनावश्यक बाहर निकलने से बचें।

शहर	अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
डाल्टनगंज	43.8 से.	25.5डिग्री से.
सरायकेला	43.0डिग्री से.	25डिग्री से.
जमशेदपुर	42.6डिग्री से.	25.3डिग्री से.
बोकारो	42.2डिग्री से.	24.5डिग्री से.
चाईबासा	41.4डिग्री से.	26.0डिग्री से.
रांची	40.1डिग्री से.	25.3डिग्री से.

सूर्यदेव के तीखे तेवर ने जनजीवन अस्त-व्यस्त

कहीं लू का कहर, तो कहीं हल्की राहत

एक तरफ जहाँ पूरा राज्य गर्मी से उबल रहा है, वहीं पिछले 24 घंटों में कुछ हिस्सों में मेघ मेहरबान भी हुए हैं। पश्चिमी सिंहभूम के मझगांव में 14.2 मिमी और सिमडेगा में 12 मिमी बारिश दर्ज की गई। जमशेदपुर और तोरपा में भी हल्की बूंदाबांदी हुई, जिससे स्थानीय स्तर पर तापमान में मामूली गिरावट आई, लेकिन उमस ने बेचैनी बढ़ा दी है।

डाल्टनगंज रहा प्रदेश में सबसे गर्म

मौसम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, डाल्टनगंज 43.8डिग्री से. के साथ राज्य का सबसे गर्म शहर रहा। इसके बाद सरायकेला और जमशेदपुर में भी भीषण गर्मी का असर देखा गया।

आने वाले दिनों में आंधी-पानी का अलर्ट

मौसम केंद्र रांची ने 24 और 25 अप्रैल के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। विभाग के अनुसार, इन दो दिनों में राज्य के कई जिलों में गर्जन के साथ वज्रपात और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की प्रबल संभावना है।

संक्षिप्त खबरें

रांची में ट्रेड लाइसेंस कैंप से व्यापारियों को बड़ी राहत, मौके पर ही समस्याओं का समाधान

रांची : फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और रांची नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को चेंबर भवन में ट्रेड लाइसेंस कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप के माध्यम से व्यापारियों को नया ट्रेड लाइसेंस बनवाने, पुराने लाइसेंस का नवीनीकरण कराने और होल्डिंग टैक्स जमा करने की सुविधा एक ही स्थान पर प्रदान की गई। कैंप में 25 से अधिक व्यापारियों ने नया ट्रेड लाइसेंस बनवाया और कई व्यापारियों ने अपने लाइसेंस का नवीनीकरण कराया। इसके अलावा, बड़ी संख्या में व्यापारियों ने ट्रेड लाइसेंस से जुड़ी प्रक्रियाओं और आवश्यकताओं की जानकारी भी प्राप्त की। कैंप के दौरान एक व्यापारी की वार्ड परिवर्तन के कारण लाइसेंस निरस्त होने की समस्या का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जिससे अन्य व्यापारियों में भी संतोष देखा गया। वहीं, तीन व्यापारियों ने होल्डिंग टैक्स का भुगतान कर रसीद प्राप्त की। चेंबर के सिविक एमिनिटी उपसमिति के अध्यक्ष अमित किशोर ने जानकारी देते हुए बताया कि व्यापारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बुधवार को भी श्रद्धानंद रोड, अपर बाजार स्थित श्रीराम मेडिकल एजेंसी में इस कैंप का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने अधिक से अधिक व्यापारियों से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की। कैंप में चेंबर के उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, राम बांगड़, राजीव चौधरी, किशन अग्रवाल, आनंद जालान सहित कई व्यापारी उपस्थित रहे।

लंबित मामलों की तेजी से सुनवाई होगी प्राथमिकता : लोकायुक्त

रांची : राज्य के नये लोकायुक्त न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार गुप्ता ने कहा कि भ्रष्टाचार के लंबित मामलों की सुनवाई उनकी प्राथमिकता में होगी। कोशिश होगी जो भी मामले सामने आयेंगे उसका तेजी से निपटारा हो। गुप्ता मंगलवार को कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज पहला दिन है मैं सभी चीजों को समझ रहा हूं।

उल्लेखनीय है कि लंबे समय से न्यायिक सेवा में योगदान देने वाले जस्टिस अमिताभ कुमार गुप्ता को त्वरित न्याय देने के लिए जाना जाता है। इससे पहले झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष रहे नवनियुक्त लोकायुक्त अमिताभ कुमार गुप्ता 1997 में न्यायिक सेवा में आए थे और संयुक्त बिहार के समय एडीजे के रूप में योगदान दिए थे। बहुचर्चित चारा घोटाला केस की सुनवाई करने वाले जस्टिस अमिताभ गुप्ता वर्ष 2013 में झारखंड उच्च न्यायालय के जज बने थे और 30 मई 2021 को वहीं से सेवानिवृत्त हुए थे। इसके बाद आरआरडीए ट्रिब्यूनल के चेयरमैन के रूप में उन्होंने कार्य किया था। अब लोकायुक्त की जिम्मेदारी अगले पांच वर्षों तक वह संभालेंगे। उल्लेखनीय है कि झारखंड में पिछले पांच वर्ष से लोकायुक्त का पद रिक्त था। पूर्व में लोकायुक्त रहे जस्टिस डीएन उपाध्याय का जून 2021 में कोरोना संक्रमित होने के बाद निधन हो गया था। तब से यह पद खाली था। लोकायुक्त नहीं होने की वजह से लगभग तीन हजार से ज्यादा मामले लंबित हैं।

महिला आरक्षण विधेयक को ढाल बनाकर परिसीमन एजेंडा लागू करना चाहती थी भाजपा : कांग्रेस

रांची : महिला अधिकारों से जुड़े विधायी घटनाक्रम को लेकर झारखंड की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोलते हुए कहा कि महिला आरक्षण विधेयक के हालिया घटनाक्रम से भाजपा नेताओं को मानसिक आघात पहुंचा है, जिसके कारण वे निराधार आरोप लगा रहे हैं। मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में सोनाल शांति ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि भाजपा महिला आरक्षण विधेयक को एक ढाल की तरह इस्तेमाल कर अपने परिसीमन एजेंडे को लागू करना चाहती थी। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष की एकजुटता के चलते भाजपा का यह प्रयास विफल हो गया। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि महिलाओं को विधानसभा और संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला विधेयक वर्ष 2023 में ही संसद में विपक्ष की सहमति से पारित हो चुका है। इसके बावजूद, भाजपा सरकार ने 2024 के लोकसभा चुनाव में इसे लागू नहीं किया, जो उनकी नीयत पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि केंद्र सरकार चाहती, तो 543 सदस्यीय वर्तमान लोकसभा में ही महिलाओं को आरक्षण देकर लगभग 180 महिला सांसदों की भागीदारी सुनिश्चित की जा सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उनके अनुसार, यह दशार्ता है कि भाजपा और उससे जुड़े संगठनों की सोच महिला सशक्तिकरण के अनुरूप नहीं है।

जेपीएससी के गलत आंसर की अपलोड करना आयोग की लापरवाही : आजसू

रांची : जेपीएससी की ओर से 14 वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा के बाद आयोग के वेबसाइट पर 20 अप्रैल को आंसर की अपलोड किया गया। आयोग की ओर से अपलोड किया गया अधिकांश उत्तर कुंजी गलत था। इसका विरोध आजसू ने आयोग के सचिव को पत्र लिखकर दर्ज कराया। पार्टी के महासचिव संजय मेहता ने आयोग के सचिव को पत्र लिखकर आयोग के इस गैर जिम्मेदाराना कार्य पर विरोध जताते हुए सुधार का आग्रह किया। जिसे 21 अप्रैल को आयोग ने वेबसाइट से हटा लिया। हालांकि आजसू का कहना है कि यह कृत्य आयोग के गैर जिम्मेदाराना रवैये को दशार्ता है। संजय मेहता ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इतनी गंभीर परीक्षा में आयोग की ओर से इस तरह की लापरवाही यह दशार्ता है कि आयोग में गंभीरता का आभाव है। उन्होंने कहा कि जिस परीक्षा की प्रक्रिया से प्रशासनिक पदाधिकारी निकलेंगे उस परीक्षा का गलत उत्तर कुंजी अपलोड करना सरासर बड़ी लापरवाही की तरफ इंगित करता है। यह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि आयोग इसकी आंतरिक जांच कर उत्तरदायित्व तय करे। आयोग ने परीक्षा आयोजन के दिन भी अटेंडेंस शीट में प्रश्न पत्र बुकलेट नंबर और ओएमआर नंबर लिखने के लिए एक बॉक्स और स्थान कम दिया। सात अंक के बॉक्स के स्थान पर सिर्फ छः बॉक्स दिया गया जिससे आयोग की लापरवाही परिलक्षित होती है। इससे अभ्यर्थियों को बहुत परेशानी हुई। इतनी बड़ी परीक्षा में आयोग बुनियादी बातों का ध्यान रखने में बार - बार विफल हो रहा है। आजसू ने कहा है की आयोग छात्रों के भविष्य के साथ न खिलवाड़ करे। गंभीरता के साथ पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी तरीका से पूरा करे।

संसद में लगे शहीद गणपत राय की तस्वीर : चंद्रप्रकाश

रांची : आजसू पार्टी ने मंगलवार को रांची के मेन रोड के शहीद चौक स्थित शहीद स्मारक पर 1857 के शहीद गणपत राय को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर सहित आजसू नेताओंझकार्यकताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि 1857 में शहीद गणपत राय ने अदम्य पराक्रम का प्रदर्शन करते हुए ब्रिटिश अफसरों को झारखंड से खदेड़ दिया था। उन्होंने कहा कि 1857 में झारखंड में शहीद हुए क्रांतिवीरों की गाथा गुमनाम रह गई है। इनकी जीवनी से नई पीढ़ी का परिचय कराने की जरूरत है। सांसद ने कहा कि गणपत राय का चित्र संसद में लगना चाहिए। झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि गणपत राय बागियों के कमांडर थे। स्मारक समिति की अध्यक्ष डॉ वंदना राय और राजेश लाल ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता पांडे पीएन राय पंकज ने की। इस मौके पर विमल साहू, हरीश कुमार, सुदेश कुमार, कुमोद वर्मा, परवाज खान, डॉ पार्थ परितोष, अमित साहू, दयाशंकर झा, बीरेंद्र प्रसाद, राकेश सिंह, अभिषेक साहू, शहजाद खान, अब्दुल जब्बार, अजीत कुमार, ओम वर्मा, अमित यादव, ऋतुराज शाहदेव, अमन साहू, राजू नायक सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक नजर

अनुशासन के नाम पर हैवानियत, कोचिंग संचालक ने पाइप से बच्चों को पीटा

कोडरमा : तिलैया डैम ओपी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ज्ञानदीप कोचिंग संस्थान में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां के प्रिंसिपल अजय कुमार पर तीन मासूम छात्रों को प्लास्टिक के पाइप से बेरहमी से पीटने का गंभीर आरोप लगा है। पिटाई इतनी भयावह थी कि बच्चों के शरीर पर गहरे नीले निशान उभर आए हैं। पीड़ित छात्रों ने बताया कि उनकी गलती सिर्फ इतनी थी कि वे सुबह मॉर्निंग वॉक पर गए थे। बच्चों ने यह भी आरोप लगाया कि शिक्षक अक्सर उनसे अपनी निजी गाड़ी साफ करवाते थे। इस बार भी गाड़ी साफ न करने और मॉर्निंग वॉक पर जाने को लेकर शिक्षक ने गुस्से में आकर पाइप से उनकी पिटाई कर दी। इस घटना ने शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, उक्त कोचिंग संस्थान बिना किसी वैध यू-डीआईएसई रजिस्ट्रेशन के अवैध रूप से संचालित हो रहा है। इसके बावजूद अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं होना चिंता का विषय है। मामले में जब आरोपी शिक्षक से फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने बिना पछतावे के बच्चों को पीटने की बात स्वीकार कर ली। उनका कहना था कि बच्चे बिना अनुमति के मॉर्निंग वॉक पर गए थे, बदमाशी करेंगे तो मार खाएंगे ही।

जेईई मेन 2026 : श्रेष्ठ कुमार ने हासिल किया 99.39 परसेंटाइल

कोडरमा : सेक्रेड हार्ट स्कूल के लिए यह वास्तव में गर्व, खुशी और उत्सव का विशेष क्षण है। विद्यालय के मेधावी छात्र श्रेष्ठ कुमार ने देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित जेईई मेन 2026 में शानदार 99 .39 परसेंटाइल प्राप्त कर न केवल अपने माता-पिता और विद्यालय, बल्कि पूरे जिले का नाम गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि उनके निरंतर कठिन परिश्रम, अनुशासन और अटूट संकल्प का सशक्त उदाहरण है। विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। अभिजीत शिवम ने 92 परसेंटाइल, गौरव सिंह ने 83 परसेंटाइल तथा अभिनव कुमार और सुमित कुमार सिंह ने 82 परसेंटाइल प्राप्त कर सफलता का परचम लहराया। इन सभी छात्रों की सफलता में विद्यालय द्वारा प्रदान की गई सुदृढ़ शैक्षणिक नींव, नियमित मार्गदर्शन और सकारात्मक वातावरण की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य प्रमोद शर्मा ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि श्रेष्ठ कुमार की यह उपलब्धि उनके समर्पण, निरंतर अभ्यास और लक्ष्य के प्रति स्पष्ट दृष्टि का परिणाम है।

एला इंग्लिश स्कूल में टॉपर्स का भव्य सम्मान समारोह

भुरकुंडा : बिरसा चौक स्थित एला इंग्लिश स्कूल में कक्षा 10वीं के मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम उत्साह, गौरव और प्रेरणा से भरे माहौल में संपन्न हुआ, जहां छात्रों की सफलता को पूरे विद्यालय परिवार ने उत्सव की तरह मनाया। समारोह के मुख्य अतिथि मेजर नीरज कुमार दुबे रहे, जिनकी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद आयुष श्रीवास्तव और उनके समूह ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। प्रिया कुमारी वर्मा ने ह्लआओ रे शुभ दिन आओ रेह्व गीत पर आकर्षक स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि आरुषि और उनके साथियों ने स्वागत गीत गाकर अतिथियों का अभिनंदन किया।

महिला आरक्षण विधेयक 2023 तुरंत लागू हो : प्रकाश रजक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : महिला आरक्षण के मुद्दे पर चल रही राजनीतिक बयानबाजी के बीच कोडरमा जिला कांग्रेस कमेटी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। जिला अध्यक्ष प्रकाश रजक के नेतृत्व में परिसदन में आयोजित बैठक में पार्टी नेताओं ने भाजपा पर झूठा और दुर्भावनापूर्ण प्रचार करने का आरोप लगाया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रकाश रजक ने की, जिसमें कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा जनता के बीच यह भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है कि कांग्रेस महिला विरोधी है और उसने संसद में महिला आरक्षण विधेयक का विरोध किया था, जबकि यह पूरी तरह निराधार है। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि महिला आरक्षण विधेयक वर्ष 2023 में संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया जा चुका है। इसके बावजूद भी महिलाओं को 33% आरक्षण के हिसाब से जन भागीदारी नहीं मिल पा रही है मोदी जी ज्यादा महिला की हितेषी है तो इसी को पूर्ण रूप से लागू करें भाजपा को महिलाओं के प्रति ज्यादा चिंता है तो मणिपुर के हालात को सुधारे ।राजनीतिक मंशा को दशार्ता है। महिला आरक्षण के भीतर ओबीसी, एससी/एसटी महिलाओं के लिए आरक्षण (सब-कोटा) होना चाहिए, क्योंकि सामान्य 33% आरक्षण का लाभ कुछ विशेष क्षेत्रों को छोड़ कर मुख्य रूप से संपन्न वर्गों की महिलाओं को मिलता रहा है। पुरुष वर्चस्व और सत्ता में हिस्सेदारी की अनिच्छा। कई सांसदों को डर था कि उनकी सीटें चली जाएंगी (रोटेशन सिस्टम के कारण)। अंत में 2023 में लोकसभा और राज्यसभा में बिल को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। जिसे तुरंत लागू किया जाना चाहिए। बैठक में यह भी कहा गया कि कांग्रेस पार्टी संसद और राज्य विधानसभाओं की वर्तमान सीटों के आधार पर महिला आरक्षण को तुरंत लागू करने की मांग करती है। परिसीमन से जोड़ने की शर्त छोटे राज्यों के हितों को नुकसान पहुंचा सकती है और देश की संघीय संरचना को प्रभावित कर सकती है। इस दौरान पार्टी नेतृत्व द्वारा सभी प्रदेश कांग्रेस समितियों को निर्देश दिए गए कि वे भाजपा के दुष्प्रचार का जवाब देने के लिए जिला स्तर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करें और व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएं। कांग्रेस की महिला नेताओं से भी आह्वान किया गया कि वे सोशल मीडिया और जनसंपर्क के माध्यम से इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाएं तथा केंद्र सरकार पर दबाव बनाने के लिए जिला और राज्य स्तर पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करें। बैठक में मौजूद नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण को लेकर प्रतिबद्ध है और इसे जल्द लागू कराने के लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रखेगी। मौके पर जिला उपाध्यक्ष अनंत मेहता, उपाध्यक्ष अनिल दास, महासचिव पुष्पा देवी, आसा देवी, प्रियंका कुमारी, असगर अली, सचिव रामेश्वर यादव, नगर परिषद अध्यक्ष संजय सेठ, कयूमउद्दीन उपस्थित रहे।

दिनदहाड़े ज्वेलर्स शॉप पर हथियारबंद लुटेरों का धावा, दो आरोपी गिरफ्तार, तीन फरार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रजरप्पा : जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र से इस वक्त बड़ी खबर सामने आई है। चितरपुर स्थित शिवशंकर ज्वेलर्स में पांच की संख्या में पहुंचे हथियारबंद बदमाशों ने दिनदहाड़े धावा बोलकर लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बदमाश अचानक दुकान में घुसे और दुकानदार को हथियार दिखाकर कब्जे में ले लिया। इसके बाद दुकान में रखे लाखों रुपये मूल्य के जेवरात लूट लिए गए। हालांकि लूट की सही राशि और सामान का आधिकारिक आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है। पुलिस द्वारा इसकी पुष्टि की जानी बाकी है। घटना के दौरान स्थानीय लोगों और पुलिस की तत्परता से दो संदिग्धों को मौके पर पकड़ लिया गया। बताया जा रहा है कि तीन अन्य बदमाश मौके से भागने में सफल रहे। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस के पहुंचने से पहले गुस्साई भीड़ ने पकड़े गए दोनों आरोपियों की जमकर पिटाई कर दी। मारपीट में एक आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में पुलिस ने दोनों को भीड़ से छुड़ाकर अपने कब्जे में लिया और इलाज तथा पूछताछ के लिए भेज दिया। घटना की सूचना मिलते ही रजरप्पा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी। दुकान और आसपास लगे उउळश कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि लुटेरे किस रास्ते आए और कैसे फरार हुए। घटना के बाद शिवशंकर ज्वेलर्स के बाहर हजारों लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी भी देखी गई। व्यापारियों ने बाजार क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। मीडिया द्वारा संपर्क किए जाने पर थाना प्रभारी से बात नहीं हो सकी। पुलिस की ओर से आधिकारिक बयान आने के बाद घटना के कई पहलुओं पर स्थिति और स्पष्ट होगी।

शादी की रस्मों के बाद दुल्हन प्रेमी संग फरार, बिना दुल्हन लौटी बारात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : प्रखण्ड के दशारो गांव में एक चौकाने वाली घटना सामने आई है, जहां शादी की रश्में पूरी होने के बाद दूल्हन अपने प्रेमी के संग फरार हो गयी। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गयी और बारात को बिना दुल्हन के ही वापस लौटना पड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजमणी कुमार पिता रामखेलावन ठाकुर ग्राम डंडाडीह, थाना जयनगर निवासी की शादी दशारो निवासी बालेश्वर ठाकुर की पुत्री पिंकी कुमारी के साथ 20 अप्रैल की रात शादी होनी थी। 20 अप्रैल की रात बारात आयी। बरात स्वागत की तैयारी चल रही थी, और सभी वैवाहिक रश्में में भी पूरी हो चुकी थी। इस दौरान दुल्हन अचानक लापता हो गई। काफी खोज बीन के बाद पता चला कि वह अपने प्रेमी राजेन्द्र रजक के पुत्र रवि रजक के साथ भागने की योजना बनाकर बैठी थी, और मौके का फायदा उठाकर फरार हो गई। घटना के बाद बर बधु पक्ष में काफी देर तक हंगामा होता रहा। बर पक्ष ने इसे धोखा बताते हुए नाराजगी जताई, वहीं लड़की पक्ष ने शर्मिंदगी महसूस कर रहा है। जानकारी के अनुसार दुल्हन पहले भी एक बार फरार हुई थी लेकिन सहयोगी लड़का सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया था जिसके बाद नहीं भाग पायी थी जिसके बाद गाँव मे पंचायत भी हुआ था।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने खाया जहर, इलाज के दौरान मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददात

कोडरमा : तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 4 तिलैया बस्ती निवासी एक युवक ने बीती रात विषपान कर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 24 वर्षीय रवि कुमार यादव पिता मोहित यादव के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार रवि यादव कोडरमा स्टेशन पर कुली का काम किया करता था। बीती रात वह अपने काम से घर लौटा, इसके पश्चात घर में उसकी उसके पत्नी के साथ कुछ बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि रवि ने क्रोध में आकर घर में रखें कीटनाशक को खा लिया। कीटनाशक खाते ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। इसके पश्चात परिजन उसे आनन-फानन में सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे हजारीबाग रेफर कर दिया। जहां जाने के क्रम में रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इसके पश्चात परिजनों उसे लेकर अपने घर पहुंच गए। इधर घटना की सूचना मंगलवार की सुबह तिलैया पुलिस को मिली। सूचना मिलने के पश्चात तिलैया पुलिस के पदाधिकारी मृतक के घर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया। बताते चलें कि मृतक की एक छोटी पुत्री भी है और वह घर का इकलौता कमाऊ व्यक्ति था। इधर उसके मौत के पश्चात परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और उनका रो-रो कर बुरा हाल है।

निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ अभिभावक संघ ने निकाला प्रतिवाद मार्च

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झूमरी तिलैया : कोडरमा अभिभावक संघ ने निजी स्कूलों की मनमानी व जिला प्रशासन के द्वारा सरकार के द्वारा जारी निदेर्शों का अनुपालन कराने में विफल रहने के खिलाफ 21 अप्रैल को झूमरी तिलैया में प्रतिवाद मार्च निकाला गया। जिसका नेतृत्व अभिभावक संघ के अध्यक्ष संजय साजन ने किया। मौके पर अभिभावक संघ की मांगो के समर्थन में विभिन्न दलों के लोग भी सड़क पर उतरे और जिला प्रशासन से शीघ्र निजी स्कूलों की स्कूल फीस में प्रति वर्ष बढ़ोतरी मामले की जांच करने ओर झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण संशोधन अधिनियम 2017 के प्रावधानों का पालन कड़ाई से सुनिश्चित करने की मांग की गई। इस दौरान विभिन्न मांगो को लेकर तख्तियां, बैनर-पोस्टर में कई श्लोगन भी लिखे गए थे जिसमें मुख्य रूप से झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण संशोधन अधिनियम 2017 को कड़ाई से लागू करने, शिक्षा का मिले सबको अधिकार, प्रति वर्ष फीस बढ़ोतरी पर रोक लगाने, मेंटेनेंस फीस, री एडमिशन शुल्क, पानी, बिजली शुल्क, शिक्षक वेलफेयर शुल्क आदि के नाम पर निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने,कक्षा में प्रमोशन के लिए किसी भी तरह का पुननार्मांकन शुल्क नहीं लेने की बात लिखी गई थी। मार्च झूमरी तिलैया के महाराणा प्रताप चौक से निकल झंडा चौक पहुंची जहां आयोजित सभा की अध्यक्षता सचिव भानु प्रताप सिंह ने किया और सभा का संचालन मोहम्मद सद्दाम ने किया जबकि सभा को

रामगढ़ पुलिस की अहम बैठक में सख्त निर्देश हर संवेदनशील क्षेत्र होगा सीसीटीवी निगरानी में

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में अपराध नियंत्रण, त्वरित पुलिस कार्रवाई और लंबित मामलों के निष्पादन को लेकर पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत ने कार्यालय सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित की। बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातु, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामगढ़, सभी अंचल निरीक्षक, थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी और शाखा प्रभारी शामिल हुए। कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में मार्च माह के दौरान दर्ज विशेष और अविशेष कांडों की समीक्षा की गई। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि दर्ज मामलों से अधिक मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करें। लंबित मामलों को कम करना और जांच प्रक्रिया तेज करना प्राथमिकता रहेगी। बलात्कार, महिला उत्पीड़न और पोक्सो एक्ट से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए 60 दिनों के भीतर अनुसंधान पूरा कर आरोप पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया गया। एसपी ने स्पष्ट कहा कि ऐसे मामलों में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम डायल 112 के तहत मिलने वाली शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई का आदेश दिया गया। संबंधित अधिकारी को 10 मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंचना होगा। मार्च माह में जिले का औसत रिस्पांस टाइम 9 मिनट 58 सेकंड रहा, जिसे और बेहतर बनाने का लक्ष्य रखा गया। पासपोर्ट सत्यापन पांच दिनों के भीतर पूरा कर पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया गया। चरित्र प्रमाण पत्र, सेवा सत्यापन और अन्य लंबित प्रशासनिक कार्यों को भी समयसीमा में पूरा करने को कहा गया। दो वर्ष, तीन वर्ष और पांच वर्ष से लंबित मामलों की अलग-अलग सूची तैयार करने का आदेश दिया गया। हर मामले में देरी के कारणों की समीक्षा कर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया। संगठित आपराधिक गिरोहों की सूची तैयार करने, जेल से छूटे अपराधियों का सत्यापन करने और उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। गैर-तामिला वारंट, स्थायी वारंट, एनबीडब्ल्यू, इश्तेहार और कुर्की मामलों में योजनाबद्ध कार्रवाई करने को कहा गया। चेन स्नैचिंग, मोबाइल छिनतई, पर्स चोरी और अन्य संपत्ति मूलक अपराधों की समीक्षा कर ऐसे मामलों के उद्भेदन और बरामदगी बढ़ाने के निर्देश दिए गए। संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखने को कहा गया। अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम और आईटी एक्ट से जुड़े मामलों की भी समीक्षा हुई। तकनीकी जांच मजबूत करने और पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाने पर जोर दिया गया। ई-साक्ष्य एप, सीसीटीएनएस, ई-ऑफिस, पीजी पोर्टल और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लंबित मामलों की समीक्षा की गई। सात वर्ष से अधिक सजा वाले मामलों में फोरेंसिक टीम द्वारा तत्काल साक्ष्य संकलन के निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस ने नवनीत ओझा को सौंपी तारकेश्वर विधानसभा की कमान

कोडरमा : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रतिनिधि नवनीत ओझा (बंटी) को बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर विधानसभा का प्रभारी मनोनीत किया गया। अपने मनोनयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए नवनीत ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल, ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह बंगाल प्रभारी गुलाम अहमद मीर, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा की पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है उसका वह सफलता पूर्वक बखूबी अंजाम देंगे। नवनीत ने कहा कि इससे पहले भी उनका पार्टी के प्रति निष्ठा को देखते हुए पार्टी ने उन्हें उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश का भी विधानसभा प्रभारी मनोनीत किया था। नवनीत के मनोनयन पर बधाइयां देने वालों में कोडरमा जिला कांग्रेस कमेटी के प्रभारी सह गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद, कोडरमा जिला कांग्रेस के प्रथम जिला अध्यक्ष निर्मल कुमार ओझा, प्रदेश सचिव मनोज सहाय पिंकू, ईश्वर आनंद, जिला अध्यक्ष प्रकाश रजक, पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष भागीरथ पासवान, सुरेंद्र यादव, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष बेबी सिन्हा, अल्पसंख्यक कांग्रेस जिला अध्यक्ष फैयाज कैसर, वरिष्ठ कांग्रेसी लीलावती मेहता, गणेश प्रसाद स्वर्णकार, राम लखन पासवान, प्रदीप सिंह, मुंशी यादव, दीपक अवस्थी आदि शामिल है।

डोमचांच में हाथियों का उत्पात, कारीखूट स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल की बाउंड्री ध्वस्त

कोडरमा : डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत कारीखूट स्थित सुजुआ मोजा में संचालित डीएवी पब्लिक स्कूल में बीती रात हाथियों के झुंड ने भारी उत्पात मचाया। मिली जानकारी के अनुसार, स्कूल के प्रधानाचार्य दिलीप यादव ने बताया कि सोमवार की रात्रि लगभग 10:24 बजे 20 से 30 हाथियों के झुंड ने स्कूल परिसर में घुसकर बाउंड्री वॉल को तोड़ सैकड़ों पेड़ पौधो को जड़ सहित नष्ट कर दिया। स्कूल के दरवान ने किसी तरह अपना जान बचा के वहां से भाग घटना के बाद स्कूल परिसर में ईंट-पत्थर बिखरे पड़े हैं और बाउंड्री का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। इस घटना से आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में हाथियों की लगातार आवाजाही बनी हुई है, जिससे कभी भी बड़ी घटना होने की आशंका बनी रहती है ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई करते हुए हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि जान-माल की हानि से बचा जा सके।

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की भव्य तैयारी

रामगढ़ : राधा गोविन्द विश्वविद्यालय परिसर में 22 और 23 अप्रैल को आयोजित होने वाले दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल बनाने के लिए मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय प्रशासन ने सम्मेलन की रूपरेखा, उद्देश्य और तैयारियों की विस्तृत जानकारी साझा की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि सम्मेलन को लेकर देश-विदेश में उत्साह का माहौल है। अब तक 1228 शोधार्थियों, विद्यार्थियों और प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। बड़ी संख्या में शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और छात्रों की भागीदारी इस आयोजन को विशेष बना रही है। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी.एन. साह ने कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा, शिक्षा मूल्यों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत नई शिक्षण पद्धतियों पर गंभीर विचार-विमर्श करना है। यह आयोजन शिक्षा जगत को नई दिशा देने का कार्य करेगा। सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के छह प्रमुख वक्ता शामिल होंगे। इनमें सेंट लुइट यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. कृष्णा, रूस के फोमिन सर्जे, केन्या के बेनसन एम. ओ. आगया, यूएसए की डॉ अन्नपूर्णा देवी पांडेय, मेक्सिको के नशीली यारजाबल कॉर्नेल और नेपाल के डॉ राम हरि ढकाल शामिल हैं। इनके विचार सम्मेलन का मुख्य आकर्षण होंगे। देश के प्रतिष्ठित शिक्षाविद भी सम्मेलन में भाग लेंगे। इनमें संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा, महाकौशल विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति प्रो. आर.सी. मिश्रा तथा सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता लल्लन तिवारी प्रमुख रूप से शामिल होंगे।

रामगढ़ में लोक अदालत की तैयारी, मामलों के त्वरित निष्पादन पर जोर

रामगढ़ : जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में मंगलवार को मोटर व्हीकल एक्ट से जुड़े लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार अध्यक्ष मो. तौफीकुल हसन ने की। व्यवहार न्यायालय रामगढ़ के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल में आयोजित इस बैठक में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मो. तौफीकुल हसन ने इंश्योरेंस कंपनियों के प्रतिनिधियों और अधिवक्ताओं को निर्देश दिया कि मोटर व्हीकल एक्ट से संबंधित अधिक से अधिक लंबित मामलों का निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लोक अदालत आम लोगों को त्वरित, सरल और सुलभ न्याय दिलाने का प्रभावी माध्यम है। ऐसे में सभी संबंधित पक्ष आपसी समन्वय से ज्यादा से ज्यादा मामलों को निपटाने का प्रयास करें। बैठक में बताया गया कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई 2026 को देशभर के सभी व्यवहार न्यायालयों में एक साथ आयोजित होगी। इस दौरान विभिन्न प्रकार के लंबित मामलों के साथ-साथ मोटर दुर्घटना दावा मामलों का भी समझौते के आधार पर निपटारा किया जाएगा। इससे पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलेगी और समय व धन दोनों की बचत होगी। अध्यक्षता कर रहे न्यायाधीश ने कहा कि लोक अदालत की सफलता सभी पक्षों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। बीमा कंपनियों, अधिवक्ताओं और वादकारियों के सहयोग से ही अधिकतम मामलों का समाधान संभव है। उन्होंने सभी अधिवक्ताओं से अपील की कि वे अपने मुवक्किलों को लोक अदालत के लाभों की जानकारी दें। बैठक में जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम विशाल श्रीवास्तव, सिविल जज सीनियर डिवीजन चतुर्थ उत्तम सागर राणा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार अनिल कुमार, जज इंचार्ज हर्षित तिवारी समेत विभिन्न इंश्योरेंस कंपनियों के अधिवक्तागण तथा मोटर व्हीकल एक्ट मामलों के प्रथम पक्ष के अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

जेईई मेन्स 2026 के दूसरे सत्र में जिले के छात्रों ने दिखाई शानदार पकड़, 55 से अधिक छात्र हुए एडवांस के लिए क्वालीफाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की ओर से आयोजित देश की सबसे प्रतिष्ठित संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य-2026 के दूसरे व अंतिम सत्र का परिणाम सोमवार देर शाम जारी कर दिया गया। दूसरे सेशन में भी विद्यालय के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना दमखम बरकरार रखा और जिले में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन का परचम लहराया। समाचार लिखे जाने तक प्राप्त परिणाम के अनुसार, एनटीए द्वारा निर्धारित कट-ऑफ व अन्य मापदंडों के तहत विद्यालय के 55 से अधिक विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस्ड के लिए क्वालीफाई किया। विद्यालय के मेधावी छात्र कुमार अनमोल ने 99.729 परसेंटाइल के साथ स्कूल में अव्वल स्थान प्राप्त किया। वहीं, 99.347 परसेंटाइल लाकर रितन्मय मिश्रा दूसरे, तो 99.276 परसेंटाइल के साथ आदित्य मिश्रा तीसरे स्थान पर रहे। इनके अलावा अपनी अलग-अलग श्रेणियों में क्रांति कृष महतो, लोकेश नंदन, अभिनव अग्रवाल, आदित्य भक्ता, सूरज कुमार झा, अंशुल उत्कर्ष, पीयूष कुमार, ऋत्विक आनंद, अंजलि सिंह, शुभम कुमार, आनंद कुमार, रिचा सिंह, नमन राज, युवराज गुप्ता, मंथन, प्रसन्न कुमार, तन्मय शाही सहित अन्य छात्र-छात्राओं ने भी एडवांस्ड के लिए क्वालीफाई किया। डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने अपने विद्यालय के छात्र-छात्राओं की इस उत्कृष्ट सफलता पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि यह शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों की मेहनत व लगन का सुखद प्रतिफल है। उन्होंने सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए जेईई एडवांस्ड में भी उनके बेहतर परिणाम की उम्मीद जताई और इसके लिए उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि जेईई मेन की परीक्षाएं दो सत्रों में आयोजित की गई थीं। पहला सत्र 21-29 जनवरी के बीच हुआ था, जबकि दूसरा सत्र 02 से 08 अप्रैल, 2026 की अवधि में संपन्न हुआ था। बोकारो में दो परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। पहला सेंटर चिकसिया में डॉ. एस. राधाकृष्णन बीएड कॉलेज के समीप बोकारो एजुकेशन ट्रस्ट कैंपस स्थित अल्फा आईसीटी सेंटर तथा दूसरा ग्वालाडीह मोड़, पुरुलिया रोड, चास स्थित क्रिसेन्ट लैब्स बनाया गया था।

एक नजर

पारिवारिक विवाद में युवक ने जहर खाकर दी जान

सरिया : सरिया थाना क्षेत्र के मंदरामो पंचायत के औरवाटांड गांव निवासी मंटू मंडल (23)पिता स्व.हेमलाल मंडल द्वारा मंगलवार को जहर खाकर आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक का तीन माह पूर्व विवाह हुआ था। जबकि उसके पिता का आकस्मिक निधन एक वर्ष पूर्व हुआ था। मंगलवार को पारिवारिक विवाद से परेशान होकर वह घर से निकला और लगभग 11 बजे के करीब घरवालों को फोन कर जानकारी दिया कि वह जहर खा चुका है। लोग तुरंत उसे ढूंढने निकले और सरिया बगोदर रोड से उसे पकड़कर एक निजी क्लीनिक ले गए। चिकित्सकों के निदेर्शानुसार उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हजारीबाग ले जाया जा रहा था। जहां रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। उसके बाद शव को सरिया थाना ले आया गया। यह घर का एकमात्र कमाऊ सदस्य था। इसके पीछे पत्नी, माँ व एक छोटी बहन है। घटना को लेकर परिवार सहित गांव में मातम का माहौल है।

चेकिंग अभियान में आरपीएफ ने 12 लोगों को पकड़ा

सरिया : हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन में आरपीएफ द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसका नेतृत्व कर रहे निरीक्षक प्रभारी विश्वनाथ कुमार ने बताया कि यह अभियान रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिए चलाया जा रहा है। जिससे कि उनकी यात्रा सुरक्षित हो सके। उन्होंने बताया कि रेलवे अधिनियम की धारा 155 के तीन व्यक्ति पकड़े गए। जो पायदान में बैठकर सफर कर रहे थे। वहीं रेलवे अधिनियम की धारा 162 के तहत 9 व्यक्तियों को जो अनअधिकृत रूप से महिला डिब्बे में बैठकर यात्रा कर रहे थे। पकड़े गए सभी लोगों को आरपीएफ पोस्ट लाया गया। लोगों ने अपने अपराध को स्वीकार किया। पश्चात उन्हें ऑनलाइन रेलवे दंडाधिकारी धनबाद के समक्ष प्रस्तुत किया गया। नहीं उनके द्वारा लगाए गए अर्थ दंड की वसूली के पक्ष टी उन्हें मुक्त किया गया।

बोकारो में 5 साल बाद भी अनसुलझा रहस्य: गायब सेजल की तलाश जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पांच साल का लंबा इंतजार, अनगिनत पुलिसिया चक्कर और एक मां की आंखों में सूख चुके आंसू। खूंटा डीह गांव की उषा झा की 18 वर्षीय बेटी सेजल झा 16 अक्टूबर 2020 को अपनी साइकिल लेकर निकली थी और फिर कभी वापस नहीं लौटी। घटना के बाद सेजल की साइकिल लावारिस हालत में मिली, लेकिन लड़की का कोई सुराग नहीं मिला। इस लंबी खोज के बावजूद पुलिस और जांच एजेंसियों के बीच जिम्मेदारी का खेल चल रहा है। उषा झा कहती हैं, "सीआईडी कहती है केस उनके पास नहीं है, पुलिस कहती है जांच चल रही है। क्या मेरी बेटी की फाइल धूल फांकने के लिए है। पुष्पा महतो केस में हालिया सफलता ने उषा झा को थोड़ी राहत दी है, लेकिन वह प्रशासनिक अक्षमता से नाखुश हैं। थक-हारकर उन्होंने उपायुक्त कार्यालय का दरवाजा खटखटाया और चेतावनी दी कि अगर अब भी उच्च स्तरीय जांच नहीं हुई, तो वह हाईकोर्ट का रुख करेंगी। बोकारो उपायुक्त ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संवेदना जताई है और अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिया है।

बोड़ाम सभागार में कॉमन ग्राउंड इनिशिएटिव प्रोग्राम के तहत बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : बोड़ाम प्रखण्ड सभागार में कॉमन ग्राउंड इनिशिएटिव प्रोग्राम के तहत टीएसआरडी के तत्त्वाधान में प्रखंड स्तर पर मैप तथा लिविंग लैंडस्केप के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया था । इस मंच में बैठक की अध्यक्षता नंदलाल बक्सी के द्वारा किया गया। बैठक की कार्यवाही प्रारंभ करने के लिए उपस्थित सभी सदस्यों को कार्यक्रम प्रबंधक निदेशक नंदलाल बक्शी के द्वारा स्वागत किया गया एवं बैठक का मुख्य उद्देश्य के बारे में बताया गया एवं बारी बारी से अपना परिचय दिया गया। विवेक कुमार कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के क्रम में बताया कि पिछले एक साल में हमने क्या क्या सिखा । क्या उपलब्धि रहा कहा हमारे साथ चुनौती का सामना करना पड़ा । इसकी एक अध्ययन के रूप में चर्चा किया जाएगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी किकू महतो द्वारा लैंड स्कैप का अर्थ पूछने के क्रम में अपना वक्तव्य शुरू किया तथा बोड़ाम ब्लॉक की पठारी छबि की जानकारी दी गई । नदी तालाब पहाड़ जंगल आदि है पर इसके संरक्षण के बजाय नुक्सान किया जा रहा है। इसके कारण सीखना, मैपिंग करना तथा इसके लिए जमीनी स्तर से क्रियान्वयन करना होगा । लोगों का भागीदारी बढ़ाना होगा इस तरह कम का शुरूआत करना पड़ेगा। ग्राम प्रधान अध्यक्ष हिमांशु महतो ने कोर कमेटी का सक्रियता बैठक की पुनरावृत्ति तथा गांव के समुदाय तक पहुंचने की जिम्मेदारी लेने की बात की। पंचायत स्तर पर भी सक्रिय होने की जरूरत है।

जारंगडीह खुली खदान में हेड सिक्योरिटी गार्ड पर जानलेवा हमला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : थर्मल थाना क्षेत्र अंतर्गत जारंगडीह खुली खदान के मुख्य द्वार पर कोयला चोरी रोकने के लिए ड्यूटी पर तैनात हेड सिक्योरिटी गार्ड पर बीते देर रात्रि जानलेवा हमला का मामला सामने आया है जंहा हेड सिक्योरिटी गार्ड ने आप बीती सुनाई और घटना के सम्बन्ध में बताया कि कोयला चोरी रोकने को लेकर जारंगडीह खुली खदान के मुख्य द्वार पर रात्रि में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई थी। पेट्रोलिंग वाहन ही मुख्य द्वार पर खड़ा कर सख्ती बरती जा रही थी जिससे नाराज होकर कोयला चोरों ने 15-20संख्या में खाना खाने के दौरान जारंगडीह होटल के समक्ष जानलेवा हमला कर दिया। जिस घाटना के बाद घायल हेड सिक्योरिटी गार्ड संतोष कुमार बासफोर को प्राथमिक उपचार के लिए सीसीएल केंद्रीय अस्पताल अस्पताल ढोरी में भर्ती कराया गया। बताते चलें कि यह कोई पहली घटना नहीं इससे पूर्व भी सीसीएल सिक्योरिटी गार्ड पर कई बार हमला हो चुका है। कोयला चोरों का मनोबल बढ़ता ही चला जा रहा है। अब ऐसे में कैसे सुरक्षित रूप से ड्यूटी करे सुरक्षा कर्मी ये बड़ा सवाल है।

बोकारो जेनरल अस्पताल के कैंसर वार्ड के पास जंगल में लगी आग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जेनरल अस्पताल के जंगल में लगी आग। मौके पर पहुंची एक दमकल की गाड़ी। आग पर पाया गया काबू। घटना सेक्टर 4 थाना क्षेत्र की। आग किन कारणों से लगी ये जांच का विषय है। घटना के बारे में बताते चले कि बोकारो के सेक्टर 4 थाना क्षेत्र स्थित बोकारो जेनरल अस्पताल के कैंसर वार्ड के पास स्थित जंगल में आग लग गई। अस्पताल के कैंसर वार्ड के ऊ़ड ने सबसे पहले आग के लपटों को देखा जहां अस्पताल के अधिकारियों को सूचना दी गई और बीएसएल के दमकल विभाग को भी इसकी सूचना दी गई जहां मौके पर एक दमकल की गाड़ी पहुंची और आग पर काबू पाया। इससे पहले वहां मौजूद गार्ड ने अपने स्तर से आग पर काबू पाने की कोशिश की। जंगल में आग समय रहते बुझा दिया गया नहीं तो बड़ी घटना घट सकती थी। क्योंकि ये जिले का सबसे बड़ा अस्पताल है और यहां सैकड़ों मरीज इलाजरत है। गार्ड ने कहा कि आग लगता देख अपने स्तर से आग को बुझाने लगे वही मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के अधिकारी ने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है।

पंचायत में किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बोकारो : जिला के गोमिया प्रखंड के सियारी पंचायत में मंगलवार को कृषि,पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के कृषि प्रभाग द्वारा संतुलित उर्वरक उपयोग पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम एवं किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने के लिए प्रेरित करना और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखना था। गोष्ठी में बीटीएम बबलू सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि संतुलित उर्वरक उपयोग का मतलब है मिट्टी परीक्षण के आधार पर फसल की जरूरत के अनुसार नाइट्रोजन,फास्फोरस,पोटाश एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों का सही मात्रा,सही समय और सही अनुपात में प्रयोग करना। इससे न केवल फसल की पैदावार बढ़ती है,बल्कि मिट्टी की गुणवत्ता,उत्पाद की गुणवत्ता और पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित होता है। उन्होंने आगे बताया कि सरकार द्वारा मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, पोषक तत्व आधारित सब्सिडी, नीम-लेपित यूरिया और नैनो उर्वरकों जैसी कई योजनाओं के माध्यम से संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। मृदा परीक्षण से पोषक तत्वों के सही उपयोग में मदद मिलती है,जिससे लागत घटती है और दीर्घकालिक उत्पादकता बनी रहती है। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन और मृदा परीक्षण आधारित अनुशंसाओं को अपनाकर उर्वरकों का अधिक प्रभावी उपयोग किया जा सकता है। इसके बावजूद देश में यूरिया की बढ़ती खपत चिंता का विषय बनी हुई है,जिसे संतुलित उर्वरक उपयोग से नियंत्रित किया जा सकता है।

बीएसएल प्लांट परिसर में ग्रीष्मकालीन राहत हेतु नींबू पानी एवं पेयजल सुविधाओं का विस्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन राहत उपायों के अंतर्गत संयंत्र में कार्यरत कर्मियों को भीषण गर्मी से राहत प्रदान करने हेतु विभिन्न कल्याणकारी पहलें प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में, कोक ओवन विभाग के ओवन टॉप पर कार्यरत कर्मियों के लिए प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 01 अप्रैल से नींबू पानी वितरण अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत प्रतिदिन चार बार नींबू पानी वितरित किया जा रहा है, जिससे उच्च तापमान में कार्यरत कर्मियों को ताजगी एवं ऊर्जा बनाए रखने में सहायता मिल रही है। साथ ही, इस पहल का विस्तार संयंत्र के अन्य शॉप्स में भी शीघ्र किए जाने की तैयारी प्रगति पर है। मानव संसाधन विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन कार्ययोजना के अंतर्गत नींबू पानी वितरण के साथ-साथ सुराही एवं मिट्टी के घड़ों के वितरण की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं, जिन्हें शीघ्र ही उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि कर्मियों को स्वच्छ, शीतल एवं सुरक्षित पेयजल सुलभ हो सके। इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत संयंत्र परिसर में मनसा सिंह गेट के समीप एक नए वाटर कूलर की स्थापना की जा चुकी है। मुख्य मार्ग के निकट स्थापित यह सुविधा आवागमन कर रहे कर्मियों एवं अन्य लोगों को भी शीतल पेयजल सहज रूप से उपलब्ध कराएगी। ग्रीष्मकालीन तैयारी योजना के अंतर्गत संयंत्र के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर वाटर कूलरों की स्थापना का कार्य प्रगति पर है। उल्लेखनीय है कि बोकारो इस्पात संयंत्र अपने कर्मियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त खबरें

बोकारो प्रशासनिक हब पर "टाइम बम" हजारों लीटर ज्वलनशील स्पिरिट का खतरा

बोकारो : स्टील सिटी का सबसे सुरक्षित माना जाने वाला प्रशासनिक इलाका आज एक बारूद के ढेर पर खड़ा है। बोकारो के जिस 'पावर हब' में उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और ट्रेजरी विभाग जैसे महत्वपूर्ण कार्यालय हैं, वहां पिछले कई सालों से मौत का सामान यानी हजारों लीटर 'स्पिरिट' खुलेआम खड़ा है। अति ज्वलनशील 'टाइम बम' के मुहाने पर प्रशासन उत्पाद विभाग के कार्यालय के भीतर और बाहर का नजारा डराने वाला है। विभाग ने विभिन्न छापों में तस्करों से लगभग 50 हजार लीटर स्पिरिट जब्त की है। ऑफिस के अंदर कमरे स्पिरिट और शराब की बोतलों से इस कदर पटे हैं कि अधिकारियों को बैठने तक की जगह नहीं मिल रही। लेकिन असली खतरा ऑफिस के बाहर खड़ा है। उपायुक्त कार्यालय और सीसीआर मुख्यालय के ठीक पास स्पिरिट से भरा एक विशाल टैंकर वर्षों से लावारिस हालत में खड़ा है। यह स्पिरिट अति ज्वलनशील है, जो चंद सेकंड में भीषण आग पकड़ सकती है। यदि यहां छोटी सी भी मानवीय चूक या शॉर्ट सर्किट हुआ, तो पूरे प्रशासनिक परिसर को खाक होने से कोई नहीं बचा पाएगा। हैरानी की बात यह है कि इस टैंकर को हटाने के लिए कई बार कागजी पहल हुई, लेकिन नतीजा 'सिफर' रहा।

झारखण्ड सरकार
कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी, सिमडेगा।
सर्किट हाउस सिमडेगा के पीछे, सिमडेगा,
ई-मेल-simdegafisheriesdfo@gmail.com

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा निदेशक मत्स्य, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 268, दिनांक-11.02.2025 आलोक में मत्स्य बीज उत्पादकों को Factory Formulated Extruded Mash feed के लिए विज्ञापन सं0-PR 377090 Simdega(26-27)#Dके अंतर्गत हिन्दी दैनिक समाचार पत्रों में दिनांक- 28.04.2026 को निविदा आमंत्रण हेतु प्रकाशित किया गया था जिसे अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी, सिमडेगा।
PR 378025 (Simdega) 26-27 (D)

Government of Jharkhand
URBAN DEVELOPMENT & HOUSING DEPARTMENT
State Urban Development Agency
e-Procurement Notice

NIT No.: सुडा/अमृत/एजेंसी चयन/25/2026/न0वि0आ0/08 Date: .20/04/2026

1.	Name of the Project	SELECTION OF FIRM/ AGENCIES FOR SURVEY, ASSESSMENT, COLLECTION AND RECOVERY OF HOLDING TAX, MUNICIPAL TRADE LICENSE FEE, WATER USER CHARGE & ADVERTISEMENT FEE UNDER MUNICIPAL AREAS OF JHARKHAND
2.	Estimated Cost	Open Tender
3.	Tender Fee & EMD (In INR)	Tender Fee: ₹ 10,000.00 EMD – ₹ 5,00,000.00 (Through online mode in the Jharkhand e-Procurement Portal (https://jharkhandtenders.gov.in).)
4.	Time of Completion	As mentioned in Timeline in RFP
5.	Date of Publication of Tender on website	20/04/2026, 17:00 hours
6.	Mode of submission of bids	e-Tendering (https://jharkhandtenders.gov.in)
7.	Date of Start of Submission of Bids (Online)	21/04/2026, 17:00 hours
8.	Last Date/Time for submission of bids (Online)	05/05/2026 up to 17:00 hours
9.	Pre-Bid Submission	Request to submit the pre-bid queries in the following e-mail Id: suda.goj@gmail.com by 24/04/2026 by 14.00 Hrs. Online (Video Conferencing) pre-bid meeting will be on 27/04/2026. VC link will be shared by e-mail to the bidders. The queries will be uploaded on the website under Tender section.
10.	Date of Technical Bid Opening (Online)	06/05/2026 at 17:00 hours
11.	Bid submission address (Online)	https://jharkhandtenders.gov.in
12.	Helpline no.	0651-2446640

Note: Only e-Tenders will be accepted.
Further details can be seen on website https://jharkhandtenders.gov.in
Sd/-
Deputy Director
State Urban Development Agency
PR 377999 Urban Development and Housing(26-27)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला
mail-rdsdgumla123@gmail.com

अति अल्पकालीन पुर्ननिविदा ई-निविदा आमंत्रण सूचना
ई- निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/GUMLA/27/2025-26 (2nd Call)

1.कार्य की विस्तृत विवरणीः (ITDA मद)

ग्रुप० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका उच्च विद्यालय **चापाटोली, विशुनपुर** में 10 युनिट शौचालय का मरम्मति।	12,24,400.00	24,500.00	2500.00	03 माह
5	अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका मध्य विद्यालय **चौरापाट, विशुनपुर** में डीप बोरिंग का अधिष्ठापन कार्य।	11,65,700.00	23,400.00	2500.00	03 माह

2.वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 27.04.2026
3.ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 27.04.2026 से दिनांक 04.05.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4.ई-निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, गुमला।
5.ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 06.05.2026 अपराह्न 2:00 बजे
6.ई-निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला।
7.ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06524223013 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8.परिमाण विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला
PR 378055 (Rural Development)26-27*D

GOVERNMENT OF JHARKHAND
Agriculture, Animal Husbandry & Co-operative Department
(Co-Operative Division)
OFFICE OF THE REGISTRAR, CO-OPERATIVE SOCIETIES JHARKHAND, RANCHI
INTEGRATED CO-OPERATIVE DEVELOPMENT PROJECT (I.C.D.P.) CELL, RANCHI

Short e-Tender Notice
Tender Notice No:- ICDP/RANCHI/02/2026-27 DATE:- 20.04.2026

SL No.	Name of work	Estimated Value of Work (in Rs)	Cost Of BoQ (in Rs)	Earnest Money (in Rs)	Time Of Completion Of Work
01.	Estamblisment of Solar MFP Processing Unit	14,92,745.00	5000.00	30,000.00	06 Months
02.	Estamblisment of Lac Value Addition Unit	53,21,200.00	10,000.00	1,07,000.00	06 Months
03.	Estamblisment of Jaggery Processing Unit	74,11,200.00	10,000.00	1,50,000.00	06 Months
02.	Date Of Publication of on Website	27.04.2026 AT 11:00 AM			
03.	Last Date & Time of Submission of bids	06.05.2026 AT 05:00 PM			
04.	Name & Address of Office Inviting Tender	State Monitoring Officer, ICDP Cell, Ranchi,Pasupalan- Sahkarita Bhawan Singh More, Hesag, Hatia, Ranchi. 834003			
05.	Contact No of Procurement Officer	7979760612, 7250895727			

06. Bid document with details terms and conditions will be available online on e-tendering portal, http://Jharkhandtenders.gov.in from 27.04.2026 at 11:00 AM to 06.05.2026 up to 05:00 PM. Bids must be Submitted online only at the e- tendering portal http:// Jharkhandtender.gov.in on or before 05:00 PM on 06.05.2026. Tender Fee and EMD Will be received through online mode only. Bidders can use internet banking facility for faster processing of tender fee and EMD. Alternatively, bidders can use NEFT/RTGS challan generated for the tender from jharhandtenders.gov.in portal. Technical Bid received online will be opened at 02:00 PM on 08.05.2026
07. Estimate Cost May Vary.
08. Corrigendum/Amendment if any will be published only on the above mentioned website.

Sd/- State monitoring Officer
ICDP Cell, Ranchi
PR.NO.378056 Co-opretive(26-27):D

परंपरा, बाजार और बदलती पहचान

भारत की सांस्कृतिक संरचना में त्योहारों का स्थान केवल आनंद और उत्सव तक सीमित नहीं है बल्कि वे समाज की ऐतिहासिक स्मृति, आर्थिक संरचना, प्रकृति के साथ संबंध और मानवीय संवेदनाओं के गहरे ताने-बाने से जुड़े होते हैं। यहाँ त्योहार जीवन के हर पहलू को स्पर्श करते हैं- खेती, ऋतु परिवर्तन, पारिवारिक संबंध, सामूहिकता और आस्था। लेकिन वर्तमान समय में यह प्रश्न गंभीरता से उठाया जाने लगा है कि क्या हमारे पारंपरिक त्योहार अपनी मूल आत्मा से दूर हो रहे हैं? क्या उन पर एक प्रकार का "सांस्कृतिक हमला" हो रहा है, जो धीरे-धीरे उनकी असल पहचान को बदल रहा है? सांस्कृतिक हमला शब्द भले आक्रामक प्रतीत होता हो लेकिन इसका आशय किसी एक वर्ग या समूह पर आरोप लगाना नहीं है। यह उस धीमी, सूक्ष्म और कई बार अनदेखी प्रक्रिया की ओर संकेत करता है, जिसके माध्यम से परंपराएँ अपने मूल सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ से हटकर नए अर्थ ग्रहण करने लगती हैं। यह परिवर्तन कभी स्वाभाविक होता है तो कभी सुनियोजित आर्थिक और वैचारिक प्रभावों का परिणाम भी हो सकता है। भारतीय त्योहारों की जड़ें मुख्यतः कृषि और प्रकृति से जुड़ी रही हैं। देश का अधिकांश समाज सदियों तक कृषि आधारित रहा है इसलिए फसल, मौसम और भूमि के साथ उसका गहरा रिश्ता रहा। फसल कटने की खुशी, नई बुवाई की शुरूआत, वर्षा के आगमन का स्वागत- ये सब त्योहारों के माध्यम से व्यक्त होते थे। इन उत्सवों में किसान केंद्र में होता था क्योंकि वही अन्न का उत्पादक था और वही समाज की जीवन रेखा को बनाए रखता था। ऐसे त्योहारों में आडंबर कम और सहभागिता अधिक होती थी। लोग मिलकर गाते-बजाते, सामूहिक भोज करते और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते थे। जैसे-जैसे समाज में शहरीकरण बढ़ा, औद्योगिकीकरण हुआ और बाजार की ताकतें मजबूत हुईं, त्योहारों का स्वरूप भी बदलने लगा। अब त्योहारों को केवल सांस्कृतिक या सामाजिक दृष्टि से नहीं बल्कि आर्थिक अवसर के रूप में भी देखा जाने लगा। बाजार ने त्योहारों को उपभोग से जोड़ दिया-जहाँ खरीदारी, सजावट और प्रदर्शन को प्रमुखता मिलने लगी। त्योहारों के साथ "ऑफर", "डिस्काउंट" और "शुभ खरीदारी" जैसे विचार जुड़ गए, जिसने उनके मूल स्वरूप को प्रभावित किया। यह बदलाव केवल बाहरी नहीं है बल्कि मानसिकता में भी आया है। पहले त्योहारों का अर्थ था-मिलना-जुलना, आपसी साझेदारी की भावना और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करना। अब कई जगहों पर यह प्रतिस्पर्धा का रूप ले चुका है- किसने कितना खर्च किया, किसने क्या खरीदा, किसका आयोजन कितना भव्य था। इस प्रक्रिया में त्योहारों की आत्मा कहीं पीछे छूटती चली गई। त्योहारों पर सांस्कृतिक हमले की चर्चा करते समय एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आता है- लोक परंपराओं का हाशिए पर जाना। भारत में हर क्षेत्र की अपनी विशिष्ट परंपराएँ रही है, जो स्थानीय जीवनशैली, भाषा और संसाधनों से जुड़ी होती थीं। लेकिन आज मीडिया और बाजार के प्रभाव में एक प्रकार की सांस्कृतिक एकरूपता देखने को मिल रही है। कुछ खास त्योहारों और उनके खास तरीकों को पूरे देश में मानक बना दिया गया है, जिससे स्थानीय विविधताएँ धीरे-धीरे लुप्त हो रही हैं। उदाहरण के लिए, कई ऐसे लोकपर्व जो कभी कृषि और ग्रामीण जीवन से जुड़े थे, अब शहरी और धार्मिक व्याख्याओं में बदल गए हैं। उनकी मूल भावना- जो श्रम, प्रकृति और सामूहिकता से जुड़ी थी- अब पौराणिक कथाओं और बाजार-प्रेरित प्रतीकों के पीछे दबती जा रही है। इससे समाज के उस वर्ग की भूमिका कम होती जा रही है, जो वास्तव में इन त्योहारों की आत्मा रहा है- यानी किसान और श्रमिक। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि हर बदलाव को नकारात्मक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। संस्कृति का स्वभाव ही परिवर्तनशील होता है। समय के साथ उसमें नए तत्व जुड़ते हैं और यही उसकी जीवंतता का प्रमाण है। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है, जब यह परिवर्तन असंतुलित हो जाता है- जब वह समाज के मूल आधार को कमजोर करने लगता है। आज के संदर्भ में सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम अपने त्योहारों के मूल अर्थ को समझ पा रहे हैं? क्या हम यह पहचान रहे हैं कि वे केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक जीवन का प्रतिबिंब भी हैं? यदि त्योहारों में किसान की भूमिका को भुला दिया जाता है, यदि श्रम के सम्मान को नजरअंदाज किया जाता है तो यह एक गंभीर सांस्कृतिक असंतुलन का संकेत है।

सूडोकु नवताल- 7772

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7771 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

छात्रों का आत्मघातः सपनों का बोझ है या सिस्टम की नाकामी?

ललित गर्ग

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में दो महीनों के भीतर चार छात्रों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं केवल एक संस्थान की त्रासदी एवं नाकामी नहीं हैं, बल्कि पूरे भारतीय समाज, शिक्षा व्यवस्था और हमारी सामूहिक संवेदनहीनता पर लगा गहरा प्रश्नचिह्न हैं। ये घटनाएं हमें झकझोरती हैं कि आखिर वह कौन-सी परिस्थितियां हैं, जिनमें देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं जीवन से हार मानने को विवश हो जाती हैं। कोई भी युवा, जो कठिन प्रतिस्पर्धा से गुजरकर ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंचता है, वह सहज रूप से जीवन का परित्याग नहीं करता, वह तब यह निर्णय लेता है जब उसे हर ओर अंधकार ही अंधकार दिखाई देता है। यह अंधकार केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक, पारिवारिक और संस्थागत विफलताओं का सम्मिलित परिणाम है। एक बड़ा सवाल है कि इस तरह छात्रों का आत्मघात करना क्या सपनों का बोझ है या सिस्टम की नाकामी? आज भारत का भविष्य कहे जाने वाले युवा जिस मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के बोझ तले दबे हैं, वह अभूतपूर्व चिन्ताजनक है। कोटा जैसे शिक्षा नगरों में हर वर्ष दर्जनों छात्र आत्महत्या करते हैं। इन घटनाओं को हम आंकड़ों में बदल देते हैं, लेकिन हर आंकड़े के पीछे एक जीवित सपना, एक संघर्षरत परिवार और टूटती उम्मीदों की कहानी होती है। कोटा, दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई और अन्य शिक्षा केंद्रों में बढ़ती आत्महत्याएं इस बात का संकेत हैं कि हमारी शिक्षा व्यवस्था में कुछ मूलभूत त्रुटियां हैं। यह केवल पढ़ाई का दबाव नहीं है, यह उस मानसिक संरचना का संकट है, जिसमें सफलता को जीवन का पर्याय बना दिया गया है और असफलता को जीवन का अंत।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार 2018 से 2023 के बीच उच्च शिक्षण संस्थानों में 98 छात्रों ने आत्महत्या की। इनमें सबसे अधिक घटनाएं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में हुईं, इसके बाद एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों का स्थान है। यह तथ्य इस धारणा को तोड़ता है कि केवल कमजोर छात्र ही मानसिक तनाव का शिकार होते हैं। सच्चाई यह है कि सबसे प्रतिभाशाली और संवेदनशील छात्र ही अक्सर सबसे अधिक दबाव महसूस करते हैं, क्योंकि वे स्वयं से अत्यधिक अपेक्षाएं रखते हैं और असफलता को स्वीकार नहीं कर पाते। यहां प्रश्न केवल संस्थानों का नहीं है, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता का भी है जिसने सफलता को एक संकीर्ण परिभाषा में बांध दिया है। परिवार अपने बच्चों को बचपन से ही यह सिखाते हैं कि जीवन का लक्ष्य केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना है। अभिभावक अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च कर कोचिंग संस्थानों में बच्चों को भेजते हैं, बैंक से कर्ज लेते हैं और अपनी अधूरी इच्छाओं को बच्चों के माध्यम से पूरा करने का प्रयास करते हैं। यह अपेक्षाओं का बोझ बच्चों के मन पर इतना भारी पड़ता है कि वे स्वयं को एक प्रोजेक्ट की तरह देखने लगते हैं, एक इंसान की तरह नहीं। जब यह प्रोजेक्ट असफल होता है, तो उन्हें लगता है कि उनका अस्तित्व ही निरर्थक हो गया है।

शिक्षा व्यवस्था का ढांचा भी इस संकट के लिए कम जिम्मेदार नहीं है। हमारी शिक्षा प्रणाली बच्चों को ज्ञान तो देती है, लेकिन जीवन जीने की कला नहीं सिखाती। उन्हें बताया जाता है कि गणित कैसे हल करना है, लेकिन यह नहीं सिखाया जाता कि जीवन की समस्याओं का समाधान कैसे करना है। उन्हें भौतिकी के नियम याद कराए जाते हैं, लेकिन यह नहीं बताया जाता कि मानसिक संतुलन कैसे बनाए रखना है। परिणामस्वरूप, जब वे वास्तविक जीवन की चुनौतियों से सामना करते हैं तो वे टूट जाते हैं। आज के शिक्षण संस्थानों में शिक्षक और छात्र के बीच का संबंध भी बदल गया है। पहले शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और संरक्षक होते थे। आज यह संबंध औपचारिक हो गया है। कई शिक्षक अपनी भूमिका को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखते हैं। वे छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, उनके भावनात्मक संघर्षों और उनके आंतरिक द्वंद्व को समझने का प्रयास नहीं करते। यह दूरी छात्रों को और अधिक अकेला बना देती है।

विचित्र है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिये जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महंता होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है। ऐसे ही अनेक प्रश्नों एवं खौफनाक दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था के साथ-साथ समाज-निमार्ताओं को चेताया है और गंभीरतापूर्वक इस विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक समस्या पर विचार करने के लिये जागरूक किया है, लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी? बहुत जरूरी है कि उच्च शिक्षण संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिर्वतन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके। फिलहाल जरूरी यह भी है कि इन संस्थानों में एक ऐसे तंत्र को विकसित किया जाए, जो निराश, हताश और अवसादग्रस्त छात्रों के लगातार संपर्क में रहकर उनमें आशा का संचार कर सके, उन्हें सकारात्मकता के संस्कार दे सके। इसके लिए स्थाई तौर पर कुछ मनोवैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जा सकती हैं।

राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास द्वारा इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग करना एक सकारात्मक कदम है, लेकिन केवल जांच समितियां बनाना समस्या का समाधान नहीं है। समितियां रिपोर्ट दे सकती हैं, लेकिन वे खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकतीं। आवश्यकता इस बात की है कि हम समस्या की जड़ तक पहुंचें और उसे दूर करने के लिए ठोस और दीर्घकालिक उपाय करें। छात्रों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति को केवल मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दा मानना भी पर्याप्त नहीं है। यह एक व्यापक सामाजिक संकट है, जिसमें शिक्षा प्रणाली, पारिवारिक संरचना, सामाजिक अपेक्षाएं और व्यक्तिगत मनोविज्ञान सभी शामिल हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम एक ऐसे समाज में जी रहे हैं, जहां सफलता की अंधी दौड़ ने मानवीय संवेदनाओं को पीछे छोड़ दिया है। यहां हर कोई आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन यह भूल जाता है कि इस दौड़ में पीछे छूटने वाले भी इंसान हैं। इस समस्या का समाधान केवल नीतिगत बदलावों से नहीं होगा, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन की आवश्यकता है। सबसे पहले, हमें शिक्षा की परिभाषा को बदलना होगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक संतुलित और सशक्त व्यक्तित्व का निर्माण होना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। छात्रों को यह सिखाया जाना चाहिए कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत है।

दूसरे, अभिभावकों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। उन्हें अपने बच्चों को यह समझाना होगा कि वे उनसे अधिक महत्वपूर्ण हैं, न कि उनकी सफलता। उन्हें बच्चों पर अपनी अपेक्षाओं का बोझ नहीं डालना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने सपनों को पहचानने और उन्हें पूरा करने की स्वतंत्रता देनी चाहिए। तीसरे, शिक्षण संस्थानों को अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से समझना होगा। उन्हें केवल अकादमिक उत्कृष्टता पर नहीं, बल्कि छात्रों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना होगा। हर संस्थान में प्रभावी काउंसलिंग सिस्टम होना चाहिए, जहां छात्र बिना किसी डर या संकोच के अपनी समस्याएं साझा कर सकें। शिक्षकों को भी इस दिशा में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि वे छात्रों के व्यवहार में होने वाले बदलावों को पहचान सकें और समय रहते उनकी सहायता कर सकें। निश्चिततौर पर समाज को भी अपनी संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करना होगा। हमें यह समझना होगा कि हर जीवन अमूल्य है और किसी भी सफलता से अधिक महत्वपूर्ण है। हमें एक ऐसा वातावरण बनाना होगा, जहां बच्चे बिना किसी भय के अपने सपनों का पीछा कर सकें और असफल होने पर भी सम्मान के साथ जी सकें। यदि हम इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाते, तो यह संकट और गहराता जाएगा। हर आत्महत्या केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं होती, बल्कि हमारे समाज की विफलता का प्रमाण होती है। अब समय आ गया है कि हम इस विफलता को स्वीकार करें और इसे सुधारने के लिए एकजुट होकर प्रयास करें। तभी हम अपने युवाओं को इस आत्मघाती मार्ग से बचा सकेंगे और उन्हें एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा सकेंगे।

धधकती धरती : विकास की अंधी दौड़ या विनाश का काउंटडाउन

योगेश कुमार गोयल

धरती आज केवल गर्म नहीं हो रही, वह मानो भीतर ही भीतर धधक रही है और यह आग प्राकृतिक नहीं, मानवीय लालसाओं की उपज है। हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला "विश्व पृथ्वी दिवस" मानव सभ्यता के सामने खड़े उस गहन संकट की चेतावनी है, जिसे हमने स्वयं अपने हाथों से जन्म दिया है। विडंबना यह है कि जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक मंचों (दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन) में वर्षों से चिंतन, विमर्श और संकल्पों की पुनरावृत्ति होती रही है किन्तु धरातल पर परिवर्तन नगण्य है। विकास की परिभाषा जब केवल आर्थिक वृद्धि, उपभोग और संसाधनों के अधिकतम दोहन तक सीमित हो जाए तो प्रकृति का संतुलन बिगड़ना अपरिहार्य हो जाता है। पिछले कुछ वर्षों में प्रकृति अपने विकराल रूप के माध्यम से लगातार संकेत दे रही है कि संतुलन की सीमा लांघी जा चुकी है। कहीं भीषण सूखा, कहीं अनियंत्रित वर्षा, कहीं असामान्य ठंड और कहीं प्रचंड गर्मी, मौसम अब अनुमान का विषय नहीं रहा। उत्तरी ध्रुव के तापमान में असामान्य वृद्धि और पर्वतीय क्षेत्रों में बढ़ती गर्माहट इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करती है।

विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल-दर-साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है। धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल-दर-साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा। हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहारस्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सबकुछ नष्ट कर डालने में पलभर की देर नहीं लगेगी। यह केवल आंकड़ों की कहानी नहीं बल्कि उस असंतुलन की सजीव अभिव्यक्ति है, जिसे हमने तथाकथित विकास के नाम पर जन्म दिया है। वनों की अंधाधुंध कटाई ने न केवल जैव विविधता को संकट में डाला है बल्कि कार्बन संतुलन को भी गंभीर रूप से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप, वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। सवाल है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पेट्रोल और डीजल आधारित ऊर्जा स्रोतों ने वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर इतना बढ़ा दिया है कि पृथ्वी की तापीय संतुलन प्रणाली चरमराने लगी है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है।

धरती के बढ़ते तापमान का प्रभाव अब केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रहा बल्कि यह मानव अस्तित्व के लिए भी चुनौती बन चुका है। ध्रुवीय क्षेत्रों में तेजी से पिघलती बर्फ समुद्र के जलस्तर को बढ़ा रही है, जिससे विश्व के कई तटीय शहरों के डूबने का खतरा मंडरा रहा है। आने वाले दशकों में तापमान में संभावित 4-5 डिग्री की वृद्धि न केवल जंगलों में आग की घटनाओं को बढ़ाएगी बल्कि विशाल भूभाग को सूखे और मरुस्थलीकरण की ओर धकेल देगी। यह परिदृश्य कोई भविष्यवाणी नहीं बल्कि वर्तमान संकेतों का तार्किक विस्तार है। इस संकट के मूल में केवल औद्योगिक गतिविधियां ही नहीं, अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि और उपभोगवादी जीवनशैली भी प्रमुख कारण हैं। बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं ने प्राकृतिक संसाधनों पर असहनीय दबाव डाला है। पृथ्वी का क्षेत्रफल सीमित है लेकिन मानव की इच्छाएं असीमित। यही असंतुलन आज वैश्विक पर्यावरणीय संकट का मूल कारण बन चुका है। प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग की चेतावनी कि यदि यही प्रवृत्ति जारी रही तो पृथ्वी भविष्य में ह्यआग का गोलाह्ण बन सकती है, केवल एक वैज्ञानिक टिप्पणी नहीं बल्कि गंभीर भविष्यसूचक संकेत है।

अब प्रश्न यह नहीं कि संकट है या नहीं बल्कि यह है कि क्या हम इसे स्वीकार कर समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने को तैयार हैं? पृथ्वी दिवस हमें केवल जागरूकता का संदेश नहीं देता बल्कि आत्ममंथन का अवसर भी प्रदान करता है। आवश्यकता इस बात की है कि विकास की अवधारणा को पुनर्परिभाषित किया जाए, जहां आर्थिक उन्नति के साथ पर्यावरणीय संतुलन को भी समान महत्व मिले। नवीकरणीय ऊर्जा, वनीकरण, जल संरक्षण और सतत विकास की नीतियां अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता बन चुकी हैं। यदि हम अब भी नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियां हमें उस पीढ़ी के रूप में याद करेंगी, जिसने अपनी सुविधाओं के लिए पूरी पृथ्वी को संकट में डाल दिया। धरती हमारी विरासत नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों से लिया गया उधार है और इस उधार को सुरक्षित लौटाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एक पहल और जनजागृति : बदल गई लेंसकार्ट की नीति!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत जैसे बहुसांस्कृतिक देश में कार्यस्थल विविधताओं के संगम होता है। ऐसे में जब देश की जानी-मानी आईवियर कंपनी लेंसकार्ट ड्रेस कोड को लेकर विवादों में घिरी, तो यह मुद्दा सामाजिक पहचान, धार्मिक स्वतंत्रता और कॉरपोरेट जिम्मेदारी पर व्यापक बहस का कारण बन गया, किंतु इस पूरे घटनाक्रम ने यह साबित कर दिया कि जागरूक समाज और सोशल मीडिया की ताकत किसी भी संस्था को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर सकती है।

वस्तुतः यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब सोशल मीडिया पर कंपनी के कथित ड्रेस कोड से जुड़ा एक दस्तावेज तेजी से वायरल हुआ। इस दस्तावेज साफ समझ आ रहा था कि कुछ धार्मिक प्रतीकों जोकि इस्लाम एवं अन्य से जुड़े हैं, सिर्फ हिन्दू धर्म छोड़कर को अनुमति दी जा रही है। ऐसे में स्वभाविक है कि भारत की विविधता को देखते हुए यह मुद्दा बेहद संवेदनशील बन गया। लोगों ने इसे सांस्कृतिक असमानता के रूप में देखना शुरू कर दिया। यहीं से जनआक्रोश की शुरूआत हुई और मामला तेजी से फैलने लगा।

कंपनी की प्रतिक्रियाः सफाई और असमंजस

विवाद बढ़ने पर कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीयूष बंसल ने सामने आकर कहा कि जो दस्तावेज वायरल हो रहा है, वह पुराना है और वर्तमान नीति को नहीं दशार्ता। हालांकि, यह सफाई लोगों के संदेह को पूरी तरह दूर नहीं कर सकी। सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ स्तम्भकार ने एक संदेश फिर से वायरल करके उनके दावों की एक झटके में हवा निकाल दी। जिससे विवाद और गहरा गया। इस स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब किसी संस्था की नीतियों में स्पष्टता नहीं होती, तो भ्रम और अविश्वास तेजी से फैलता है।

जनदबाव का असरः नीति में बदलाव और माफी

लगातार बढ़ते विरोध और सोशल मीडिया पर हो रही तीखी प्रतिक्रियाओं के बाद कंपनी को अपनी नीति में बदलाव करना पड़ा है। कंपनी ने नई स्टाइल गाइड जारी करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और स्वीकार किया कि यदि किसी की भावनाएं आहत हुई हैं, तो उसे खेद है। साथ ही यह भी कहा गया कि कंपनी भारतीय मूल्यों के साथ जुड़ी हुई है और यहां के लोगों के लिए काम करती है, इसलिए कर्मचारियों को अपनी सांस्कृतिक पहचान छोड़ने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। यह कदम इस बात का प्रमाण है कि जब जनता जागरूक होती है, तब बड़े से बड़े कॉरपोरेट को भी झुकना पड़ता है।

नई गाइडलाइनः संतुलन की कोशिश

नई ड्रेस कोड गाइडलाइन में कंपनी ने स्पष्ट किया कि कर्मचारी अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के साथ काम कर सकते हैं। अब बिंदी, तिलक, सिंदूर, कड़ा, मंगलसूत्र, कलावा, हिजाब और पगड़ी जैसे प्रतीकों को समान रूप से अनुमति दी गई है। इसके साथ ही कंपनी ने यह भी सुनिश्चित किया कि पेशेवर वातावरण बना रहे, जिसके तहत कर्मचारियों को कंपनी की टी-शर्ट, गहरे नीले रंग की साधारण जींस और बंद जूते पहनने होंगे। छोटे आभूषण जैसे झुमके, नथ, अंगूठी और चेन भी स्वीकार्य हैं। यह नीति इस बात का संकेत है कि पेशेवरता और व्यक्तिगत पहचान के बीच संतुलन संभव है।

इसके बाद भी कहना होगा कि फिलहाल सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा पूरी तरह शांत नहीं हुआ है। कई लोगों ने यह कहा कि यह बदलाव दबाव में किया गया है, इसलिए इस पर पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल है। कुछ लोगों ने यह भी सवाल उठाया कि अगर कंपनी वास्तव में भारतीय संस्कृति का सम्मान करती है, तो पहले इस तरह की पाबंदियां क्यों लगाई गईं? यह प्रतिक्रिया इस बात को दशार्ती है कि सिर्फ नीति बदलना पर्याप्त नहीं होता, विश्वास बहाल करना भी उतना ही जरूरी है।

क्यों अहम है यह मुद्दा!

यह पूरा प्रकरण कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करता है। सबसे पहले यह धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को रेखांकित करता है, जोकि हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। दूसरा, यह कार्यस्थल पर समावेशिता यानी इन्क्लूसिविटी की आवश्यकता को दशार्ता है, जहां हर व्यक्ति अपनी पहचान के साथ सहज महसूस कर सके। तीसरा, यह ब्रांड इमेज और पारदर्शिता के महत्व को सामने लाता है। जब कोई कंपनी स्पष्ट और संवेदनशील नहीं होती, तब स्वभाविक है कि उसका प्रभाव सीधे उसके ग्राहकों के विश्वास पर पड़ता है।

जनजागृति की शक्तिः बदलते समय का संकेत

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह जनजागृति की शक्ति को दशार्ता है। सोशल मीडिया ने लोगों को अपनी आवाज उठाने का मंच दिया और उसी का परिणाम है कि एक बड़ी कंपनी को अपनी नीति में बदलाव करना पड़ा। यह लोकतांत्रिक समाज की एक मजबूत तस्वीर पेश करता है, जहां नागरिक आज दर्शक होने से अधिक परिवर्तन के सक्रिय भागीदार बन चुके हैं।

कुल मिलाकर इस पूरे मामले को लेकर कहना यही होगा कि लेंसकार्ट का यह मामला सिर्फ एक ड्रेस कोड विवाद नहीं रहा, यह तो पूरे समाज और कॉरपोरेट जगत के बीच बदलते संबंधों का प्रतीक बन गया है। यह हमें सिखाता है कि कंपनियों को अपने व्यावसायिक हितों का ध्यान रखने के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक संवेदनशीलता को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। वहीं, समाज के लिए यह संदेश है कि जागरूकता और जिम्मेदार प्रतिक्रिया के माध्यम से सकारात्मक बदलाव संभव है।

दैनिक पंचांग

22 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.53 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मिथुन	08.51 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	11.05 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.21 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	15.33 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.44 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.58 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	22.14 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	00.20 बजे से
		कुंभ	02.06 बजे से
		मीन	03.39 बजे से
		मेष	05.09 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2026 वर्ष का 112 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 22.50 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 22.13 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 09.08 बजे को समाप्त।
करण कौलव 12.02 बजे तदनन्तर तैतिल 22.50 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 4.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 12° 08'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872687
जूलियन दिन 2461152.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद **तारीख** 04
विशेष स्कन्द षष्ठी, पृथ्वी दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

मानसिक तनाव के कारण युवक ने की आत्महत्या

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना क्षेत्र के कन्हैयास्थान स्थित डुमरी गांव में मंगलवार सुबह एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतक की पहचान भागवत मंडल (24) पिता स्व विनोद मंडल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 9:30 बजे घर में कोई नहीं था। इसी दौरान भागवत मंडल ने अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। परिजनों ने आनन-फानन में भागवत मंडल को अस्पताल लेकर आए। जहां ड्यूटी में तैनात चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सादिक अंसारी ने जांच करने के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार मृतक के माता-पिता की दो साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी। जिसके बाद वह बड़े भाई और भाभी के साथ रह रहा था। परिजनों के अनुसार भागवत मंडल की शादी दो साल पहले हुई थी, लेकिन बाद में पत्नी से तलाक हो गया था। इसके बाद से वह मानसिक तनाव में रहता था। घटना की सूचना मिलते ही राजमहल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने बताया कि आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतक परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

लिट्टीपाड़ा थाना का एसपी ने किया औचक निरीक्षण

पाकुड़ : जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा लिट्टीपाड़ा थाना का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना प्रभारी से थाना क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, आपराधिक गतिविधियों एवं क्षेत्र में मौजूद विभिन्न समस्याओं की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारी को क्षेत्र में विधि-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण को प्राथमिकता देने तथा नियमित रूप से मुस्तैदी के साथ गश्ती करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में कानून-व्यवस्था से समझौता नहीं किया जाएगा और आमजन की सुरक्षा सर्वोपरि है। निरीक्षण के क्रम में थाना परिसर में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का भी जायजा लिया गया। साथ ही आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। एसपी ने पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग एवं जवाबदेह रहने की हिदायत दी, ताकि क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा का माहौल कायम रह सके।

अपहरण व जमीन विवाद मामले के दो आरोपी गिरफ्तार

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के बड़ा जिरवाबाड़ी मोहल्ला में शादी की नीयत से अपहरण तथा जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रविंद्र कुमार शाह और विपिन कुमार शाह के रूप में हुई है। बताया गया कि पीड़ित पक्ष की शिकायत पर जिरवाबाड़ी थाना में कांड संख्या 62/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी की गई। गिरफ्तारी के बाद दोनों का मेडिकल जांच कराया गया। इसके उपरांत उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों के विरुद्ध शादी की नीयत से अपहरण तथा जमीन विवाद में मारपीट का मामला दर्ज है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है

डीसी ने जनता दरबार लगाकर आमजन की सुनी समस्याएं, त्वरित समाधान पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में आमजनों की समस्याओं की सुनवाई की गई। जनता दरबार में जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। उपायुक्त ने एक-एक कर सभी फरियादियों की बातें ध्यानपूर्वक सुनीं तथा उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि सभी शिकायतों का निष्पक्ष जांच के बाद शीघ्र समाधान किया जाएगा। सुनवाई के दौरान जमीन विवाद, जमीन रजिस्ट्री, मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना का लाभ, ठगी से संबंधित मामले, आपदा सहायता, दखल विवाद अन्य प्राप्त आवेदन विभिन्न विभागों एवं योजनाओं से संबंधित रहे, जिन पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त शिकायतों की भौतिक जांच करते हुए प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक मामले में पारदर्शिता बनाए रखते हुए तय समयसीमा के भीतर कार्रवाई की जाए तथा उसकी प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने जनहित से जुड़े मामलों में लापरवाही या देरी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। प्रशासन का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का शीघ्र एवं प्रभावी समाधान करना है, जिससे लोगों का शासन-प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो सके।

जनता दरबार पहुंचे लोगों के मामलों पर अपर समाहर्ता ने की सुनवाई

पाकुड़ : ज़िले में मंगलवार को उपायुक्त मेघा भारद्वाज के निर्देश पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। अपर समाहर्ता ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में नगर परिषद से संबंधित, प्रखड विकास कार्यालय हिरणपुर से संबंधित, अंचल कार्यालय पाकुड़ आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे।

संक्षिप्त खबरें

बरहरवा रेलवे स्टेशन पर विशेष मजिस्ट्रेट टिकट जांच अभियान चलाया गया

साहिबगंज: मालदा डिवीजन में बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए चल रहे निरंतर प्रयासों के तहत, मालदा के संभागीय रेलवे प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में गहन टिकट जाँच अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी अभियान के तहत आज वरिष्ठ संभागीय वाणिज्य प्रबंधक, मालदा, कार्तिक सिंह की देखरेख में बरहरवा रेलवे स्टेशन पर एक विशेष मजिस्ट्रेट टिकट जाँच अभियान चलाया गया। रेलवे के न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल कुमार की उपस्थिति में, वाणिज्यिक निरीक्षक, टिकट जांच कर्मचारियों और रेलवे सुरक्षा बल के कर्मियों के सक्रिय समन्वय के साथ, रेलवे टिकट नियमों और विनियमों के प्रभावी प्रवर्तन को सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान चलाया गया। गहन जांच अभियान के दौरान, बिना टिकट यात्रा, बिना बुकिंग के सामान और कूड़ा-करकट फैलाने सहित कुल 102 अनियमित यात्रा के मामले पकड़े गए, जिसके परिणामस्वरूप 44,750 का जुमार्ना वसूला गया। यह पहल मालदा डिवीजन की रेलवे टिकट नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने, रेलवे राजस्व की रक्षा करने और यात्रियों के बीच जिम्मेदार यात्रा व्यवहार को बढ़ावा देने की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कोटालपोखर-पाकुड़ रेल ट्रैक पर अज्ञात शव मिलने से सनसनी, पहचान में जुटी पुलिस

साहिबगंज: कोटालपोखर और पाकुड़ के बीच रेलवे ट्रैक पर मंगलवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना पोल संख्या 162/28 के समीप की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने सुबह ट्रैक के पास एक क्षत-विक्षत शव देखा, जिसके बाद तत्काल इसकी सूचना रेलवे अधिकारियों को दी गई। सूचना मिलते ही बरहरवा जीआरपी और पाकुड़ आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, शव की स्थिति बेहद खराब थी, जिससे पहचान कर पाना मुश्किल हो रहा है। शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं और आशंका जताई जा रही है कि व्यक्ति किसी तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया होगा। पुलिस ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही आसपास के क्षेत्रों में संपर्क कर मृतक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल जीआरपी और आरपीएफ संयुक्त रूप से यह पता लगाने में जुटी है कि मामला दुर्घटना है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

जिलेभर में चला सघन वाहन जांच अभियान नियम तोड़ने वालों पर हुई कार्रवाई

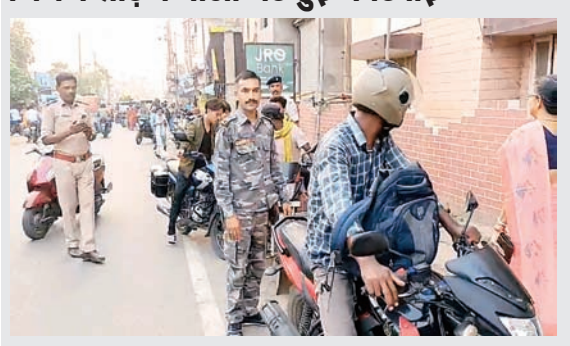

साहिबगंज: कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले की पुलिस एक्शन मोड में नजर आई। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के निर्देश पर मंगलवार को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में एक साथ सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान दो पहिया और चार पहिया वाहनों की बारीकी से जांच की गई तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की गई। जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र में एसआई मित्रा पूर्ति के नेतृत्व में विशेष रूप से दो पहिया वाहनों की जांच की गई। पुलिस टीम ने वाहनों की डिक्की खोलकर तलाशी ली ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु या अवैध सामान की पुष्टि की जा सके। जांच के दौरान हेलमेट, ड्रिंक एंड ड्राइव, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन के कागजात और अन्य सुरक्षा मानकों की गहन पड़ताल की गई। बिना हेलमेट चलने वाले और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ जुमार्ना व कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा ताकि अपराध पर अंकुश लगाया जा सके और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज: राजमहल थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने नामजद आरोपी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र निवासी महिला ने आरोप लगाया कि स्थानीय एक व्यक्ति ने शादी का भरोसा देकर उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाया। महिला का आरोप है कि आरोपी ने घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी और चुप रहने का दबाव बनाया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसका पति करीब पांच वर्ष पूर्व उसे छोड़कर कहीं चला गया था। इसके बाद से वह अपनी विधवा मां के साथ रह रही थी। इसी दौरान आरोपी ने परिस्थिति का लाभ उठाकर उसका शोषण किया। महिला ने आरोपी के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की है। मामले में थाना कांड संख्या 125/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

मंडरो के मोतीझील में महिला की धारदार हथियार से हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मिजाचौकी थाना क्षेत्र के मोतीझील गांव में एक 50 वर्षीया महिला की धारदार हथियार से हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतका की पहचान संझली सोरेन के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और शोक का माहौल है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, महिला के सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। आशंका जताई जा रही है कि रविवार रात में ही अज्ञात व्यक्ति द्वारा हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया। सोमवार दोपहर घटना की जानकारी तब हुई, जब मृतका का छोटा पुत्र प्रकाश मरांडी बांझी में लगे मेला देखकर घर लौटा। घर के बरामदे पर उसने अपनी मां को लहूलुहान अवस्था में मृत पड़ा पाया, जिसके बाद उसने आसपास के लोगों सहित पुलिस को सूचना दी। मिली जानकारी के अनुसार मृतका के चार पुत्र हैं, जिनमें से तीन बाहर रहकर काम करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही मिजाचौकी थाना के सब-इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार प्रभाकर एवं विक्रम कुमार बाउरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए साहेबगंज भेज दिया। पुलिस ने मामले में एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं मृतका के दूसरे पुत्र तल्लू मरांडी के बयान पर थाना में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

न्यायालय सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसपी ने किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पाकुड़ से औपचारिक शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों अधिकारियों के बीच न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था एवं विधि-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। भेंट के उपरांत एसपी द्वारा न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रवेश द्वार, सुरक्षा जांच व्यवस्था, तैनात पुलिस बल की उपस्थिति, आगंतुकों की निगरानी तथा अन्य सुरक्षा इंतजामों का बारीकी से जायजा लिया गया। एसपी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी जवान अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी मुस्तैदी और सतर्कता के साथ करें। उन्होंने न्यायालय परिसर की सुरक्षा से संबंधित मानक संचालन प्रक्रिया का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि न्यायालय जैसे संवेदनशील स्थल पर किसी भी प्रकार की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश मौके पर ही दिए गए। एसपी ने संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने का निर्देश भी दिया, ताकि न्यायालय परिसर में आने वाले न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

जाति प्रमाण-पत्र के लिए चार मई से होगा अनिश्चितकालीन धरना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के शेरशाहबादी समुदाय के लोगों ने शेरशाहबादी समुदाय को जाति प्रमाण-पत्र निर्गत किये जाने की मांग को लेकर चार मई को प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समक्ष महाधरना देने का ऐलान किया है। शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसायटी के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को सीओ से मुलाकात कर आवेदन सौंपकर धरना से संबंधित सूचना दी है। जिक्र है कि प्रखंड क्षेत्र अन्तर्गत बड़ी संख्या में शेरशाहबादी समुदाय के लोग रहते हैं। आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक सभी दृष्टिकोण से काफी पिछड़े हैं। इस कारण केंद्र व राज्य सरकार द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की सूची में शेरशाहबादी को आरक्षण दिया गया है। वर्ष 2000 से 2014 तक शेरशाहबादी समुदाय को 14 वर्षों तक जाति प्रमाण-पत्र भी निर्गत किया गया, लेकिन पिछले लगभग 14 वर्ष से जानबूझकर षड्यंत्र के तहत अंचल कार्यालय के कुछ कर्मचारी और पदाधिकारियों ने प्रमाण-पत्र निर्गत करना बंद कर दिया। जिससे इस समुदाय के बच्चे उच्च शिक्षण संस्थानों में नामांकन, नौकरी में आरक्षण जैसे अवसर से वंचित हो रहे हैं। पिछले कई वर्षों से शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसायटी ने इसको लेकर आंदोलन किया है। पर विभाग एवं सरकार ने हमारी समस्या को हल करने की दिशा में कोई रूचि नहीं दिखाई है। इस कारण चार मई से मांगें पूरी होने तक (अनिश्चितकालीन) धरना आयोजित किया जायेगा। मौके पर मुखिया इश्तियाक अहमद, आजमाइल शेख, शाहीन अख्तर, शकील अहमद, फारोग अहसान आदि मौजूद थे।

बंदूक के कुंदे से मारकर पति-पत्नी को किया घायल, भर्ती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत चानन निवासी स्वर्गीय रघुनाथ मंडल के 55 वर्षीय पुत्र जगधर मंडल और जगधर मंडल के 50 वर्षीया पत्नी पुतुल देवी को बंदूक के कुंदे से मारपीट कर घायल कर दिया गया। जहां आनन-फानन में इलाज के लिए परिजन सदर अस्पताल लेकर गये, जहां इमरजेंसी ड्यूटी में तैनात चिकित्सक डॉ मुकेश कुमार ने इलाज किया। घायल जगधर मंडल ने कहा कि सोमवार की शाम को बिना किसी बात के मेरे बेटे के पास आकर अजय मंडल, बबुआ, और अमरदीप मंडल ने विवाद शुरू कर दिया। बीच-बचाव करने गया तो बंदूक के कुंदे से मार कर पत्नी को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया। चिकित्सक ने बताया कि जगधर मंडल को शरीर पर कई चोट के निशान हैं, उसकी पत्नी पुतुल देवी को सर में चोट लगी है। सदर अस्पताल के ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। घायल जगधर मंडल ने कहा कि हम लोग जिरवाबाड़ी थाने पहुंचे, जहां इलाज कराने के बाद पुलिस ने बयान लिया। उसके बाद पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

तीनपहाड़ अग्निकांड स्थल पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी, पीड़ितों को राहत दिलाने की कवायद तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : तीनपहाड़ थाना क्षेत्र में बीते दिनों तीनपहाड़ सब्जी मंडी में लगी भीषण आग से दर्जनों दुकानों के जलकर राख हो जाने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। मंगलवार को राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी की टीम अग्निकांड स्थल पहुंची और पीड़ित दुकानदारों से मिलकर नुकसान का जायजा लिया। मिली जानकारी अनुसार रविवार देर रात अचानक सब्जी मंडी से आग की चिंगारी उठी और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की चपेट में सब्जी दुकानों के अलावा नाश्ता, मिठाई, चप्पल-जूते समेत कई अन्य दुकानें आ गईं, जो पूरी तरह जलकर राख हो गईं। घटना के दौरान स्थानीय दुकानदारों और ग्रामीणों ने पाइप एवं अन्य संसाधनों की मदद से आग बुझाने का भरसक प्रयास किया। दमकल वाहन के देर से पहुंचने पर लोगों ने अपने घरों से पानी लाकर आग पर काबू पाने की कोशिश की लेकिन तब तक आग काफी फैल चुकी थी और भारी नुकसान हो गया। घटना के बाद सोमवार शाम राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा मौके पर पहुंचे और पीड़ित दुकानदारों तथा उनके परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने प्रभावित परिवारों को सांत्वना देते हुए कहा कि इस कठिन समय में वे सभी पीड़ितों के साथ खड़े हैं। विधायक के निर्देश पर मंगलवार को अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो एवं अंचलाधिकारी मोहम्मद युसूफ ने स्थल निरीक्षण किया। अधिकारियों ने पीड़ित दुकानदारों से जानकारी लेते हुए नुकसान का आकलन किया और राहत दिलाने की प्रक्रिया शुरू की। अनुमंडल पदाधिकारी ने अंचलाधिकारी को निर्देश दिया कि पीड़ितों की सूची तैयार कर आवश्यक दस्तावेज तत्काल जिला प्रशासन को भेजे जाएं। इसके बाद अंचल अधिकारी ने अंचल निरीक्षक एवं राजस्व कर्मचारियों के साथ मौके पर ही पीड़ित दुकानदारों की सूची तैयार कर राहत सहायता के लिए जरूरी कागजात जुटाए। मौके पर तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे, समाजसेवी मुर्शीद राजा, मो. नजीम उर्फ लड्डू सहित कई स्थानीय लोग मौजूद थे।

एक नजर

खूंटी में रेल पटरी से युवक का शव बरामद

खूंटी : झारखंड के खूंटी जिले के कर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत कर्रा-गोविंदपुर रेल मार्ग पर मंगलवार को पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया। मृतक की उम्र लगभग 25 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, युवक की मौत संभवतः ट्रेन से कटकर हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर युवक की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

संतान सुख न मिलने की दर्द से परेशान महिला ने फंदे से झूलकर दी जान

जमशेदपुर : सोनारी थाना क्षेत्र के बी ब्लॉक स्थित कुम्हारपाड़ा में सोमवार देर रात एक महिला ने फंदे से झुलकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार सुबह जब परिजनों को घटना की जानकारी मिली तो आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर पहुंचे,जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, रूपा देवी(40) की शादी वर्ष 2003 में अजय वर्मा के साथ हुई थी। शादी के दो दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद दंपती को संतान सुख प्राप्त नहीं हो सका था। इसी कारण रूपा देवी लंबे समय से मानसिक तनाव और अवसाद से जूझ रही थी। हालांकि, वह खुद को व्यस्त रखने के लिए सोनारी बाजार में कपड़ों की दुकान चलाती थीं,लेकिन भीतर ही भीतर अकेलेपन और मातृत्व की कमी का दर्द उन्हें लगातार परेशान कर रहा था। घटनास्थल से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है,जिसमें रूपा देवी ने अपनी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। नोट में उन्होंने स्पष्ट रूप से लिखा है कि मां न बन पाने का दुख उन्हें अंदर से तोड़ चुका था और इसी पीड़ा के चलते उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया। इस घटना ने परिवार की खुशियों को भी मातम में बदल दिया। परिजनों ने बताया कि महज दो दिन बाद ही उनके चचेरे भाई की शादी होने वाली थी, जिसकी तैयारियां जोरों पर थीं। घर में खुशी का माहौल था और रिश्तेदारों का आना-जाना लगा हुआ था,लेकिन इस दुखद घटना ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया। सूचना मिलते ही सोनारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मंगलवार को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

घरेलू सामान की आड़ में ले जाया जा रहा शराब से लदा ट्रक पलटा, करोड़ों की खेप बरामद

दुमका : जिले के एनएच-133 हंसडीहा-देवघर मुख्य मार्ग पर सरैयाहाट थाना क्षेत्र के जमुनियां गांव के पास एक बड़ा हादसा सामने आया, जहां घरेलू सामान की आड़ में भारी मात्रा में अवैध शराब लेकर जा रहा एक ट्रक पलट गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार बरामद शराब की कीमत करीब 02 करोड़ रुपये से अधिक आंकी जा रही है। जानकारी के अनुसार, ट्रक में आटा और सर्फ की पेटियों के पीछे छिपाकर शराब की बड़ी खेप रखी गई थी, जिसे बिहार ले जाया जा रहा था। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस को मामले की जानकारी मिली, जिसके बाद त्वरित कार्रवाई की गई। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में शराब जब्त करते हुए उसे 13 ट्रैक्टरों के जरिए थाना पहुंचाया। इसके अलावा आटा और सर्फ की पेटियां भी 02 ट्रैक्टरों पर लादकर लाई गई। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि शराब की यह खेप कहां से लाई जा रही थी और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं।

अग्निशमन सेवा सप्ताह पर प्रशिक्षण, 240 लोको पायलटों को आपदा प्रबंधन की दी गई जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : टाटानगर रेल सिविल डिफेंस की ओर से राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत मंगलवार को एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोको पायलट और सहायक लोको पायलटों को आपदा प्रबंधन, अग्निशमन और प्राथमिक उपचार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम इलेक्ट्रिक लोको पायलट ट्रेनिंग सेंटर के सभागार में आयोजित हुआ, जहां सुरक्षा और सतर्कता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार के संबोधन से हुई। उन्होंने रेल कर्मियों को सेवा, सुरक्षा और समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रेलवे जैसी संवेदनशील सेवा में कार्यरत कर्मचारियों को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए, खासकर आगजनी या अन्य आपदाओं के समय त्वरित और सही निर्णय लेना अत्यंत आवश्यक है। इसके बाद सभी प्रतिभागियों को आपदा के समय जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने की शपथ दिलाई गई।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान अग्निशमन यंत्रों के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि फायर एक्सटिंग्विशर (आग बुझाने का यंत्र) का उपयोग करते समय किन सावधानियों का पालन करना चाहिए। विशेष रूप से यह भी बताया गया कि यदि पाउडर बाहर नहीं निकल रहा हो तो उपकरण को सावधानीपूर्वक लिटाकर इस्तेमाल करना चाहिए और उसकी कैप को हमेशा कठोर सतह की ओर रखना चाहिए, ताकि किसी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

डेमोंस्ट्रेटर शंकर कुमार प्रसाद ने व्यावहारिक अभ्यास के माध्यम से ड्राई केमिकल पाउडर और कार्बन डाइऑक्साइड आधारित अग्निशमन यंत्रों के उपयोग का मॉक ड्रिल कराया। इस दौरान प्रतिभागियों को आग बुझाने के सही तरीके, आग के प्रकारों की पहचान और उनके अनुसार उचित उपकरण के चयन की जानकारी दी गई।

इसके अलावा प्राथमिक चिकित्सा से जुड़े अहम पहलुओं पर भी प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) की विधि, गले में वस्तु फंसने की स्थिति (एफबीएओ) में तत्काल राहत देने की तकनीक और अन्य आवश्यक प्राथमिक उपचार के उपायों का अभ्यास कराया गया।

इस कार्यक्रम में दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर, रांची, आद्रा, खड़गपुर, संतरागाछी, बोकारो और राउरकेला मंडल से आए कुल 240 लोको पायलट और सहायक लोको पायलटों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को बेहद उपयोगी बताया और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर जोर दिया।

संक्षिप्त खबरें

शादी से पहले घर में वारदात, चोरों ने बेहोश कर उड़ाए गहने और नकदी

जमशेदपुर : बिरसानगर जोन नंबर-3 स्थित हरि मंदिर के पास सोमवार देर रात अज्ञात चोरों ने सुरेश गोप के घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के गहने और नकद रकम पर हाथ साफ कर दिया। घटना का खुलासा मंगलवार सुबह तब हुआ जब परिवार के लोग नींद से जगे और घर में बिखरे सामान के साथ अलमारी टूटी हुई पाई। पीड़ित सुरेश गोप के अनुसार, रात करीब एक बजे के आसपास चोर घर में घुसे। उस समय परिवार के सभी सदस्य अलग-अलग कमरों में सो रहे थे। आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने घर में घुसने के बाद बेहोशी वाला स्प्रे का इस्तेमाल किया,जिससे किसी की नींद नहीं खुली और वे आराम से वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि आगामी 3 मई को बेटी की शादी होनी है, जिसके लिए घर में जेवरात और करीब 70 हजार रुपये नगद रखे गए थे। चोरों ने अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे सभी कीमती सामान को चोरी कर लिया। घटना की सूचना मिलने के बाद मंगलवार को पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है ताकि चोरों का सुराग मिल सके। इधर, क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है। बिरसानगर थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि मामले में लिखित शिकायत प्राप्त हुई है और पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तारी कर लिया जायेगा।

झारखंड में जंगली हाथियों के हमले में मृतकों के आश्रितों को मिलेंगे 10 लाख रुपये

बोकारो : झारखंड में जंगली हाथियों के हमलों से होने वाली मौतों पर मुआवजा राशि बढ़ाने की लंबे समय से उठ रही मांग को आखिरकार सरकार ने स्वीकार कर लिया है। केंद्रीय वन पर्यावरण सुरक्षा सह प्रबंधन समिति झारखंड द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री एवं पीसीसीएफ को ज्ञापन देकर मृतकों के आश्रितों को मिलने वाली सहायता राशि 4 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने तथा घायलों को 4 लाख रुपये देने की मांग की गई थी।इस संबंध में माननीय मुख्यमंत्री ने विधानसभा में घोषणा करते हुए कहा कि अब जंगली जानवर, विशेषकर हाथियों के हमले में जान गंवाने वाले व्यक्तियों के आश्रितों को 10 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। सरकार के इस निर्णय से राज्य के ग्रामीण और वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।समिति के उपाध्यक्ष विष्णु चरण महतो ने मुख्यमंत्री के इस फैसले का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय पीड़ित परिवारों के लिए बड़ी मदद साबित होगा और सरकार का यह कदम सराहनीय है। विष्णु चरण महतो ने कहा कि हमारी समिति लंबे समय से जंगली हाथियों के हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए उचित मुआवजा बढ़ाने की मांग कर रही थी। मुख्यमंत्री ने हमारी मांग को गंभीरता से लेते हुए विधानसभा में इसे स्वीकार किया, इसके लिए हम उनका हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। यह निर्णय प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल देने के साथ-साथ उनके दर्द को कुछ हद तक कम करने में सहायक होगा। उन्होंने आगे कहा कि समिति आगे भी वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा और उनके अधिकारों के लिए आवाज उठाती रहेगी।

खैराचातर बजरंगबली मंदिर में साप्ताहिक भंडारा, श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का हुआ वितरण

बोकारो : बोकारो जिला के खैराचातर स्थित बजरंगबली मंदिर परिसर में साप्ताहिक भंडारा का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और भगवान बजरंगबली की पूजा-अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया। भंडारा में खीर, पूड़ी, सब्जी सहित अन्य प्रसाद का वितरण किया गया।मंदिर समिति के सदस्यों एवं स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से आयोजित इस भंडारे में सभी वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरा वातावरण भक्ति गीतों और जयकारों से गूंज उठा।इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के मंडल महामंत्री अनीश जायसवाल भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और एकता को मजबूत करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि बजरंगबली मंदिर में हर सप्ताह होने वाला यह भंडारा न सिर्फ श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, बल्कि समाज सेवा का भी एक उत्कृष्ट उदाहरण है। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस परंपरा को जारी रखने का संकल्प लिया।

काली मंदिर स्टेशन परिसर में मारवाड़ी महिला सम्मेलन ने किया ठंडा पानी व तरबूज का वितरण

झुमरीतिलैया : गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए काली मंदिर स्टेशन परिसर में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की महिलाओं द्वारा सेवा भाव का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया गया। महिलाओं ने श्रद्धालुओं, यात्रियों एवं आम लोगों के लिए मंदिर परिसर में ठंडे पानी का घड़ा स्थापित किया तथा राहगीरों के बीच शर्बत और तरबूज का वितरण किया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने बताया कि भीषण गर्मी में राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से यह पहल की गई है, ताकि लोगों को शीतल जल और फल उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि सामाजिक सेवा के ऐसे कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उषा शर्मा, रश्मि सहल, अन्जु लड्ढा, कविता पिलानिया, संगीता शर्मा, सुधा पचीसिया, सुनीता मगधिया सहित अन्य महिलाएं सक्रिय रूप से शामिल रहीं और सेवा कार्य में योगदान दिया। इस सराहनीय पहल की स्थानीय लोगों ने भी खूब प्रशंसा की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

ट्रैक्टर की टक्कर से जीजा की मौत

पलामू : जिले में सोमवार की रात एक सड़क हादसे में युवक की जान चली गई। छतरपुर-गजना मार्ग पर पथरा खुर्द गांव स्थित पंचायत भवन के समीप तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक सवार ओम प्रकाश प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद युवक बाल-बाल बच गया। मृतक की पहचान पाटन थाना क्षेत्र के बंजारी गांव निवासी ओम प्रकाश प्रजापति के रूप में हुई है। घटना के संबंध में युवक के रितश्तेदार सीताराम प्रजापति ने बताया कि ओम प्रकाश अपने साले रिंकेश प्रजापति के साथ गजना धाम में एक रिश्तेदार के विवाह समारोह में शामिल होकर सोमवार रात घर लौट रहे थे। इसी दौरान पथरा खुर्द के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

मोबाइल चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिम सिंहभूम जिले में मोबाइल चोरी की लगातार बढ़ रही घटनाओं के बीच पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर) बहामन टुटी ने मंगलवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बुलेट मोटरसाइकिल से घूम-घूमकर चोरी करने वाले तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चोरी के सात मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि गत 20 अप्रैल को पुलिस अधीक्षक, चाईबासा को सूचना मिली थी कि तीन युवक बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार होकर ग्रामीण इलाकों में घूमते हैं और देर रात घरों में घुसकर मोबाइल फोन चोरी करते हैं। चोरी के बाद ये मोबाइल कम कीमत पर स्थानीय स्तर पर बेच देते थे। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के गितिलिपी मोड़ के पास वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान संदिग्ध बुलेट मोटरसाइकिल (जेएच 06वी-1104) पर सवार तीन युवकों को रोका गया। तलाशी लेने पर उनके पास से सात एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद हुए, जिनके संबंध में वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इसके बाद तीनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में अपनी पहचान अमन निषाद, सुरेन्द्र सुण्डी उर्फ साहिल सुण्डी और हिमांशु पिंगुवा उर्फ डीमेन के रूप में बताई। सख्ती से पूछताछ करने पर उन्होंने स्वीकार किया कि दो दिन पूर्व झींकपानी थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर और इचापुर गांव में देर रात घरों में घुसकर मोबाइल चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस अब इन घटनाओं से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपित अमन निषाद और हिमांशु पिंगुवा का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। अमन निषाद हाल ही में 25 मार्च को जेल से छूटकर बाहर आया था, जिसके बाद उसने फिर से अपराध की राह पकड़ ली। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि चोरी के मोबाइल किन लोगों को बेचे जाते थे और इस गिरोह में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं। गिरफ्तार आरोपियों में अमन निषाद, सुरेन्द्र सुण्डी उर्फ साहिल सुण्डी और हिमांशु पिंगुवा उर्फ डीमेन को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहामन टुटी के नेतृत्व में थाना प्रभारी विनोद कुमार, पुलिस पदाधिकारी नरहरि सिंह मुंडा तथा मुफ्फसिल थाना के रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

जरूरतमंद बहनों के बीच लहंगा का हुआ वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़): सामाजिक सरोकार, सेवा भावना और मानवीय संवेदनाओं की मिसाल पेश करते हुए भुरकुंडा मंडल द्वारा दुंदुवा बस्ती स्थित रिवर साइड क्षेत्र में जरूरतमंद महिलाओं के बीच लहंगा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ, जहां बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम भुरकुंडा मंडल के निवर्तमान अध्यक्ष सतीश मोहन मिश्रा के नेतृत्व तथा मंडल अध्यक्ष अजय पासवान की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। यह सेवा कार्य हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के सौजन्य से संपन्न हुआ। आयोजन का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों तक सहयोग पहुंचाना और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के चेहरे पर खुशी लाना था।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद महिलाओं के बीच लहंगा वितरित किया गया। वितरण के समय महिलाओं के चेहरे पर खुशी और आत्मीयता साफ झलक रही थी। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सहयोग और अपनत्व की भावना को मजबूत करते हैं। उपस्थित नेताओं ने कहा कि सेवा कार्य केवल वस्तु वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के कमजोर वर्गों के प्रति जिम्मेदारी निभाने का माध्यम भी है। इस तरह के कार्यक्रम संगठन की संवेदनशीलता और समाजहित के प्रति समर्पण को दर्शाते हैं।

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मी देवी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। इसके अलावा अजय पासवान, योगेश डांगी, लक्ष्मी करमाली, युगल नायक, सतीश मोहन मिश्रा, राजन पांडेय, विनय भगत बीनू और अखिलेश टोप्पो समेत भाजपा के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बस्ती के लोगों की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। कार्यक्रम के अंत में सांसद मनीष जायसवाल तथा सभी पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने की प्रेरणा देते हैं।

बीएसएल की पहल : पहली बार आयोजित होगा 'आर्ट एंड साइंस स्ट्रीट'

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा शहरवासियों के लिए एक अभिनव एवं आकर्षक पहल के अंतर्गत 26 अप्रैल को एक दिवसीय "आर्ट एंड साइंस स्ट्रीट"का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष आयोजन सेक्टर-4 स्थित गांधी चौक से बोकारो मॉल जाने वाली मुख्य सड़क पर संध्या 6:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक आयोजित होगा, जहां कला, शिल्प, विज्ञान एवं रचनात्मक अभिव्यक्तियों का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

बीएसएल द्वारा पहली बार आयोजित किया जा रहा यह कार्यक्रम शहर के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन को नई दिशा देने की एक महत्वपूर्ण पहल है। "आर्ट एंड साइंस स्ट्रीट" के माध्यम से स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों, विद्यार्थियों एवं रचनात्मक प्रतिभाओं को अपनी कला, कौशल और नवाचारों को प्रदर्शित करने हेतु एक सशक्त मंच प्रदान किया जा रहा है।

इस अवसर पर हस्तशिल्प एवं हस्तनिर्मित उत्पादों, पारंपरिक एवं आधुनिक चित्रकला, स्केचिंग एवं पोर्ट्रेट कला, वॉल आर्ट तथा सजावटी कलाकृतियों सहित विभिन्न कलात्मक विधाओं की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। साथ ही, विज्ञान से जुड़े रचनात्मक एवं अभिनव प्रदर्शनों के माध्यम से युवा प्रतिभाओं को अपनी वैज्ञानिक सोच और कौशल प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

छात्रों को नकारात्मक विचारों से दूर रहकर अपने अंदर आत्मविश्वास विकसित करना चाहिए : शशि कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा बागी टाड स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक, कोडरमा के प्रांगण में ग्रुप हेडक्वार्टर हजारीबाग के अंतर्गत 45 झारखंड बटालियन एनसीसी, कोडरमा के तत्वावधान में कमांडिंग ऑफिसर विजय कुमार (सेना मेडल) के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में चल रहे 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के सातवें दिन की शुरूआत अत्यंत उत्साह और जोश के साथ हुई। जिले भर से आए लगभग 600 एनसीसी कैडेटों ने सुबह वार्म-अप, स्ट्रेचिंग एवं ड्रिल के साथ अपनी दिनचर्या की शुरूआत की। शिविर का मुख्य आकर्षण आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक शशि कुमार का सत्र रहा। उन्होंने बताया कि आज के समय में छात्रों पर पढ़ाई का दबाव बढ़ रहा है, ऐसे में उन्हें नकारात्मक विचारों से दूर रहकर आत्मविश्वास विकसित करना चाहिए। उनके प्रेरक विचारों ने कैडेटों को मानसिक रूप से सशक्त बनने की दिशा में प्रेरित किया।

इसके पश्चात कोडरमा साइबर सेल के अधिकारी अरविंद कुमार एवं अक्षय कुमार ने कैडेटों को ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग, सोशल मीडिया हैकिंग, फेक जॉब ऑफर एवं साइबर बुलिंग जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने डिजिटल युग में सतर्क रहने और सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार अपनाने पर विशेष जोर दिया।

कमांडिंग ऑफिसर विजय कुमार (सेना मेडल) ने कैडेटों को संबोधित करते हुए उन्हें देश का भविष्य बताया। उन्होंने कहा कि यदि युवा साइबर अपराधों के प्रति जागरूक रहेंगे, तो वे न केवल स्वयं को सुरक्षित रखेंगे, बल्कि समाज की सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर बटालियन के सूबेदार मेजर जी. के. चौधरी एवं ट्रेनिंग जेसीओ बलविंदर सिंह ने आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक एवं साइबर सेल अधिकारियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

शिविर के दौरान कैडेटों को फायरिंग, ड्रिल, टेंट पिचिंग, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट एवं बैटल क्राफ्ट जैसे महत्वपूर्ण विषयों का कठिन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य कैडेटों को इंटर ग्रुप प्रतियोगिता के लिए तैयार करना है, ताकि चयनित कैडेट 26 जनवरी 2027 को नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेकर झारखंड का नाम रोशन कर सकें।

संक्षिप्त डायरी

सरातियों के ड्राइवर ने दूल्हे के जीजा पर चढाई गाड़ी

पटना (एजेंसी)
बाढ़ में सरातियों के ड्राइवर ने दूल्हे के जीजा पर गाड़ी चढ़ा दी। उनकी मौत हो गई है। वहीं, 5 लोगों चोट भी लगी है। जिनका इलाज चल रहा है। दरअसल, बारातियों के साथ सोमवार की रात गाड़ियां भी बढ़ रही थी। बारात दुल्हन के घर तक पहुंचने ही वाली थी। इसी दौरान सरातियों और बारातियों के ड्राइवर के बीच विवाद हो गया। गाड़ी साइड करने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि गांव वालों ने बारातियों के ड्राइवर का सिर फोड़ दिया, उसकी पिटाई कर दी। वहीं, दूसरी तरफ सरातियों का ड्राइवर जितेंद्र भी गुस्से में था। गाड़ी तेजी से इधर-उधर घुमाने लगा। इसी दौरान दूल्हे के जीजा शंकर पासवान (35) पर कार चढ़ गई। बताया रहा कि वो नशे में था। घटना दीपनगर थाना क्षेत्र के काशीचक गांव की है। बताया जा रहा कि बाराती बेढना गांव से नालंदा जिले के दीप नगर थाना क्षेत्र के काशीचक गांव में बारात गई थी। बाराती दुल्हन के घर के नजदीक पहुंची तो बाराती और सराती दोनों मिलकर डांस करने लगे। सराती और दूल्हा पक्ष के ड्राइव के बीच जब मारपीट हुई तो बारातियों ने किसी तरह से मामला शांत कराया और अपने ड्राइवर को मौके से जाने के लिए कहा। पर आरोपी ड्राइवर गाड़ी लेकर आया। गाड़ी की रफ्तार काफी तेज थी। सामने कौन है, उसे परवाह नहीं थी। तेज रफ्तार में गोल-गोल 3-4 राउंड गाड़ी घुमाई। इसी दौरान हादसा हो गया और आरोपी चालक फरार हो गया। घायलों को बिहारशरीफ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जेईई मेन का परिणाम जारी:गया का शुभम बिहार टॉपर

पटना (एजेंसी) इस साल 16,04,854 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया, जिनमें 95% यानी 15,38,468 परीक्षा में शामिल हुए। इनमें कुल 26 छात्रों ने 100 पर्सेंटाइल हासिल किया, जिसमें आंध्र और तेलंगाना के 5-5 तथा राजस्थान के 4 छात्रों का सबसे ज्यादा दबदबा रहा। 100 परसेंटाइल पाने वालों में 24 अभ्यर्थी जनरल कैटेगरी से हैं। राज्य के लिए गर्व की बात यह रही कि गया जिले के शुभम कुमार ने 100 परसेंटाइल हासिल कर इतिहास रच दिया। वे देश के 26 टॉपर्स की सूची में शामिल हैं। स्टेट वाइज टॉपर लिस्ट में शुभम ने छठा स्थान प्राप्त किया है। इस साल मेन का कट-ऑफ ज्यादा रहा, क्योंकि उम्मीदवारों की संख्या अधिक रही और पेपर आसान या मध्यम स्तर का था। सभी वर्गों में 2019 से कट-ऑफ में लगातार बढ़ रही है। सामान्य में 2019-2021 में 87-90 था, 2023 से 93+ है। इस बार देशभर में कुल 26 कैंडिडेट्स ने 100 परसेंटाइल हासिल किया है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस रोजाना भरेगी उड़ान:तोहफा

पटना (एजेंसी) गर्मी की छुट्टियों में मुंबई जाने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। एयर इंडिया एक्सप्रेस 1 मई से पटना से मुंबई के बीच नई सीधी उड़ान शुरू करने जा रही है। फिलहाल यह सेवा 31 मई तक संचालित होगी। यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए एयरलाइंस ने यह फैसला लिया है। इस नई फ्लाइट के शुरू होने से पटना से मुंबई के लिए रोजाना उड़ानों की संख्या 3 से बढ़कर 4 हो जाएगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान पटना से दोपहर 3:05 बजे उड़ान भरेगा और शाम 5:25 बजे मुंबई पहुंचेगा। वहीं, मुंबई से यह फ्लाइट दोपहर 12 बजे चलकर 2:35 बजे पटना आएगी। 180 सीटों वाले इस विमान में 8 बिजनेस क्लास सीटें भी होंगी। सवाल : 1 मई से मुंबई के लिए क्या बदलाव होगा? जवाब : नई फ्लाइट शुरू होने से पटना-मुंबई रूट पर विमानों की संख्या 3 से बढ़कर 4 हो जाएगी। सवाल : जयपुर-भोपाल के लिए सीधी उड़ान की क्या स्थिति है?
जवाब : इन शहरों के लिए अभी भी कोई सीधी उड़ान नहीं है, यात्रियों को कनेक्टिंग फ्लाइट का ही सहारा लेना होगा।

नेता चुनने का अधिकार नीतीश को:मैं हूं न... पद छोड़ा है

पटना (एजेंसी) मुख्यमंत्री आवास ह्य1 अणे मार्गह्ल में ही सोमवार को जदयू विधायक दल की करीब 90 मिनट तक अहम बैठक हुई। बैठक नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विधायकों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास कर राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को ही विधायक दल का नया नेता चुनने के लिए अधिकृत कर दिया। बैठक में नीतीश कुमार ने भावुक और भरोसेमंद अंदाज में कहा, ह्यमैं हूं न... पद जरूर छोड़ दिया है, पर पूरे राज्य में घूमकर विकास कार्यों की समीक्षा करूंगाह्ल बैठक के बाद पार्टी प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि निशांत कुमार ही पार्टी के सर्वमान्य नेता हैं। बैठक में तीन प्रस्ताव पर लगी मुहर डिप्टी सीएम का स्वागतः विजय चौधरी व विजेंद्र यादव के चयन से सत्ता हस्तांतरण के समय पार्टी में एकजुटता का संदेश दिया गया। नीतीश को पूर्ण अधिकारः नया नेता चुनने का जिम्मा नीतीश को सौंपना यह साबित करता है कि सत्ता का ह्यरिमोट कंट्रोलह्ल उन्हीं के पास रहेगा। 20 साल के कार्यों पर बधाईः विकास कार्यों के लिए धन्यवाद प्रस्ताव से नीतीश को भविष्य के ह्यमार्गदर्शकह्ल के रूप में स्वीकार किया गया। सत्ता से दूरी, पकड़ पूरी नीतीश कुमार का ह्यमैं हूं नह्ल कहना कैडर के लिए बूस्टर डोज है। मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद भी वे राज्य का दौरा करेंगे, जिसका मतलब है कि नौकरशाही व संगठन पर उनकी पकड़ ढीली नहीं होगी। यह कदम नए नेता के चयन में संभावित खींचतान को खत्म करने की रणनीतिक चाल है।

ऐप में हर सदस्य का मोबाइल नंबर और पता होगा

पटना (एजेंसी) खुद के पैसे से फर्जी सदस्य बनानेवाले कांग्रेस नेताओं की तरकीब अब काम नहीं आएगी। जल्द ही उनकी चोरी पकड़ी जाएगी। प्रदेश कांग्रेस इसके लिए बीपीसीसी ऐप तैयार करा रही है। जल्दी ही इसकी लांचिंग होगी। सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में इस ऐप का प्रेजेंटेशन दिया गया। ऐप बनाने वाली तकनीकी टीम ने इसकी खूबी से नेताओं को अवगत कराया। ऐप में हर सदस्य का मोबाइल नंबर और जियो लोकेशन के साथ पता दर्ज किया जाएगा। अगर पार्टी का कोई नेता किसी गांव के बारे में जानकारी चाहता है तो मेन्यू में जाकर वहां स्थित सदस्यों के मोबाइल नंबर लेकर उनसे बात कर जानकारी ले सकते हैं। इससे पार्टी नेताओं को जमीनी जानकारी मिलेगी। धर, सदाकत आश्रम में तीन दिवसीय सर्वोदय संकल्प शिविर का समापन हो गया। मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि आजादी के बाद देश के निर्माण में कांग्रेस की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

सीएम सम्राट चौधरी का दिल्ली दौरा पीएम मोदी से करेंगे पहली मुलाकात

एक्टिव मोड में बिहार के नए मुख्यमंत्री: दिल्ली रवाना हुए सम्राट चौधरी, PM मोदी से मिलेंगे

पटना (एजेंसी) बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज दिल्ली जायेंगे. वहां पीएम मोदी से उनकी मुलाकात होगी. मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार सम्राट चौधरी की मुलाकात पीएम मोदी से होगी. जानकारी के मुताबिक, कुछ दिन पहले ही उन्होंने पीएमओ से मिलने का समय मांगा था. बिहार के नए सीएम सम्राट चौधरी एक्टिव मोड में हैं. इस बीच आज ही वे दिल्ली रवाना होने वाले हैं. दिल्ली में सीएम सम्राट की मुलाकात पीएम मोदी से होगी. जानकारी के मुताबिक, बंगाल चुनाव में पीएम मोदी के व्यस्त होने की वजह से पीएमओ से सीएम सम्राट चौधरी को समय नहीं मिल पा रहा था. लेकिन अब समय मिलने पर सम्राट चौधरी सीएम बनने के बाद पहली बार पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे. 15 अप्रैल को सम्राट चौधरी ने ली थी शपथ

सम्राट चौधरी ने 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी. उनके साथ जेडीयू कोटे के दो उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव और विजय चौधरी ने भी शपथ लिया था. शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी के भी आने की चर्चा थी. लेकिन पीएम मोदी शपथ ग्रहण में शामिल नहीं हुए थे. राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि पीएम मोदी से सीएम सम्राट चौधरी बिहार के विकास कार्यों को लेकर बातचीत कर सकते हैं. एक्टिव मोड में सीएम सम्राट चौधरी सम्राट चौधरी सीएम बनते ही आम लोगों के बीच दिख रहे. वे जनता दरबार में आम लोगों की समस्याएं सुन रहे और समस्याओं के समाधान का आश्वासन भी दे रहे हैं. इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट कहा था कि बिहार को विकसित राज्य बनाना है और इसके लिए अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ काम करें. इससे पहले सोमवार को सीएम सम्राट चौधरी जन आक्रोश महिला सम्मेलन में भी शामिल हुए थे. महिलाओं को मिला सीएम सम्राट का समर्थन महिला आरक्षण बिल को लेकर पटना में महिलाओं ने पदयात्रा की थी. इस दौरान महिलाओं को सीएम सम्राट का समर्थन मिला था. मंच से उन्होंने कहा था, एक-एक महिलाओं को बता देना चाहता हूं आपका भाई सम्राट चौधरी यहां खड़ा है. आपके लिए कोई भी असुरक्षा की स्थिति खड़ा करेगा तो पाताल से खींच लाऊंगा, उसको छोड़ नहीं सकता. साथ ही उन्होंने कांग्रेस और राजद पर भी हमला बोला था.

बिहार में हीटवेव की चेतावनी, 45 डिग्री तक तापमान चढ़ने की संभावना

पटना (एजेंसी) बिहार में हीटवेव का असर दिखना शुरू हो गया है. ऐसे में लोगों से पहले ही सावधान रहने की अपील की गई है. पिछले 24 घंटे में कई जिलों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया. जबकि अगले 2 से 3 दिनों में तापमान 45 डिग्री तक पहुंचने की संभावना जताई गई है. बिहार में गर्मी की वजह से लोगों का हाल बेहाल हो रखा है. सुबह-सुबह ही तेज धूप खिल जा रही. दिन चढ़ने पर दोपहर 12 बजे के बाद लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो रहा. मौसम विभाग की माने तो, पिछले 24 घंटे में राजधानी पटना का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया. इसके अलावा भी कई जिलों में तापमान 40 डिग्री तक पहुंचा. रोहतास के डेहरी में 43 डिग्री सेल्सियस पारा दर्ज किया गया. पटना के डीएम ने जारी किया आदेश पटना में तापमान 40 डिग्री तक पहुंचने की वजह से 5वीं तक की क्लास की टाइमिंग बदल दी गई है. जिले के डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने आदेश जारी किया है. आदेश के मुताबिक, जिले में 21 अप्रैल से 25 अप्रैल तक 5वीं तक के क्लास, आंगनबाड़ी केंद्र और प्री-स्कूल 12:30 तक ही चलेंगे. यह आदेश सरकारी और निजी दोनों स्कूलों के लिए जारी किया गया है. बच्चों के स्वास्थ्य पर गर्मी की वजह से कोई असर नहीं पड़े, इसे ध्यान में रखते हुए स्कूल की टाइमिंग बदली गई. अगले 2 से 3 दिनों में कितना चढ़ेगा पारा? मौसम विभाग की माने तो, बिहार में हीटवेव का असर दिखना शुरू हो गया है. आज बिहार के कई जिलों में लू चलने की संभावना जताई गई है. पटना में भी तेज धूप और लू का प्रकोप लोगों को झेलना पड़ सकता है. मौसम विभाग ने यह भी संभावना जताई है कि अगले 2 से 3 दिनों में कुछ जिलों के तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकते हैं. भीषण गर्मी की वजह से स्कूल में बच्चे हुए बेहोश सोमवार को बक्सर जिले में भीषण गर्मी के कारण स्कूल के 10 बच्चे बेहोश हो गए. देखते ही देखते अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया. किसी तरह एक-एक कर बच्चों को पंखे के नीचे ले जाया गया और फिर प्राथमिक उपचार किया गया. मौसम विभाग की माने तो, सोमवार को बक्सर जिले का तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया.

जहानाबाद में टोल प्लाजा पर गोलीबारी, दो युवक घायल, क्या है मामला

पटना (एजेंसी) जहानाबाद में एनएच-22 पर जमकर बवाल हुआ. देखते ही देखते ताबड़तोड़ फायरिंग भी हुई, जिसमें दो युवक घायल हो गए. बारात ले जाने के दौरान यह विवाद हुआ. फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है. सोमवार की देर रात जहानाबाद में एनएच-22 (पटना-गया मार्ग) पर सेरथुआ के पास टोल प्लाजा पर गोलीबारी की घटना हुई. इस मामले में दो युवक घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घायल युवकों ने गोलीबारी का आरोप टोल प्लाजा के कर्मियों पर लगाया है. घायलों में उमराई बीघा के ग्यानी और नियाजीपुर के रोहित कुमार शामिल हैं. एक अन्य युवक मारपीट में जख्मी बताया जाता है. घायलों ने बताया पूरा मामला घायलों के अनुसार, सोमवार की रात उमराई बीघा से बारात मसौढ़ी जा रही थी. टोल प्लाजा पार करने के दौरान किसी बात को लेकर बारात में शामिल लोगों और टोल प्लाजा कर्मियों के बीच विवाद हो गया. इसके बाद देखते ही देखते मारपीट होने लगी. इसी दौरान किसी ने फायरिंग कर दी, जिसमें गोली लगने से दो लोग घायल हो गए. आनन-फानन में घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है. एएसपी मनोज पांडे ने क्या बताया? घटना की सूचना मिलने पर रात में ही एएसपी मनोज पांडे ने सदर अस्पताल पहुंचकर घायल मरीजों की स्थिति की जानकारी ली और घटना के बारे में पूछताछ की. जानकारी के मुताबिक, जिस बंदूक से फायरिंग की गई, उसे भी जब्त कर लिया गया है. एएसपी मनोज पांडे ने बताया कि दो लोग घायल हुए हैं. गोली लगने से दो लोगों के घायल होने की बात बताई जा रही है

पटना की सड़क पर बवाल, गुस्साए लोगों ने ढल्ह 139 किया जाम, जानिए पूरा मामला

पटना (एजेंसी) पटना के दानापुर में गुस्साए लोगों ने जमकर बवाल किया. युवक का शव नहीं मिलने से लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और एनएच 139 को जाम कर दिया. इसके साथ ही बीच रोड पर टायर भी जलाए. घटना की वजह से पूरे इलाके में तनाव का माहौल है. (फुलवारी शरीफ, अजीत) पटना जिले के फुलवारी शरीफ थाना इलाके में पोखर में डूबने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई. घटना के बाद इलाके में हालात तनावपूर्ण हो गए हैं. मृतक की पहचान विक्रम थाना इलाके के मोहनपुर गांव निवासी बीरेंद्र माझी (25 साल) के रूप में हुई है. वह अपने रिश्तेदार में ही तिलक समारोह में शामिल होने आया था. कैसे हुआ हादसा? बताया जाता है कि सोमवार देर रात वह घर से बाहर निकला और पोखर के किनारे चला गया. इसी दौरान पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया. घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों और परिजनों ने तुरंत खोजबीन शुरू की, लेकिन काफी प्रयास के बावजूद रातभर शव का पता नहीं चल सका. सुबह तक शव बरामद नहीं होने पर परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा. मृतक की पत्नी सरस्वती देवी और तीन छोटे-छोटे बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है. पूरे गांव में शोक की लहर है. ग्रामीणों ने क्या लगाया आरोप? ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद प्रशासन की ओर से राहत और बचाव कार्य में सुस्ती बरती गई. समय पर गोताखोरों की टीम नहीं पहुंची, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता गया. स्थानीय लोगों ने बताया कि इस पोखर में अब तक सात से अधिक लोगों की डूबकर मौत हो चुकी है, इसके बावजूद न तो घेराबंदी की गई और न ही कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया. एनएच 139 को किया जाम इसी के विरोध में गुस्साए ग्रामीणों ने एम्स गोलंबर के पास नेशनल हाईवे 139 को पूरी तरह जाम कर दिया. घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए फुलवारी शरीफ थाना, जानीपुर, नौबतपुर समेत आस-पास के कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाने-बुझाने की कोशिश की, लेकिन प्रदर्शनकारी शव बरामदगी, उचित मुआवजा और पोखर की स्थायी घेराबंदी की मांग पर अड़े रहे. प्रशासन की ओर से गोताखोरों की टीम लगाने और जल्द शव निकालने का आश्वासन दिया गया है.

बिहार की 'डेंजरस' सड़कों की होगी टेक्निकल स्टडी, परिवहन विभाग ने लिया फैसला

पटना (एजेंसी) बिहार की 'डेंजरस' सड़कें यानी कि सबसे ज्यादा जिन सड़कों पर दुर्घटना होती है, उनका टेक्निकल स्टडी किया जाएगा. बिहार परिवहन विभाग की ओर से नई व्यवस्था की जा रही है. इसके साथ ही लोगों को जागरूक भी किया जाएगा. बिहार में सड़कों की स्थिति और भी दुरुस्त होने वाली है. परिवहन विभाग की ओर से खास फैसला लिया गया है. राज्य में पटना सहित बाकी सभी अधिक दुर्घटना वाले सड़कों का टेक्निकल स्टडी किया जाएगा. इसमें पटना के अटल पथ सहित अन्य पथों को शामिल किया जाएगा. निर्माण और तकनीकी चीजों का अध्ययन होगा. पटना के अटल पथ में गाड़ियों की रफ्तार बढ़ने से दुर्घटनाएं भी बढ़ी हैं. परिवहन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक सभी सड़क पर स्पीड कंट्रोल की व्यवस्था की जाएगी. लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक भी किया जाएगा, ताकि दुर्घटनाएं कम हो सकें. स्टडी के दौरान बनने वाली रिपोर्ट की होगी समीक्षा बैठक विभाग के मुताबिक स्टडी के दौरान बनने वाली रिपोर्ट पर समीक्षा बैठक होगी. इसको लेकर अधिकारियों की हर जिला स्तर पर टीम का गठन होगा. इसी कड़ी में सड़क सुरक्षा के तहत कार्रवाई शुरू की जाएगी. सड़क सुरक्षा के तहत जुड़े सभी विभाग के अधिकारी इस स्टडी में शामिल रहेंगे, जो कि तकनीकी रूप से दुर्घटना वाले इलाकों का अध्ययन करेंगे. 37 फुट ओवर ब्रिज के लिए एस्टीमेट होगा तैयार सड़क दुर्घटना वाले इलाकों को चिह्नित किया जाएगा, ताकि अटल पथ पर दुर्घटनाएं कम हो सके. अटल पथ पर चार फुट ओवर ब्रिज प्रस्तावित हैं. जहां फुट ओवर ब्रिज है, वहां लोगों को उसका उपयोग करने के लिए जागरूक किया जायेगा. सड़क सुरक्षा के तहत कैमरों की संख्या बढ़ेगी. इसके अलावा बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के जरिए राज्य भर में 37 फुट ओवर ब्रिज निर्माण के लिए एस्टीमेट बनाया जाएगा. इन सभी में बुजुर्ग, दिव्यांगजनों के लिए लिफ्ट लगाया जाएगा. बिहार में चलाया जाएगा जागरूकता अभियान सड़क सुरक्षा अभियान के तहत फुट ओवर ब्रिज का उपयोग करने के लिए लोगों के बीच जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा. जहां पर एफओबी पहले से बना हुआ है. उन सभी एफओबी का उपयोग कितना हो रहा है

बंगाल चुनाव ने बिहार में बिगाड़ी ट्रेनों की सूरत, रेलवे स्टेशन पर उमड़ रही खचाखच भीड़

पटना (एजेंसी) पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव का असर ट्रेनों में देखने के लिए मिल रहा है. किशनगंज में ठाकुरगंज स्टेशन पर रेलवे यात्रियों की भारी भीड़ जुट रही है. कई यात्रियों को काफी लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा जबकि कई यात्री बिना सफर किए ही लौट जा रहे. पश्चिम बंगाल में चल रहे चुनावों का असर अब रेल यातायात पर भी साफ दिखने लगा है. मतदान करने के लिए बड़ी संख्या में लोग ट्रेनों से अपने-अपने क्षेत्रों की ओर जा रहे हैं, जिसके कारण ट्रेनों में खचाखच भीड़ देखने के लिए मिल रही है. पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को वोटिंग होगी. इससे पहले बिहार में ट्रेनों की सूरत बदल गई है. प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी जैसी स्थिति किशनगंज में ठाकुरगंज स्टेशन पर हालात ऐसे बन गए कि हर रोज सफर करने वाले यात्री ट्रेन में चढ़ ही नहीं पा रहे हैं. सुबह और शाम की ट्रेनों में भारी भीड़ के कारण प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी जैसी स्थिति रही. कई यात्रियों को मजबूरन अगली ट्रेन का इंतजार करना पड़ा, जबकि कुछ लोग बिना सफर किए ही वापस लौट गए. स्थानीय यात्रियों ने की यह मांग स्थानीय यात्रियों का कहना है कि चुनाव के समय अतिरिक्त कोच या स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था नहीं होने से आम लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है. रोजाना कामकाज के लिए यात्रा करने वाले लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो गई है. यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त बोगी या विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाए, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके. अब तक कई समर स्पेशल ट्रेनों का एलान रेलवे यात्रियों की मांग को देखते हुए क्या निर्णय लिया जाता है, यह देखने वाली बात होगी. दूसरी तरफ गर्मी की वजह से ट्रेनों में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए कई समर स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की गई है. बिहार से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु समेत अन्य राज्यों के लिए समर स्पेशल ट्रेनें चलाई जायेंगी. सफर के दौरान रेल यात्रियों को कोई परेशानी नहीं झेलनी पड़े, इसे ध्यान में रखते हुए रेलवे की ओर से निर्णय लिया गया है.

पटना की सड़क पर बवाल, गुस्साए लोगों ने NH 139 किया जाम, जानिए पूरा मामला

पटना (एजेंसी) भागलपुर-दुमका और गोड्डा रेलखंड पर तीन हॉल्ट को स्टेशन में बदला जाएगा. इस फैसले से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव भी शुरू होगा. बिहार के भागलपुर-दुमका रूट के गोनूधाम हॉल्ट, पंजवारा रोड और गंगवारा हॉल्ट को अब स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा. इसके लिए ईस्टर्न रेलवे से मंजूरी भी मिल चुकी है. स्टेशन बनने के बाद इन जगहों पर यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी. प्लेटफॉर्म को बड़ा किया जाएगा और हर स्टेशन पर कम से कम दो प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे. यात्रियों के बैठने की बेहतर व्यवस्था होगी. सर्वे के बाद दिया गया था प्रस्ताव यहां 24 घंटे टिकट लेने की सुविधा के लिए टिकट घर बनाया जाएगा. स्टेशन बनने के बाद कर्मचारियों की भी तैनाती की जाएगी, जिससे कामकाज सुचारु रूप से चल सके. इस योजना को लेकर मालदा मंडल ने पिछले साल सर्वे कराया था. सर्वे में ट्रेनों के संचालन को बेहतर बनाने और यात्रियों को ज्यादा सुविधा देने के लिए इन हॉल्ट को स्टेशन में बदलने का प्रस्ताव दिया गया था. मंडल की ओर से प्रस्ताव कोलकाता स्थित मुख्यालय भेजा गया था, जहां से इसे मंजूरी मिल गई. यह काम गतिशक्ति योजना के तहत कराया जाएगा. अभी इन जगहों पर सिर्फ ट्रेनों का ठहराव होता है,रेलवे अधिकारियों के अनुसार इस योजना पर करीब 9 से 10 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है. जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही इसके अलावा भागलपुर जंक्शन से करीब 14.40 , जिस पर करीब 3169 करोड़ रुपये खर्च होंगे. इसके लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है और जल्द काम शुरू होने की उम्मीद है. जगदीशपुर में बनने वाले इस नए टर्मिनल स्टेशन को तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. यहां तीन यात्री प्लेटफॉर्म, दो फुटओवर ब्रिज, सर्विस बिल्डिंग, सकुर्लेटिंग एरिया, चार लूप लाइन, दो माल लाइन, पांच स्टेबलिंग लाइन, दो शंटिंग नेक, बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें क्या-क्या सुविधा होगी दुमका-भागलपुर सेक्शन पर बनने वाले इस टर्मिनल की अनुमानित लागत करीब 310.45 करोड़ रुपये बताई जा रही है. रेलवे अधिकारियों के मुताबिक जगदीशपुर हॉल्ट को विकसित कर न्यू भागलपुर टर्मिनल स्टेशन बनाया जाएगा, जहां प्लेटफॉर्म शेड और पानी की सुविधा भी होगी. इसके साथ ही मौजूदा भागलपुर स्टेशन को करीब 481.60 करोड़ रुपये की लागत से मल्टीस्टोरी बनाया जाएगा. दूसरी तरफ पीरपैंती से गोड्डा के बीच नई रेल लाइन बिछाने की तैयारी भी शुरू हो चुकी है. पुनसिया और संझा हॉल्ट को ब्लॉक हट स्टेशन का दर्जा दिया गया है. इससे ट्रेनों का संचालन आसान होगा और कम दूरी पर ट्रेनों को जल्दी रवाना किया जा सकेगा. रेलवे ने मोबाइल यूटीएस सुविधा भी शुरू कर दी है. इससे टिकट लेने में लोगों को आसानी होगी.

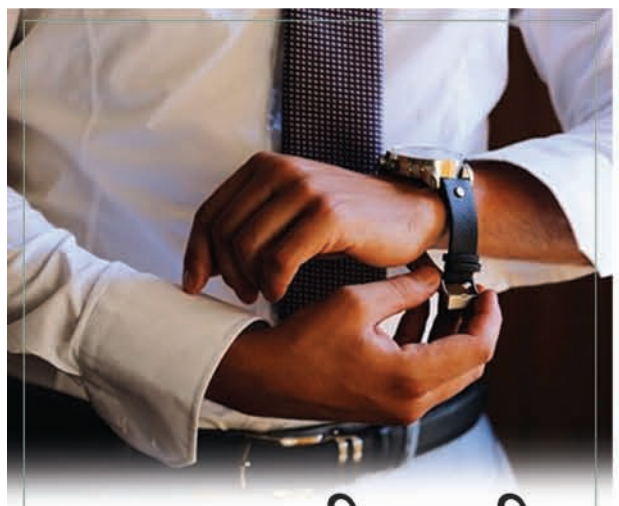

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं ? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए ! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है। इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा। कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे ? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे ? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं ! यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां ! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे ! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम ।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है -प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा- एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकत्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

शेफाली वर्मा ने रचा इतिहास, 100 टी20 मैच खेलने वाली भारत की सबसे कम उम्र की क्रिकेटर बनी

एजेंसी

नई दिल्ली : शेफाली वर्मा 100 टी20 खेलने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने 22 साल और 81 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की है। इस युवा खिलाड़ी ने डरबन के किंग्समीड में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मैच में यह मुकाम हासिल किया। ऐसा करके शेफाली ने जेमिमा रोड्रिग्स का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। जेमिमा ने 2024 महिला एशिया कप के दौरान 23 साल और 327 दिन की उम्र में अपना 100वां टी20 मैच खेला था। शेफाली इस उपलब्धि तक पहुंचने वाली तीसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। उनसे आगे रवांडा की गिसेले इशिमवे और हेनरीएट इशिमवे हैं। वह 100 ळ20कमैच खेलने वाली सिर्फ पांचवीं भारतीय महिला खिलाड़ी भी बन गई हैं। इस सूची में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स भी शामिल हैं।

100 महिला टी20 खेलने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी :
गिसेले इशिमवे - 20 साल 362 दिन
हेनरीएट इशिमवे - 21 साल 233 दिन
शेफाली वर्मा - 22 साल 81 दिन

शेफाली ने 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था और तब उनकी उम्र सिर्फ 15 साल और 239 दिन थी। स्वभाव से निडर और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर, उन्होंने जल्द ही एक ऐसी बल्लेबाज के तौर पर अपनी पहचान बनाई जो दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजों का सामना करने से नहीं डरती। वह देश की सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाली खिलाड़ी बनीं और सबसे होनहार युवा प्रतिभाओं में से एक के रूप में उभरीं। उन्हें शुरूआती सफलता 2019 के महिला टी20 चैलेंज में मिली। इस टूर्नामेंट में उन्होंने मिताली राज की कप्तानी में 'वेलोसिटी' टीम के लिए खेलते हुए सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। अनुभवी अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों के सामने भी शेफाली की दमदार बल्लेबाजी ने यह साबित कर दिया कि वह बड़े मंच के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस प्रदर्शन ने राष्ट्रीय टीम में उनके चयन की प्रक्रिया को और भी तेज कर दिया।

प्रीमियर लीग से वूल्वरहैम्प्टन वांडरर्स बाहर, वेस्ट हैम-क्रिस्टल पैलेस के ड्रॉ से तय हुई किस्मत

एजेंसी

लंदन : इंग्लैंड की शीर्ष फुटबॉल लीग प्रीमियर लीग में सोमवार को वेस्ट हैम यूनाइटेड और क्रिस्टल पैलेस के बीच गोलरहित ड्रॉ के बाद वूल्वरहैम्प्टन वांडरर्स (वूल्व्स) का रेलीगेशन तय हो गया। वूल्व्स अब अंकतालिका में वेस्ट हैम यूनाइटेड से 16 अंक पीछे है और केवल पांच मैच शेष होने के कारण टीम का नीचे गिरना तय हो गया है। अब वूल्व्स अगले सीजन में ईएफएल चैम्पियनशिप में खेलती नजर आएगी। नवंबर से कोच रॉब एडवर्ड्स के नेतृत्व में खेल रही वूल्व्स ने इस सीजन में 33 मैचों में सिर्फ तीन जीत दर्ज की। हालांकि एस्टन विला और लिवरपूल के खिलाफ कुछ अहम जीत मिलीं, लेकिन टीम लंबे समय से रेलीगेशन के खतरे में थी। इसके साथ ही प्रीमियर लीग में उसका आठ साल का सफर समाप्त हो गया। सीजन की शुरूआत में टीम के कोच रहे वीटोर परेरा को खराब प्रदर्शन के चलते नवंबर में हटा दिया गया। बाद में रॉब एडवर्ड्स को जिम्मेदारी दी गई, लेकिन वह टीम को बचा नहीं सके। अंकतालिका में नीचे चल रही बर्नली अगर बुधवार को मैनचेस्टर सिटी से हारती है, तो उसका रेलीगेशन भी तय हो जाएगा।

अन्य टीमों की स्थिति

टोटेनहैम हॉट्सपर ब्राइटन के खिलाफ 2-2 ड्रॉ के बाद भी रेलीगेशन जोन से बाहर नहीं निकल सका।

नॉटिंघम फॉरेस्ट और लीड्स यूनाइटेड ने जीत दर्ज कर खुद को सुरक्षित स्थिति में पहुंचाया। कोवेंट्री सिटी ने चैम्पियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल कर 25 साल बाद प्रीमियर लीग में वापसी सुनिश्चित कर ली है।

आईपीएल में सीएसके को झटका, हैमस्ट्रिंग चोट के चलते बाहर हुए आयुष म्हात्रे

एजेंसी

नई दिल्ली : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। म्हात्रे को यह चोट हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले के दौरान बल्लेबाजी करते समय लगी। जांच में उनकी हैमस्ट्रिंग में गंभीर खिंचाव की पुष्टि हुई है। डॉक्टरों के मुताबिक इस चोट से उबरने में उन्हें 6 से 12 सप्ताह का समय लगेगा, जिससे वह इस सीजन के शेष मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। मुंबई के इस युवा बल्लेबाज ने इस सीजन में शीर्ष क्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह पावरप्ले के अंतिम ओवरों में तेज रन बनाने के लिए जाने जाते रहे हैं। म्हात्रे ने इस सीजन में 6 मैचों में 201 रन बनाए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 177.88 रहा और उन्होंने दो अर्धशतक भी लगाए। पिछले सीजन में भी उन्होंने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद टीम में जगह बनाई थी और 7 मैचों में 240 रन बनाकर अपनी उपयोगिता साबित की थी।

आईपीएल मैचों के सफल आयोजन के लिए 26 अप्रैल को इन्द्रूनाग के दर पंहुचेगी एचपीसीए

एजेंसी

धर्मशाला : धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में मई माह में होने वाले आईपीएल मैचों के सफल आयोजन के लिए हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन 26 अप्रैल को इन्द्रू नाग देवता के दर में पूजा अर्चना करेगी। इस दौरान एचपीसीए द्वारा मंदिर में सुबह हवन, यज्ञ और पूजा का आयोजन जाएगा। इसके बाद मंदिर परिसर में कन्या पूजन और एक भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में किसी भी स्तर के मैच होने से पूर्व एचपीसीए हर बार धर्मशाला के खनियारा स्थित बारिश के देवता इन्द्रू नाग के दर पंहुचकर पूजा और हवन का आयोजन करती है। वहीं मैच के सफल आयोजन के बाद इन्द्रू नाग का आभार जताने के लिए भी पूजा की जाती है। मैच के दौरान किसी भी तरह से मौसम का खलल न पड़े इसके लिए ही इन्द्रू नाग देवता के मंदिर में पूजा पाठ का आयोजन होता है। एचपीसीए के सचिव मनुज शर्मा ने बताया कि धर्मशाला में होने वाले तीन आईपीएल मैचों के सफल आयोजन के लिए 26 अप्रैल को स्थानीय देवता इन्द्रू नाग के मंदिर में पूजा और हवन किया जाएगा इसके बाद कन्या पूजन और भंडारे का भी आयोजन भी किया जाएगा। वहीं उन्होंने मैचों की तैयारियों को लेकर कहा कि तैयारियां जोरों पर हैं। इन मैचों को सफल बनाने के लिए हर बार की तरह सभी तैयारियों को पूरा किया जा रहा है। बात चाहे आउटफील्ड की हो या फिर पिच की सभी तैयारियां चल रही हैं। धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में इस सीजन के तीन आईपीएल मैच खेले जाने हैं। पंजाब किंग्स के होम ग्राउंड धर्मशाला में पंजाब 11 मई को अपना पहला मैच दिल्ली कैपिटल्स के साथ खेलेगा। वहीं 14 मई को पंजाब की भिड़ंत मुंबई इंडियंस के साथ होगी। यह दोनों मैच शाम साढ़े सात बजे शुरू होंगे। वहीं 17 मई को पंजाब और आरसीबी के बीच खेले जाने वाला मैच दिन में साढ़े तीन बजे से शुरू होगा।

सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने हासिल किया एशियाई खेल का प्रसारण अधिकार

एजेंसी

नई दिल्ली : एशियाई खेल 2026 के प्रसारण को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने जापान में आयोजित होने वाले 20वें एशियाई खेल (आइची-नागोया 2026) के लिए भारत में विशेष प्रसारण अधिकार हासिल कर लिए हैं। यह लगातार तीसरी बार है जब सोनी नेटवर्क भारत में एशियाई खेलों का प्रसारण करेगा। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने जानकारी दी कि यह प्रतिष्ठित बहु-खेल प्रतियोगिता 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में आयोजित होगी। समझौते के तहत पूरे टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण सोनी के खेल चैनलों पर किया जाएगा, जबकि इसका डिजिटल प्रसारण सोनी के ओटीटी मंच सोनी लिव पर उपलब्ध रहेगा। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के स्पोर्ट्स और इंटरनेशनल बिजनेस प्रमुख राजेश कौल ने कहा कि पिछले संस्करण में भारत के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद देश में बहु-खेल प्रतियोगिताओं के प्रति रुचि काफी बढ़ी है। भारत ने पिछली बार 100 पदकों का आंकड़ा पार करते हुए कुल 107 पदक जीते थे। एशियाई खेल दुनिया के सबसे बड़े बहु-खेल आयोजनों में से एक है। इस बार इसमें 41 खेल शामिल होंगे, जिनमें 32 ओलंपिक खेल भी हैं। साथ ही, इस संस्करण में मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स और सर्फिंग जैसे नए खेलों को भी शामिल किया गया है, जिससे प्रतियोगिता और रोमांचक होने की उम्मीद है।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 : धोनी को पीछे छोड़ने के करीब केएल राहुल, 50 रन दूर बड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी

हैदराबाद : दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले छठे खिलाड़ी बनने से मात्र 50 रन दूर हैं। अगर वह सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ये रन बना लेते हैं तो चेन्नई सुपर किंग्स) के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ देंगे। इस सीजन में इस स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज (राहुल) ने बल्ले से अपना आक्रामक अंदाज दिखाया है। उन्होंने लगभग 170 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं और हर 2.6 गेंदों पर एक बाउंड्री लगाई है। इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में अब तक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी फ्ड्ड के विराट कोहली हैं। उन्होंने 273 मैचों और 265 पारियों में 39.76 की औसत और 133.43 के स्ट्राइक रेट से कुल 8,908 रन बनाए हैं। इसमें 8 शतक और 65 अर्धशतक शामिल हैं। केएल राहुल ने अपने इंडियन प्रीमियर लीग करियर में अब तक 150 मैचों और 141 पारियों में 45.67 की औसत और 136.83 के स्ट्राइक रेट से कुल 5390 रन बनाए हैं। इसमें पांच शतक और 42 अर्धशतक शामिल हैं। दिल्ली कैपिटल्स में शामिल होने से पहले उन्होंने एसआरएच, आरसीबी, पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स जैसी टीमों का प्रतिनिधित्व किया है। उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर 132* है। दूसरी ओर चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज धोनी ने, जिन्होंने राइजिंग पुणे सुपरजायंट के लिए भी दो सीजन खेले हैं, ने 278 मैचों और 242 पारियों में 38.30 की औसत और 137.45 के स्ट्राइक रेट से कुल 5,439 रन बनाए हैं। इसमें 24 अर्धशतक और 84* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। राहुल का मौजूदा आईपीएल में मिश्रित प्रदर्शन रहा है। उन्होंने 5 पारियों में 33.60 के औसत और 168.00 के स्ट्राइक रेट से 168 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्द्धशतक और 92 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

संक्षिप्त खबरें

फुटबॉल विश्व कप 2026 ब्राजील के लिए सुनहरा मौका : काफू

मैड्रिड : ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर काफू का मानना है कि 2026 फुटबॉल विश्व कप ब्राजील के लिए 24 साल बाद फिर से चैंपियन बनने का सबसे सही समय है। काफू, जिन्होंने 2002 में टीम की कप्तानी करते हुए ब्राजील को उसका पांचवां विश्व खिताब दिलाया था, ने कहा कि मौजूदा टीम में संतुलन और अनुभव दोनों मौजूद हैं। उन्होंने 1994 में भी विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहते हुए देश को गौरव दिलाया था। लॉरेंस अवॉर्ड्स समारोह में उन्होंने पत्रकारों से कहा, पिछले खिताब के 24 साल बाद, यह ब्राजील के लिए बिल्कुल सही मौका है। काफू ने टीम के कोच कार्लो अंचेलोटी की सराहना करते हुए उन्हें लगातार जीत दिलाने वाला कोच बताया। उनके अनुसार, टीम का आक्रमण और मिडफील्ड पहले से मजबूत है, इसलिए इस बार रक्षापंक्ति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। काफू ने स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर पर भरोसा जताते हुए कहा कि विश्व कप किसी भी खिलाड़ी के लिए खुद को साबित करने का सबसे बड़ा मंच होता है। 19 वर्षीय एंड्रिक को लेकर काफू ने कहा कि फ्रांस के क्लब लियोन में खेलने से उन्हें काफी फायदा मिला है और वह ब्राजील के लिए अहम खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। 2026 फुटबॉल विश्व कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में किया जाएगा। ब्राजील को इस टूर्नामेंट का प्रमुख दावेदार माना जा रहा है, जबकि स्पेन भी मजबूत चुनौती पेश करेगा।

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026: कार्लोस अल्कराज और आर्यना सबालेंका बने साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

मैड्रिड : प्रतिष्ठित लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 में टेनिस खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज और बेलारूस की आर्यना सबालेंका को क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया है। अल्कराज ने फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन जैसे दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर वर्ष का अंत विश्व नंबर-1 के रूप में किया। वहीं सबालेंका ने पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। समारोह की मेजबानी नोवाक जोकोविच और एलीन गू ने की। लॉरियस अवॉर्ड्स की शुरूआत वर्ष 2000 में हुई थी और यह खेल जगत के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में गिना जाता है।
लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 के मुख्य विजेता -वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी: कार्लोस अल्कराज, वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी: आर्यना सबालेंका, वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम: पेरिस सेंट जर्मेन, वर्ष का उभरता खिलाड़ी: लैंडो नॉरिस, वर्ष की सर्वश्रेष्ठ वापसी: रोरी मैकइलरॉय, वर्ष का सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी: लामिन यामाल, स्पोर्टिंग इंस्पिरेशन अवॉर्ड टोनी क्रोस।

फ्रेंच ओपन 2026: चोट के चलते रोलां गैरों से बाहर हो सकते हैं कार्लोस अल्कराज

पेरिस : मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने संकेत दिए हैं कि वह अपनी कलाई की गंभीर चोट के कारण इस साल के फ्रेंच ओपन (रोलां गैरों) में हिस्सा नहीं भी ले सकते हैं। 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने कहा है कि वह जल्दबाजी में वापसी करने के बजाय पूरी तरह फिट होकर लौटना चाहते हैं। अल्कराज को पिछले सप्ताह बार्सिलोना क्ले-कोर्ट टूर्नामेंट से हटना पड़ा, जब एक रिटर्न खेलते समय उनकी कलाई में समस्या आ गई। बाद में जांच में चोट उम्मीद से ज्यादा गंभीर निकली। इसके बाद उन्होंने मैड्रिड ओपन से भी नाम वापस ले लिया, जिससे 18 मई से शुरू होने वाले रोलां गैरों में उनके खेलने पर संदेह गहरा गया है। सोमवार को एक समारोह के दौरान उन्होंने कहा, मैं थोड़ा देर से लेकिन पूरी तरह फिट होकर वापसी करना पसंद करूंगा, बजाय इसके कि जल्दबाजी में लौटकर खुद को और नुकसान पहुंचाऊं। उन्होंने आगे कहा, मेरा करियर अभी लंबा है। अगर मैं इस रोलां गैरों में खुद पर ज्यादा दबाव डालता हूं, तो इसका असर आगे के टूर्नामेंट पर पड़ सकता है। गौरतलब है कि यानिक सिनर के खिलाफ मोंटे कार्लो मास्टर्स फाइनल में हार के बाद अल्कराज ने वर्ल्ड नंबर-1 रैंकिंग गंवा दी थी। हालांकि, इससे पहले वह क्ले कोर्ट पर लगातार 17 मैच जीत चुके थे और पिछले सीजन में रोम और रोलां गैरों का खिताब अपने नाम किया था।

टी 20 वर्ल्ड कप 2026 पर फिक्सिंग के संदेह, लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े तार

नई दिल्ली : टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कनाडा टीम से जुड़े फिक्सिंग की जांच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी कर रही है, लेकिन अब इस मामले में हैरान करने वाले खुलासे सामने आए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच ग्रुप मैच के दौरान कथित फिक्सिंग में लॉरेंस बिश्नोई गैंग की भूमिका सामने आई है। आईसीसी की एंटी-करप्शन यूनिट कनाडा के कप्तान दिलप्रीत बाजवा की भूमिका की जांच कर रही है। दरअसल, आईसीसी की एसीयू ने हाल ही में प्रसारित 'करप्शन, क्राइम एंड क्रिकेट' नाम की डॉक्यूमेंट्री में किए गए दावों के बाद जांच शुरू की थी। जिसमें क्रिकेट कनाडा संदेह के घेरे में है। इस डॉक्यूमेंट्री को कनाडाई ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन पर प्रसारित किया गया था। इस डॉक्यूमेंट्री में कनाडा क्रिकेट के भीतर भ्रष्टाचार के दावों का जिक्र किया गया है डॉक्यूमेंट्री के मुताबिक, कनाडा के कप्तान दिलप्रीत बाजवा पहली बार तब संदेह हुआ, जब उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ एक बेहद महंगा और असामान्य ओवर किया। सीबीसी ने बताया कि इस खुलासे के बाद स्पॉट-फिक्सिंग की आशंका के चलते एसीयू ने उनसे पूछताछ की और उनका मोबाइल फोन भी खंगाला जांच अभी जारी है।

एक नजर

विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन राजनीतिक दलों ने झोंकी ताकत

चेन्नई : तमिलनाडु में २३ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के आखिरी दिन आज राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। कुल 234 सीटों पर 4,023 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस चुनाव में जीत हासिल करने के लिए सभी दल जोरदार से प्रचार में जुटे हुए हैं।
चुनाव प्रचार के आज आखिरी दिन उम्मीदवार अधिक से अधिक लोगों से मिलकर समर्थन जुटाने में लगे हुए हैं। इसी के साथ प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता भी आज विभिन्न स्थानों पर प्रचार, जनसभा और रोड शो करने की योजना बनाए हुए हैं। आज शाम 6 बजे के बाद चुनाव से संबंधित कोई भी सभा या जुलूस आयोजित नहीं किया जा सकता। इसलिए मुख्यमंत्री स्टालिन पूरे राज्य का दौरा समाप्त करके आज अपने निर्वाचन क्षेत्र कोलाथुर में अपने लिए वोट मांग रहे हैं। टीवीके नेता विजय ने आज दोपहर में पल्लवक्कम अंबेडकर प्रतिमा, तिरुवनमियूर नागाथम्मन मंदिर जंक्शन, सैदापेट पनगल मालीगई के पास अन्ना सलाई कलाईनार आर्च जूनिस रोड जंक्शन तक वाहन रैली निकाली। इसके बाद दोपहर 3 बजे से सैदापेट नंदनम वाईएमसीए मैदान में टीवीके पदाधिकारियों की बैठक आयोजित करने की भी अनुमति ली गई है।

दवाब की राजनीति कर रहे केजरीवाल : बांसुरी स्वराज

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर दवाब की राजनीति करने का आरोप लगाया है।
भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का एक आदेश आया। इसमें जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने केजरीवाल की दबाव की रणनीति को खारिज करते हुए न्यायिक स्वतंत्रता का एक नया आयाम स्थापित किया है, जिसका अभिनंदन और स्वागत हैं। स्वराज ने कहा कि ये बात साबित हो गई है कि आआपा एक ड्रामा कंपनी है और केजरीवाल उसके निर्देशक हैं। केजरीवाल ये बात भूल गए कि इस देश की न्याय प्रणाली उनकी सुविधा से नहीं चलती, इस देश की न्याय प्रणाली संविधान और कानून के तहत चलती है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने 9 मार्च को आए आदेश के बाद, 11 मार्च को दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के सामने अर्जी लगाई कि जस्टिस स्वर्णकांता की पीठ से ये केस हटा दिया जाए। केजरीवाल को 9 मार्च को आया आदेश पसंद नहीं आया।
केजरीवाल की दबाव की रणनीति को खारिज करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने उनके केस के तबादले की मांग को अस्वीकार कर दिया था।

जापान में 8.0 तीव्रता के भूकंप की चेतावनी

टोक्यो : जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने देश में 8.0 या उससे ज्यादा तीव्रता वाले भूकंप की चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी सोमवार शाम आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के कुछ ही घंटों जारी की गई। यह भूकंप शाम 4:53 बजे उत्तरी इवाते प्रांत के तट से दूर प्रशांत महासागर में आया था। यह झटका इतना जोरदार था कि इसने राजधानी टोक्यो की बड़ी-बड़ी इमारतों को भी हिलाकर रख दिया। टोक्यो भूकंप के केंद्र से सैकड़ों किलोमीटर दूर है। जापान टुडे अखबार के अनुसार, नया महा भूकंप आने की संभावना सामान्य समय की तुलना में काफी अधिक है। अग्नि और आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, प्रभावित क्षेत्र के स्थानीय प्रशासन ने 182,000 से अधिक निवासियों के लिए गैर-अनिवार्य निकासी निर्देश जारी किए। एजेंसी के अनुसार, भूकंप के लगभग 40 मिनट बाद इवाते प्रांत के कुजी में एक बंदरगाह पर 80 सेंटीमीटर ऊंची सुनामी की लहर टकराई।

बंगाल को भ्रष्टाचार, घुसपैठ और गुंडागर्दी से मुक्त करेगा यह चुनाव : अमित शाह

एजेंसी

आसनसोल : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कुल्टी विधानसभा सभा सीट के उम्मीदवार डा. अजय पोद्दार के समर्थन में बलतोडिया गणेश पूजा मैदान में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने आसनसोल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की ममता सरकार पर तीखा हमला बोला।
उन्होंने जनता से सवाल करते हुए कहा कि क्या वे राज्य में बदलाव चाहते हैं, सिंडिकेट राज खत्म करना चाहते हैं और बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त बनाना चाहते हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि आसनसोल की यह पवित्र भूमि कभी उद्योग और श्रम की पहचान रही है, जहां से पूरे देश और दुनिया में लोहा जाता था लेकिन वर्तमान सरकार ने यहां के उद्योगों को बंद करने का काम किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह चुनाव केवल किसी प्रत्याशी या कार्यकर्ता को जिताने का नहीं बल्कि पूरे बंगाल को भ्रष्टाचार, घुसपैठ और गुंडागर्दी से मुक्त कराने का चुनाव है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे मतदान के दिन कमल के निशान पर बटन दबाकर भाजपा की सरकार बनाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है और महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।
गृहमंत्री ने वादा किया कि राज्य में अवैध खनन बंद किया जाएगा, रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाएंगे और सरकारी योजनाओं को पारदर्शी तरीके से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर बेरोजगारों को हर महीने आर्थिक सहायता दी जाएगी, गर्भवती महिलाओं को सहयोग मिलेगा और महिलाओं के लिए बस यात्रा मुफ्त की जाएगी। साथ ही, आयुष्मान भारत योजना को प्रभावी रूप से लागू कर गरीबों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को अधिक आर्थिक सहायता दी जाएगी और युवाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता लाई जाएगी और बिना किसी भ्रष्टाचार के नियुक्तियां की जाएंगी। गृहमंत्री ने राज्य सरकार पर विभिन्न घोटालों के आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद दोषियों को कानून के तहत सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा गरीबों की किसी भी योजना को बंद नहीं करेगी बल्कि नई योजनाएं शुरू करेगी। साथ ही, सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत किया जाएगा ताकि घुसपैठ पूरी तरह रोकी जा सके।

संक्षिप्त खबरें

देश के 9 एनएच पर केंद्र ने ट्रक माउंटेड एटेन्यूएटर्स काम करने वाले श्रमिकों की सुरक्षा होगी

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने देश के राष्ट्रीय राजमार्गों पर काम करने वाले श्रमिकों और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रक माउंटेड एटेन्यूएटर्स लगाए हैं। आंध्र प्रदेश और गुजरात में फैले 681 किलोमीटर लंबे 9 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर 33 टीएमए और 15 टोवेबल टीएमए स्थापित किए गए हैं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि ये उपकरण टक्कर की स्थिति में ऊर्जा को अवशोषित कर प्रभाव को कम करते हैं और गंभीर दुर्घटनाओं से बचाते हैं। इनमें लगी विग-वैग चेतावनी लाइटें रात, कोहरे और हाई-स्पीड कॉरिडोर में चालकों को पहले से सतर्क करती हैं। सभी इकाइयां अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप हैं और 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक की टक्कर सहने में सक्षम हैं। मंत्रालय ने कहा कि अब तक 9 परियोजनाओं में कुल 33 टीएमए लगाए गए हैं और 15 टोवेबल ट्रक माउंटेड एटेन्यूएटर्स भी स्थापित किए गए हैं। सभी इकाइयां वैश्विक सुरक्षा मानकों जैसे एमएएसएच टेस्ट लेवल-3 और एनसीएचआरपी 350 टेस्ट लेवल-3 के अनुरूप हैं और ये प्रणालियां 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक की टक्कर को सहने में सक्षम हैं। उल्लेखनीय है कि टीएमए हाई-वे निर्माण स्थलों पर काम करने वाले श्रमिकों और वाहनों की सुरक्षा के लिए एक चलता-फिरता 'क्रैश कुशन' है, जो तेज रफ्तार वाहनों की टक्कर के प्रभाव से बचाता है। यह ट्रक के पीछे लगा एक विशेष उपकरण है, जो दुर्घटना की स्थिति में ऊर्जा को अवशोषित कर पीछे से होने वाली टक्कर की गंभीरता को काफी कम कर देता है।

ऊर्जा सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुचारु बनाए रखने को समन्वित प्रयास : केंद्र

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्र सरकार ने कहा कि देश में बंदरगाह संचालन, ऊर्जा आपूर्ति और डेयरी क्षेत्र सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। भारतीय नाविक सुरक्षित हैं, दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों की कीमतें स्थिर हैं तथा समुद्री बीमा के लिए विशेष फंड की व्यवस्था की गई है। ऊर्जा सुरक्षा, भारतीय प्रवासी समुदाय के कल्याण और आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने यहां मंगलवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित अंतरमंत्रालयी पत्रकार वार्ता में कहा कि पश्चिमी तट के प्रमुख बंदरगाहों पर कंटेनर वॉल्यूम में भारी गिरावट दर्ज की गई है। आठ मार्च को जहां लगभग 3,383 कंटेनर थे, वहीं अब यह घटकर मात्र 99 रह गए हैं, यानी 97 प्रतिशत की कमी आई है। फिलहाल देशभर में बंदरगाह संचालन सामान्य है और यार्ड ऑक्युपेंसी कम हो गई है। सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने 'भारत मरीन इंश्योरेंस पूल' को पहले ही मंजूरी दे दी है, जिसके तहत 12,980 करोड़ रुपये का संप्रभु गारंटी फंड उपलब्ध कराया गया है ताकि समुद्री बीमा को सुगम बनाया जा सके। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत पश्चिम एशिया की स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है और खाड़ी देशों के साथ संपर्क तेज किया गया है। हाल के दिनों में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सऊदी अरब गए, विदेश मंत्री संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे, पेट्रोलियम मंत्री ने कतर का दौरा किया और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने खाड़ी देशों के अपने समकक्षों से कई बैठकें कीं। उन्होंने कहा कि इन समन्वित प्रयासों का उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा, भारतीय प्रवासी समुदाय के कल्याण और अन्य साझा चिंताओं पर सहयोग बढ़ाना है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग की निदेशक पूजा रस्तोगी ने बताया कि संकट के बावजूद देशभर में दूध की खरीद, प्रसंस्करण और आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है। दूध और दुग्ध उत्पादों की कीमतें स्थिर हैं और बाजार में कोई आपूर्ति बाधित नहीं हुई है। किसानों को भुगतान भी नियमित रूप से किया जा रहा है। विभाग स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और डेयरी वैल्यू चेन को सुचारु बनाए रखने के लिए कई सक्रिय कदम उठाए गए हैं।

गुजरात एटीएस ने देश विरोधी साजिश रचने वाले दो आरोपितों को किया गिरफ्तार

अहमदाबाद : गुजरात एटीएस ने साजिश रचने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों आरोपितों के पास से आपत्तिजनक साहित्य, संदिग्ध बातचीत और आतंकी गतिविधियों से जुड़ी जानकारी बरामद हुई है, जिसकी गहन जांच की जा रही है। गुजरात एटीएस के पीएसआई एपी परमार ने बताया कि उनको खुफिया सूचना मिली थी कि सिद्धपुर में रहने वाला 22 वर्षीय युवक इरफान पठान इस्लामी कट्टरपंथी विचारधारा रखता है और अपने साथियों के साथ मिलकर भारत में गजवा-ए-हिंद स्थापित करने के लिए हमले की साजिश रच रहा है। आरोपित फिलहाल फंड इकट्ठा करने और बम बनाने की तैयारी भी कर रहा है। इसी आधार पर एटीएस ने अलग-अलग टीमें बनाकर इरफान को सिद्धपुर से गिरफ्तार कर लिया। पाटन जिला के सिद्धपुर निवासी 22 वर्षीय इरफान कालेखान पठान को पहले गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि वह कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित होकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के जरिए आईएसआईएस सहित अन्य आतंकी संगठनों के संपर्क में था। एपी परमार ने बताया कि पूछताछ और मोबाइल फोन की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इरफान अपने साथी मुर्शिद जाहिद अख्तर शेख (21), निवासी साकीनाका, मुंबई के साथ मिलकर देश में गजवा-ए-हिंद स्थापित करने, राजनीतिक नेताओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े लोगों को निशाना बनाने और शरीयत लागू करने की साजिश रच रहा था। मुर्शिद मुंबई में चिकन बिरयानी का होटल चलाता है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित पिछले करीब 6 महीनों से इस साजिश में सक्रिय थे और सोशल मीडिया के माध्यम से समान विचारधारा वाले युवाओं को जोड़कर अपना नेटवर्क तैयार कर रहे थे। वे पाकिस्तान और अफगानिस्तान से हथियार मंगाने, फंड इकट्ठा करने और आरडीएक्स सहित अन्य बम बनाने की ट्रेनिंग लेने की तैयारी में थे। एटीएस ने महाराष्ट्र पुलिस की मदद से मुंबई से मुर्शिद को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपितों के मोबाइल से देश विरोधी गतिविधियों की विस्तृत प्लानिंग से जुड़ी चैट्स और कट्टरपंथी साहित्य भी बरामद हुआ है। एटीएस के मुताबिक दोनों आरोपितों को सक्षम अदालत ने पेश किया गया।

नेपाल दौरे पर आए अमेरिकी मंत्री पॉल कपूर ने विदेश मंत्री शिशिर खनाल से की मुलाकात

एजेंसी

काठमांडू : तीन दिवसीय नेपाल दौरे पर आए अमेरिकी दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के सहायक मंत्री पॉल कपूर ने मंगलवार को नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान नेपाल में व्यापार और निवेश बढ़ाने पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के विषय में चर्चा हुई। नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार सिंहदरबार में हुई इस बैठक में नेपाल-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने पर भी बातचीत की गई।
नेपाल में बालेन्द्र शाह सरकार के गठन के बाद यहां दौरा करने वाले पहले उच्चस्तरीय कूटनीतिज्ञ हैं। सोमवार से शुरू हुआ उनका यह दौरा नई सरकार और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के साथ संबंधों को विस्तार देने की योजना के रूप में भी देखा जा रहा है। उन्होंने सोमवार को सत्तारूढ़ दल आरएसपी के अध्यक्ष रवि लामिछाने से भी मुलाकात की थी। इस मुलाकात में उन्होंने अमेरिका और नेपाल के बीच सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की थी। कपूर ने कहा था कि काठमांडू में मुलाकात कर खुशी हुई। नई सरकार में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की प्राथमिकताओं को समझने और अमेरिका-नेपाल सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा करने का अवसर मिला। कपूर ने सोमवार दोपहर अमेरिकी उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ नेपाल के आईसीटी क्षेत्र में अमेरिकी व्यापारिक अवसरों के विस्तार पर भी चर्चा की।

किसानों के मन में भरोसा रहना चाहिए कि उनका गेहूं जरूर खरीदा जाएगा : शिवराज

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विदिशा संसदीय क्षेत्र में गेहूं उपार्जन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। इस बैठक में विशेषकर विदिशा, सांची, गंजबासौदा, बुधनी, भोजपुर, खातेगांव और इछावर समेत सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों के विधायक एवं संबंधित जिलों के कलेक्टर तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। समीक्षा के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान ने खरीदी व्यवस्था को सुचारु और पारदर्शी बनाने पर विशेष जोर दिया।
उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों के साथ पूरा समन्वय करते हुए सभी खरीदी केन्द्रों पर पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही बारदाने की उपलब्धता, स्लॉट बुकिंग प्रणाली और किसानों की सुविधा से जुड़े हर पहलू पर सतर्कता बरती जाए। इस अवसर पर शिवराज चौहान ने स्पष्ट कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा या परेशानी नहीं होनी चाहिए और उपार्जन प्रक्रिया को पूरी तरह व्यवस्थित, सरल और किसान हितैषी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि वे अधिकारियों से चर्चा कर खरीदी की अंतिम तिथि बढ़ाने, खरीदी की मात्रा में वृद्धि करने, अधिक तौल कांटे लगाने और आवश्यकता पड़ने पर छुट्टी के दिन भी खरीदी जारी रखने जैसे विषय पर चर्चा करेंगे।
साथ ही उन्होंने कहा कि इस संबंध में, मध्यप्रदेश शासन और मुख्यमंत्री से भी विस्तृत चर्चा करेंगे, ताकि गेहूं खरीदी की सभी व्यवस्थाएं बेहतर और संतुलित ढंग से सुनिश्चित की जा सकें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और पूरी प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो इस दिशा में कृषि मंत्रालय काम कर रहा है।

आयात घटाना और प्रदूषण कम करना सरकार की प्राथमिकता : गडकरी

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा देश का परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र आधुनिक, सुरक्षित और टिकाऊ बनाने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है। सरकार का उद्देश्य आयात कम करना, सस्ता और प्रदूषण मुक्त परिवहन उपलब्ध कराना तथा इसे स्वदेशी बनाना है।
गडकरी ने यहां इंडिया हैबिटाट सेंटर में इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी के 'ग्रीन ट्रांसपोर्ट कॉन्क्लेवः सस्टेनेबल और ग्रीन मोबिलिटी के भविष्य की ओर तेजी' कार्यक्रम में कहा कि आज देश में कुल ईंधन की जरूरत का 87 फीसदी आयात किया जाता है, जिसकी कीमत लगभग 22 लाख करोड़ रुपये है।
पश्चिम एशिया संकट के चलते इस आयात पर निर्भरता के परिणाम देश को भुगतने पड़ रहे हैं। आत्मनिर्भर बनना ही सबसे बड़ा उद्देश्य है। नई तकनीक आने से पुराने उद्योगों में असुरक्षा की भावना पैदा होती है, इसके बावजूद आयात कम करना बेहद कठिन है। उन्होंने कहा कि इस आयात को रोकने के लिए दो चीजें हैं जिनका समाधान सरकार के पास नहीं है। जनसंख्या और ऑटोमोबाइल की तेजी से बढ़ती संख्या। कई घरों में चार लोग रहते हैं लेकिन गाड़ियों की संख्या सात या आठ होती है। स्क्रैपिंग नीति से अच्छे परिणाम मिल रहे हैं क्योंकि देश में कचरे की मात्रा बहुत बढ़ गई है। एल्यूमीनियम, तांबा, प्लास्टिक, रबर और स्टील का आयात होता है। यदि इनका पुनर्चक्रण किया जाए तो ऑटोमोबाइल की लागत 30 फीसदी तक कम हो जाती है। गडकरी ने कहा कि जब लागत कम होगी तो दोपहिया वाहनों का निर्यात और बढ़ेगा। वर्तमान में देश की सभी स्वदेशी दोपहिया वाहन कंपनियां कुल निर्माण का 50 फीसदी निर्यात करती हैं। यह सेक्टर रोजगार देने वाला बड़ा क्षेत्र है और 4.5 करोड़ युवाओं को रोजगार देता है।
साथ ही यह उद्योग जीएसटी के रूप में सबसे अधिक कर राजस्व देता है और सबसे ज्यादा निर्यात करने वाला उद्योग भी है। उन्होंने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने में इस सेक्टर का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि आज प्रदूषण हमारी सबसे बड़ी समस्या है। अर्थव्यवस्था, पारिस्थितिकी तंत्र और नैतिकता अगर बिगड़ जाए तो स्थिति बहुत खराब हो जाती है। ज्ञान से समृद्धि और कचरे से समृद्धि, दोनों का उपयोग करके हमें आगे जाना होगा। इससे एक से दूसरा और दूसरे से तीसरा रास्ता बन जाएगा। टिकाऊ विकास की दिशा में देश आगे बढ़ेगा।

भाजपा नेता बलबीर पुंज की अस्थियां हरिद्वार में गंगा में विसर्जित

हरिद्वार : वरिष्ठ लेखक, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सांसद बलबीर पुंज की अस्थियां मंगलवार को हरिद्वार में विधि-विधान के साथ गंगा में विसर्जित की गईं। कनखल स्थित सती घाट पर अस्थि विसर्जन के समय परिजनों के साथ भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।सती घाट पर अस्थि कलश लेकर पहुंचे परिजनों ने पूरे धार्मिक विधि-विधान के साथ गंगा में अस्थियां प्रवाहित कर उनकी आत्मा की शांति एवं मोक्ष की कामना की। श्रद्धांजलि देते हुए सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि बलबीर पुंज एक राष्ट्रवादी चिंतक, प्रखर लेखक और अनुभवी राजनेता थे। उनके विचारों और लेखनी से पार्टी और समाज को निरंतर मार्गदर्शन मिलता रहा।

सिविल सेवक विकसित भारत के लक्ष्य में अहम भूमिका निभाएं : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नयी दिल्ली : उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को सिविल सेवकों से कहा कि अधिक शक्ति के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है और उन्हें राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभानी चाहिए। उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर विशेष जोर दिया।
उपराष्ट्रपति यहां विज्ञान भवन में आयोजित 18वें सिविल सेवा दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए योजनाओं की प्रभावी 'लास्ट माइल डिलीवरी' और जमीनी हकीकत के प्रति संवेदनशीलता बेहद जरूरी है, ताकि शासन का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि योजनाएं भले ही दिल्ली में बनती हों लेकिन उनका वास्तविक प्रभाव तभी दिखता है जब उन्हें दूरदराज के गांवों तक सही तरीके से लागू किया जाए। उन्होंने सिविल सेवकों को "भारत की रीढ़" बताते हुए कहा कि उनकी भूमिका देश के विकास और समावेशी प्रगति में केंद्रीय है। उन्होंने देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को याद करते हुए कहा कि उन्होंने सिविल सेवाओं को "स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया" बताया था। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज भी सिविल सेवक उसी भावना के साथ देश की एकता और प्रशासनिक मजबूती को आगे बढ़ा रहे हैं।
उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों में कार्यरत सिविल सेवक राष्ट्रीय एकता और समन्वय के सबसे बड़े दूत हैं। उन्होंने 'आकांक्षी जिला कार्यक्रम' और 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनकी सफलता जिला स्तर पर अधिकारियों की समझ और कार्यान्वयन क्षमता पर निर्भर करती है। उन्होंने जोर दिया कि हर जिले की जरूरतें अलग होती हैं और उसी के अनुसार योजनाओं को लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी राज्य या जिला विकास की दौड़ में पीछे नहीं रहना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पिछले दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है और दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है। देश जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उपराष्ट्रपति ने बताया कि करीब 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं, 4 करोड़ से अधिक गरीबों के लिए घर बनाए गए हैं और सीमावर्ती गांवों को विकसित कर 'वाइब्रेंट विलेज' बनाया जा रहा है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**